THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 74 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.14 2083 रविवार, 14 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

हमारा लक्ष्य शिक्षा और खेल को एक साथ आगे बढ़ाना है : धर्मेंद्र प्रधान

भोपाल, 13 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को भोपाल दौरे के दौरान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की। सीएम ने अपने सरकारी घर पर प्रधान का स्वागत गुलदस्ता और पारंपरिक अंगवस्त्र देकर किया। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात के दौरान शिक्षा, युवा विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले, प्रधान ने केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार के 12 साल पूरे होने पर हो रहे कार्यक्रम के तहत सूरज नगर के नागेश्वर महादेव मंदिर में सफाई अभियान में हिस्सा लिया। प्रधान ने इस पहल को जनता की भागीदारी की भावना की झलक बताते हुए नागरिकों से सफाई को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाने और एक साफ, स्वस्थ और विकसित भारत के विजन में योगदान देने की अपील की।

भारतीय मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक डिफेंस सिस्टम का टेस्ट कामयाब

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत अब लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, यहां तक कि इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का भी मुकाबला कर सकता है। डीआरडीओ ने 10 और 11 जून को लगातार 3 फ्लाइट टेस्ट किए गए, जिनमें मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) सिस्टम का प्रदर्शन किया गया।

इसमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) क्लास तक के खतरों समेत बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और बेअसर करने की क्षमता भी शामिल है। यह स्वदेशी तकनीक दुश्मन की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को टेस्टिंग की तस्वीरें एक्स अकाउंट पर शेयर की हैं।

8वें वेतन आयोग की शर्तों को मंजूरी

✻ फिटमेंट फैक्टर 3 होने पर 45 हजार हो जाएगी बेसिक सैलरी
✻ 1.24 करोड़ कर्मचारियों-पेंशनर्स को फायदा

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 8वें वेतन आयोग के नियम और शर्तों यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) को मंजूरी दे दी है। इसके बाद अब करीब 55 लाख सेवारत कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स की सैलरी, पेंशन और भत्तों में बड़े बदलाव की उम्मीद है। वहीं आयोग को अपनी सिफारिशें सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है। फिटमेंट फैक्टर वह गुणांक यानी मल्टीप्लायर है जिसका इस्तेमाल केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की बेसिक सैलरी को रिवाइज करने के लिए किया जाता है।

नया सैलरी स्ट्रक्चर तय करने में इसकी भूमिका सबसे जरूरी होती है। 7वें वेतन आयोग में 2.57 का फिटमेंट फैक्टर लागू किया गया था, जो 2016 से प्रभावी हुआ था। इसके तहत अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 15,000 थी, तो वह बढ़कर 38,550 हो गई थी।

कर्मचारी यूनियनों की मांग और एक्सपर्ट्स का अनुमान

8वें वेतन आयोग के लिए केंद्रीय कर्मचारी यूनियनों और एसोसिएशनों ने मुख्य रूप से फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाने और न्यूनतम बेसिक पे में बड़ी बढ़ोतरी की मांग की है। कुछ यूनियनों ने फिटमेंट फैक्टर को 3 से 5 या उससे अधिक करने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, पेंशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि इतनी बड़ी मांग वित्तीय वास्तविकताओं के अनुकूल नहीं हो सकती है। पेंशन एक्सपर्ट्स के अनुसार, आयोग न्यूनतम वेतन की गणना के तरीके में बदलाव कर सकता है। इसके लिए परिवार की उपभोग इकाइयों (कंजम्पशन यूनिट्स) को तीन से बढ़ाकर पांच किया जा सकता है और फिटमेंट फैक्टर को 2.64 करने पर विचार किया जा सकता है।

कितनी बढ़ सकती है कर्मचारियों की इनहैंड सैलरी

सैलरी में होने वाली अंतिम बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि आयोग क्या सिफारिश करता है और सरकार किसे मंजूरी देती है। इसे दो अलग-अलग उदाहरणों से समझा जा सकता है।

पहला उदाहरण (60 प्रतिशत डीए के आधार पर) >14

तेलंगाना में महंगाई दर सबसे अधिक

मई में पहुंची 6.15 प्रतिशत

हैदराबाद/नई दिल्ली, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जनवरी 2026 से तेलंगाना देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक महंगाई दर वाला राज्य बना हुआ है। मई 2026 में राज्य की उपभोक्ता मुद्रास्फीति दर बढ़कर 6.15 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में महंगाई बढ़ने के पीछे ईंधन पर अधिक कर, ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी दर में वृद्धि तथा बाहर से आने वाली ताजी खाद्य वस्तुओं पर अधिक निर्भरता प्रमुख कारण हो सकते हैं। राज्य स्तरीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़े देशभर में महंगाई की स्थिति में व्यापक क्षेत्रीय असमानता को भी दर्शाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 12 से 14 राज्यों की महंगाई दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे बड़े राज्यों में भी महंगाई का स्तर अखिल भारतीय औसत से ऊपर बना हुआ है। प्रमुख राज्यों में आंध्र प्रदेश, असम और ओडिशा में जनवरी से मई 2026 के बीच महंगाई दर में दो प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इसी अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर महंगाई में केवल 1.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनवरी से मई 2026 के दौरान महंगाई दर 2 से 4 प्रतिशत के बीच रही। इसके बावजूद कुछ राज्यों में बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। देश में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर मई 2026 में बढ़कर 3.93 प्रतिशत हो गई, जबकि अप्रैल में यह 3.48 प्रतिशत थी। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि तथा रसोई गैस की कीमतों में बदलाव का प्रभाव मई के आंकड़ों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। परिवहन क्षेत्र में महंगाई दर अप्रैल की तुलना में मई में काफी बढ़ी। इसी प्रकार रसोई गैस पर निर्भर रेस्तरां और आवास सेवाओं की लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसके चलते भोजन और अन्य सेवाओं की कीमतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं और आभूषणों की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से चांदी के आभूषणों और सोने की बढ़ती कीमतों ने मूल महंगाई दर को प्रभावित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन, खाद्य पदार्थों और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतें आने वाले समय में भी महंगाई पर असर डाल सकती हैं।

'युवा भारतीय गढ़ रहे देश-दुनिया का भविष्य'

✻ प्रधानमंत्री मोदी ने की नई पीढ़ी के योगदान की प्रशंसा

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास को मजबूत रूप से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हाल ही में 12 साल पूरे किए हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने देश के युवाओं के लिए सरकार की योजनाओं, प्रयासों और उपलब्धियों को गिनाया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, एनडीए सरकार युवाओं के नेतृत्व वाले विकास के लिए मजबूती से काम कर रही है। पिछले 12 वर्षों की एक खास बात यह रही है कि भारत के युवाओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। 'स्टार्टअप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्किल इंडिया' और 'अटल इनोवेशन मिशन' जैसी पहलों के जरिए एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार हुआ है जो इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप डेस्टिनेशन में से एक है और इनमें से कई सफलता की कहानियां हमारी युवा शक्ति लिख रही है, और वह भी छोटे कस्बों और गांवों से। >14

एयरफोर्स का ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश, पायलट समेत 5 की मौत

> लैंडिंग के दौरान आग लगी, दो हिस्सों में टूटा > असम के जोरहाट एयरबेस पर हादसा

जोरहाट, 13 जून (एजेंसियां)। असम में जोरहाट के रौरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह 10 बजे लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई। इनमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं। एक को-पायलट घायल हो गया है।

हादसा उस समय हुआ, जब विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था। हादसे के बाद उसमें आग लग गई और दो हिस्से में टूट गया। यह एएन-32 मालवाहक विमान था, जिसका इस्तेमाल सैनिकों और सामान की ढुलाई के लिए किया जाता है। हादसे की वजह सामने नहीं आई है। इंडियन एयरफोर्स ने बताया कि विमान रुटीन

उड़ान पर था। साथ ही अपील कि शुरूआती नतीजे आने तक कोई अंदाजा न लगाएं। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारतीय वायुसेना अपने पुराने एएन-32 और आईएल-76 मालवाहक विमानों को बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए नए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (एमटीए) खरीदे जाएंगे, ताकि भविष्य में सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामान की ढुलाई की जरूरतें पूरी की जा सकें। भारतीय वायु सेना के पास लगभग 100 एंटोनोव एएन-32 टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट विमानों का बेड़ा है।

हालांकि आईएएफ ने शुरू में सोवियत मूल के ऐसे 125 प्लेन खरीदे थे, लेकिन अब एक्टिव-ड्यूटी प्लेन की संख्या लगभग 100 रह गई है। एएन-32 ने 1980 से आईएएफ की मीडियम-लिफ्ट ट्रांसपोर्ट क्षमताओं की रीढ़ के तौर पर काम किया है। गर्म मौसम और हिमालय जैसे ऊंचे इलाकों में ऑपरेशन के दौरान इसकी मजबूती के कारण इसे काफी अहम माना जाता है।

जिंदा मिसाइल के साथ भारत पहुंचा ऑयल टैंकर

✻ ओमान तट के पास हमला हुआ ✻ 2000किमी सफर कर कोच्चि आया, इंडियन नेवी ने मिसाइल निकाली

कोच्चि, 13 जून (एजेंसियां)। इंडियन नेवी ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह से कोच्चि आए एक ऑयल टैंकर से जिंदा मिसाइल को सुरक्षित निकालकर बड़ा समुद्री हादसा टाल दिया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 26 मई को ओमान तट के पास एमटी ओलम्पिक ऑयल टैंकर पर हमला हुआ था। इस शिप पर मार्शल आइलैंड का झंडा था।

हमले के बाद मिसाइल का वारहेड फटा नहीं, बल्कि टैंकर के बाहरी हिस्से को भेदते हुए फ्यूल टैंक में जाकर फंस गया। टैंकर अरब सागर में करीब 2,000 किलोमीटर का सफर तय करके कोच्चि पहुंचा। इसके बाद इंडियन नेवी ने हाई-रिस्क ऑपरेशन चलाकर मिसाइल वारहेड को बाहर निकाला।

ऑयल टैंकर पर कोई भारतीय सवार नहीं था :

रक्षा मंत्रालय की तरफ से 11 जून को जारी बयान के मुताबिक, टैंकर यूएई के फुजैराह से कोच्चि आ रहा था। टैंकर में कोई भारतीय नागरिक सवार नहीं था। ओमान तट के पास हमले के बावजूद टैंकर ने अपनी यात्रा जारी रखी और बाद में अधिकारियों को मिसाइल फंसी होने की जानकारी दी। इसके बाद गुरुग्राम स्थित इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर-इंडियन ओशन रीजन (आईएफसी-आईओआर) के जरिए कार्रवाई शुरू की गई। कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान ने एक्सप्लोसिव ऑर्डनेंस डिस्पोजल (ईओडी) एक्सपर्ट्स की टीम को तैनात किया। जांच में पता चला कि मिसाइल का वारहेड टैंकर के फ्यूल टैंक के अंदर फंसा हुआ है। मिसाइल जिस जगह फंसी थी, वहां बड़ी मात्रा में कच्चा तेल था। विस्फोट होने पर बड़ा हादसा हो सकता था। इससे जहाज, चालक दल और पोर्ट को भारी नुकसान पहुंच सकता था।

बदलते युद्ध स्वरूप के अनुरूप खुद को तैयार करें वायुसेना अधिकारी : राजनाथ सिंह

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आधुनिक युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और नई तकनीकों के कारण युद्ध की रणनीतियां पहले की तुलना में काफी अलग हो गई हैं।

उन्होंने भारतीय वायु सेना के नवनियुक्त अधिकारियों से नई युद्ध प्रणालियों और रणनीतियों को अपनाने, उनमें सुधार करने तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें संशोधित करने का आह्वान किया। शनिवार को हैदराबाद के डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित 217वें पाठ्यक्रम की संयुक्त दीक्षांत परेड की समीक्षा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पहले युद्ध में मुख्य रूप से सैनिक और हथियार ही निर्णायक भूमिका निभाते थे, लेकिन आज रडार, उपग्रह, ड्रोन, रोबोटिक्स और साइबर तकनीकों ने युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने

कहा कि आधुनिक युद्ध में दुश्मन हमेशा प्रत्यक्ष रूप से दिखाई नहीं देता। अब ऐसी परिस्थितियां भी सामने आ रही हैं, जहां विरोधी देशों की यातायात व्यवस्था, संचार नेटवर्क और निगरानी प्रणालियों को भी निशाना बनाया जा सकता है।

इसलिए सैन्य अधिकारियों को हर समय सतर्क और तकनीकी रूप से सक्षम रहना होगा। राजनाथ सिंह ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल कड़ी मेहनत ही नहीं, बल्कि समझदारी से किया गया कार्य भी सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि आज वही राष्ट्र तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं, जो नवाचार और आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले शक्तिशाली देशों को हर परिस्थिति में निर्णायक बढ़त हासिल रहती थी, लेकिन अब छोटे देश भी आधुनिक हथियारों और नई रणनीतियों के बल पर बड़े देशों को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं। दुनिया में होने वाला हर युद्ध नई सीख और अनुभव प्रदान करता है, इसलिए सैन्य बलों को लगातार सीखते और खुद को विकसित करते रहना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों से भारतीय वायु सेना के अधिकारी शुभांशु शुक्ला की उपलब्धियों और विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। सैन्य अनुशासन और उत्साह से भरपूर इस समारोह में भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रशिक्षण के सफल समापन का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने सफल प्रशिक्षुओं को राष्ट्रपति आयोग प्रदान किया।

इंडियन आर्मी की यूनिफॉर्म लिस्ट में शामिल हुईं नई ड्रेस

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी के ड्रेस रेगुलेशन में बदलाव किया गया है। आर्मी की अलग-अलग वक्त में पहने जाने वाली यूनिफॉर्म में कुछ नई ड्रेस जोड़ी गई हैं। सेरिमोनियल विंटर ड्रेस में अब एक ड्रेस जवानों और अधिकारियों की एक जैसी होगी। अधिकारियों के लिए नई विंटर जैकेट भी यूनिफॉर्म में शामिल की गई है। ड्रेस रेगुलेशन में 3बी नाम से विंटर ड्रेस जुड़ी है। इसमें विंटर जैकेट शामिल है। इस तरह का विंटर जैकेट अभी एयरफोर्स और नेवी की यूनिफॉर्म में है। अब आर्मी की यूनिफॉर्म में भी इसे शामिल किया गया है। ये पीस स्टेशन के लिए होगा क्योंकि फील्ड स्टेशन में पूरे सारे कॉम्बेट यूनिफॉर्म ही पहनी जाती है।

कॉम्बेट यूनिफॉर्म में भी 7ए नाम से नई ड्रेस जुड़ी है। इसमें टी-शर्ट शामिल है। 7बी यूनिफॉर्म सर्दियों का कॉम्बेट जैकेट है। विंटर सेरिमोनियल में अधिकारियों के लिए 1सी नाम से नई ड्रेस जोड़ी गई है। अब तक यह ड्रेस जवानों और जेसीओ के लिए होती थी। अब इसे ऑफिसर्स के लिए शामिल किया गया है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले आर्मी चीफ होंगे

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना का अगला प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) नियुक्त किया है। सेठ अभी उपसेना प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर कार्यरत हैं। वे मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल जून 2026 तक है। उन्होंने 30 जून 2024 को आर्मी चीफ का पद संभाला था। आर्मी चीफ का कार्यकाल 3 साल या 62 साल की उम्र (दोनों में जो भी पहले पूरा हो) तक होता है। दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन हालिस करने वाले धीरज सेठ को करीब 40 साल का सैन्य अनुभव है।

केरल सीएम वीडी सतीशन को जान से मारने की धमकी

> आरोपी ने पुलिस को बताया उसने क्यों ऐसा किया

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में सोनी थॉमस को गिरफ्तार किया है। जबकि एक अन्य विधायक टी.के. गोविंदन ने भी इसी तरह की धमकी मिलने की शिकायत दर्ज कराई है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी भरे फोन करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अटिंगल निवासी सोनी थॉमस के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम 6:50 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने तिरुवनंतपुरम शहर जिला पुलिस कमान एवं नियंत्रण केंद्र (डीपीसीसी) को फोन किया और मुख्यमंत्री और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

एफआईआर के अनुसार, कारण पूछे जाने पर, फोन करने वाले ने कथित तौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री सतीशन को पसंद नहीं करता। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने शाम 6:53 बजे फिर से फोन किया और धमकी दोहराई। एफआईआर में कहा गया है कि फोन उठाने वाले पुलिस अधिकारी को गाली देने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर पूछा कि क्या मुख्यमंत्री के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसके तुरंत बाद, छावनी पुलिस ने मामला दर्ज कर उन फोन नंबरों का पता लगाना शुरू कर दिया जिनसे कॉल किए गए थे। शनिवार सुबह पुलिस ने थॉमस को अटिंगल से हिरासत में ले लिया।

एसआईआर-30 करोड़ वोटर कार्ड से धुंधले फोटो हटेंगे

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। निर्वाचन आयोग घर-घर जाकर वोटरों की पहचान करने के अंतिम दौर में पहुंच रहा है। अब बचे हुए 39 करोड़ 73 लाख वोटर्स के दरवाजे पर दस्तक देने की तैयारी है। इस बीच स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के बाद मतदाता फोटो पहचान कार्ड यानी एपिक में क्या बड़े बदलाव आए हैं। एसआईआर के बाद अब तक तैयार 59 करोड़ मतदाताओं के फोटो न सिर्फ हाल ही के हैं बल्कि रंगीन भी हैं। चुनाव आयोग के 9 लाख 20 हजार से ज्यादा बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) ने मोबाइल से वोटरों के फोटो उनके पहचान पत्र के साथ जोड़कर मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाया है। इसके लिए बीएलओ ने कोई फीस नहीं ली। पहले दौर में बिहार और सेकेंड फेज के 12 राज्यों के वोटर्स की घर-घर जाकर पुष्टि के बाद 59 करोड़ वोटरों के नए पहचान पत्र बने हैं।

असम में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक

> सीएम सरमा का बड़ा फैसला

गुवाहाटी, 13 जून (एजेंसियां)। अवैध घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाते हुए असम सरकार ने 18 साल से अधिक आयु के लोगों को आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने निर्णय लिया है कि अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को सामान्य प्रक्रिया के तहत आधार कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे। इस फैसले का मकसद ये है कि अवैध प्रवासी इस दस्तावेज को हासिल न कर सकें। उन्होंने कहा कि विशेष परिस्थितियों में संबंधित जिले के उपायुक्त (डीसी) को राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजना होगा। राज्य सरकार मामले की जांच के बाद तय करेगी कि संबंधित व्यक्ति आधार कार्ड पाने का पात्र है या नहीं। उसके बाद ही अनुमति दी जाएगी। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया लगभग चरम की स्थिति में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, कुछ जिलों में आधार कवरेज 100 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। हमें यह पता लगाना होगा कि अतिरिक्त आधार कार्ड लेने वाले लोग कौन हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, यह कदम विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है कि कोई भी अवैध बांग्लादेशी नागरिक आधार कार्ड प्राप्त न कर सके। सीएम सरमा ने बताया कि फिलहाल चाय बागान समुदाय और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे।

कल्याण बनर्जी के बदले सुर

अभिषेक बनर्जी को बताया बेटे समान

> मैंने उसे माफ किया, पहले दिया था अल्टीमेटम

कोलकाता, 13 जून (एजेंसियां)। हाल ही में कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी को अल्टीमेटम दिया था कि वे अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनमें से किसी एक को चुन लें। हालांकि अब कल्याण बनर्जी के सुर बदले नजर आ रहे हैं और ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी उनके बेटे के समान हैं और पिता होने के नाते उन्हें माफ करना उनका कर्तव्य है। कल्याण बनर्जी ने कहा, वह मेरे बेटा जैसा है।

पिता का कर्तव्य है कि वह बेटे की सभी गलतियों को माफ कर दे। देश में लोकतंत्र खतरे में है। पश्चिम बंगाल में पहले कभी ऐसी स्थिति नहीं आई, जहां विपक्ष का पूरी तरह से सफाया हो गया हो। यह मुख्यमंत्री प्रतिशोध की भावना से ग्रस्त है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। दरअसल फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक बनर्जी ने कल्याण बनर्जी को पैरवी से हटा दिया था। इससे कल्याण बनर्जी बुरी तरह से नाराज हो गए थे और इसे अपमान और अनादर बताया था। उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने उन्हें फोन करके बताया कि अभिषेक बनर्जी के फर्जी हस्ताक्षर मामले में उन्हें कोर्ट नहीं जाना है और उनकी जगह वकील किशोर दत्ता पक्ष रखेंगे। कल्याण बनर्जी ने कहा अभिषेक को सीनियर्स का सम्मान करना नहीं आता। वह बहुत घमंडी है और कभी भी मुझ पर भरोसा नहीं करता था और न ही करेगा। कल्याण बनर्जी ने कहा, मैं किसी भी मामले में अभिषेक बनर्जी का केस नहीं लड़ूंगा। वह मेरा अपमान कैसे कर सकते हैं? राजनीति में भी मैं उनसे वरिष्ठ हूं।

> वह मेरे बेटा जैसा है। पिता का कर्तव्य है कि वह बेटे की सभी गलतियों को माफ कर दे। देश में लोकतंत्र खतरे में है। पश्चिम बंगाल में पहले कभी ऐसी स्थिति नहीं आई, जहां विपक्ष का पूरी तरह से सफाया हो गया हो। यह मुख्यमंत्री प्रतिशोध की भावना से ग्रस्त है।
>
> कल्याण बनर्जी, सांसद, तृणमूल कांग्रेस

यूरिया के बंटवारे में कोई दिक्कत नहीं आएगी

नेल्लोर, 13 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में यूरिया की कमी से कोवुर के विधायक वेमिरेड्डी प्रशांत रेड्डी ने किसानों के बीच बनी उलझन पर अफ़सोस जताया है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वे ऐप के ज़रिए यूरिया की सप्लाई करेंगे। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और कृषि मंत्री अच्चेन्ना नायडू ने यूरिया की समस्या पर ध्यान दिया है। सरकार एक बार में 3.5 बैग देने को तैयार है। किसानों की चिंता को देखते हुए साफ़ किया गया है कि यूरिया की कोई कमी नहीं है। पहले ही 4500 मीट्रिक टन यूरिया की सप्लाई की जा चुकी है और अभी भी 2500 टन यूरिया उपलब्ध है।

कोटा, प्रयागराज, पटना और दिल्ली

नीट पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस चलाएगी देशव्यापी अभियान

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी नीट पेपर लीक के मुद्दे पर युवाओं को लामबंद करने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए, राहुल गांधी एक देशव्यापी अभियान का नेतृत्व करेंगे, जिसमें देशभर के छात्रों को शामिल किया जाएगा और इसकी शुरुआत 17 जून से राजस्थान को कोटा से होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि ये कार्यक्रम राजस्थान के बाद 10 जुलाई को प्रयागराज, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में भी आयोजित किए जाएंगे। कांग्रेस इस अभियान के तहत लोगों को इकट्ठा करेगी।

इस अभियान में छात्र, परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा, युवा संगठन, शिक्षक और परीक्षा घोटालों से सीधे प्रभावित सभी लोग शामिल होंगे। यह अभियान उन लाखों युवा भारतीयों की मुश्किलों को उजागर करेगा जिनका भविष्य पेपर लीक, परीक्षा की बढ़ती लागत और निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती और शिक्षा

प्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के कारण बार-बार खतरे में पड़ रहा है। केसी वेणुगोपाल ने बताया, राहुल गांधी छात्र सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित करेंगे। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत पार्टी एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, पीसीसी, डीसीसी और देशभर की स्थानीय इकाइयों के जरिए व्यापक जनसंपर्क कर छात्रों को संगठित किया जाएगा। साथ ही कैंपस में जनसंपर्क, कोचिंग सेंटरों, विश्वविद्यालयों, स्कूलों और युवा केंद्रों में संवाद, सोशल मीडिया अभियान, लाइव स्क्रीनिंग और छात्रों से सीधा संवाद किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी का नीट पेपर लीक को देशव्यापी छात्र सम्मेलन कार्यक्रम का एलान ऐसे समय किया गया है, जब कांकरोच जनता पार्टी भी इस मुद्दे पर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन कर रही है।

पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी ने पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। गुरुवार को अभिजीत दीपके के नेतृत्व में पुणे में सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी कैंपस में विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। सोनम वांगचुक ने सीजेपी का शिक्षा घोषणापत्र जारी किया। उन्होंने कहा कि इसमें पेपर लीक रोकने, समय पर रिजल्ट जारी करने, भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने और परीक्षा में देरी-गड़बड़ियों से छात्रों की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया है।

नीट परीक्षा पेपर लीक मुद्दे पर केंद्र सरकार बुरी तरह से घिरी हुई है। पहले नीट पेपर लीक को लेकर सरकार की किरकिरी हुई और फिर सीबीएसई परीक्षा की निष्पक्षता पर भी सवाल उठे और उसमें खामियां पता चलीं। जिसे लेकर छात्रों और अभिभावकों में काफी नाराजगी है। नीट पेपर लीक के चलते कई छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें सामने आई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी नीट पेपर लीक पर सख्त टिप्पणियां कर गंभीर सवाल उठाए थे। यही वजह है कि अब 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा को लेकर सरकार सतर्कता बरत रही है और प्रधानमंत्री मोदी खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं।

'भाजपा को फायदा पहुंचाते हैं राहुल गांधी', पूर्व सीएम पिनाराई विजयन ने क्यों कही ये बात?

तिरुवनंतपुरम, 13 जून (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व सीएम पी। विजयन ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी की आलोचना करते हुए विजयन ने कहा कि उनका राजनीतिक रवैया विपक्षी इंडी गठबंधन को मजबूत नहीं करता बल्कि कई बार इसका फायदा भाजपा को मिलता है। राहुल गांधी ने हाल ही में इंडी गठबंधन की बैठक में पी विजयन को राजनीतिक प्रतिद्वंदी होने के कारण गले न लगाने की बात कही थी। राहुल गांधी के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयन ने कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किसे गले लगाता है। पूर्व सीएम विजयन ने दावा किया कि इंडी गठबंधन की बैठकों में केवल वामपंथी दलों ने ही नहीं, बल्कि अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और अन्य गैर-कांग्रेसी दलों के नेताओं ने भी कांग्रेस के रुख पर आपत्ति जताई थी। विजयन ने कहा, 'आज जो स्थिति बनी है, वह कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी के रवैये की वजह से बनी है। उनका रवैया इंडी गठबंधन को मजबूत नहीं करता।

टीडीपी -वाईएसआरसीपी समर्थकों के बीच झड़पः दो गाड़ियां फूंकीं, तीन घायल

कुर्नूल, 13 जून (एजेंसियां)। कुर्नूल ज़िले के मंत्रालयम विधानसभा क्षेत्र में टीडीपी और वाईएसआरसीपी समर्थकों के बीच झड़प हो गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए और दो गाड़ियां जला दी गईं। इसके बाद कई गांवों में पुलिस तैनात करनी पड़ी। यह हिंसा माधवरम, रामपुरम, बासापुरम और कोसिगी में हुई, जहाँ बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच विरोधी पार्टियों के कार्यकर्ता जमा हुए थे। पुलिस के मुताबिक, हंगामा तब शुरू हुआ जब वाईएसआरसीपी के एक कार्यकर्ता ने कथित तौर पर मंत्रालयम टीडीपी प्रभारी राघवेंद्र रेड्डी के घर के पास पटाखे फोड़े और उनके खिलाफ नारे लगाए। स्थिति तब और बिगड़ गई जब कोसिगी में एक विरोध प्रदर्शन से लौट रहे वाईएसआरसीपी कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर टीडीपी नेताओं के खिलाफ नारे लगाए, जिससे झड़प हो गई। आरोप है कि टीडीपी कार्यकर्ताओं ने वाईएसआरसीपी समर्थकों की एक कार और एक मोटरसाइकिल में आग लगा दी।

'नागरिकों को सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है' आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट

अमरावती, 13 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने साफ किया है कि नागरिकों की सुविधा के लिए सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है, और जो सरकार ऐसी बुनियादी सुविधाएं नहीं दे पाती, वह खुद को कल्याणकारी राज्य नहीं कह सकती। कोर्ट ने कहा कि साफ-सुथरे और स्वस्थ जीवन का अधिकार, जीवन के अधिकार का एक अहम हिस्सा है।

साथ ही, कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकारों का यह कर्तव्य है कि वे न सिर्फ़ पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय बनवाएं, बल्कि उनकी सही देखभाल भी सुनिश्चित करें। जस्टिस गन्नमनेनी रामकृष्ण प्रसाद ने यह फैसला के। चिन्नस्वामी सेट्टी और दो अन्य लोगों की याचिका खारिज करते हुए सुनाया। उन्होंने विशाखापत्तनम में मद्दिलापालेम बस डिपो के पास ग्रेटर विशाखापत्तनम म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीवीएमसी) की ज़मीन पर सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण को रोकने की मांग की थी। जीवीएमसी की दलीलों को मानते हुए कोर्ट ने कहा कि ये शौचालय सिर्फ़ जनता की सुविधा के लिए बनाए जा रहे हैं।

हाई कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक शौचालयों की मौजूदगी से महिलाओं और ट्रांसजेंडर लोगों की निजता और सम्मान की रक्षा होती है और उनकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं भी कम होती हैं। हालांकि, कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ़ शौचालय बनाना ही काफी नहीं है, बल्कि जीवीएमसी अधिकारियों की यह ज़िम्मेदारी है कि वे उन्हें साफ-सुथरा रखें। कोर्ट ने साफ किया कि बस डिपो के पास बन रहे शौचालयों की देखभाल के लिए जीवीएमसी और लोटस इंटरनेशनल, दोनों ज़िम्मेदार होंगे।

अनंतपुर ज़िले के गुंटकल में चोरों ने हंगामा मचाया

अनंतपुर, 13 जून (एजेंसियां)। गुंटकल में 'बांग्ला सर्कल' के पास स्थित एसबीआई एटीएम को चोरों ने उखाड़ने की नाकाम कोशिश की। आधी रात को काले रंग की बोलेरो गाड़ी में तीन अपराधी आए, और एसबीआई एटीएम में घुस गए। उन्होंने एटीएम सेंटर का शीशा तोड़ा और मशीन को बोलेरो से खींचने के लिए रस्सी बांधी। लेकिन एटीएम सेंटर के सामने रहने वाले एक व्यक्ति ने शोर सुनकर देखा कि चोर एटीएम मशीन चुराने की कोशिश कर रहे हैं। शोर सुनकर चोर घबरा गए और बोलेरो गाड़ी में भाग निकले। तीन हमलावरों ने बोलेरो गाड़ी से एटीएम मशीन चुराने की कोशिश की थी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। एटीएम मशीन में करीब 30 लाख रुपये थे। जब चोरी की कोशिश नाकाम रही, तो बैंक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। दो महीने पहले धर्मावरम में भी इसी तरह की घटना हुई थी, जिसमें कुछ अपराधियों ने बोलेरो गाड़ी से एसबीआई एटीएम मशीन को रस्सी से बांधकर उखाड़ने की कोशिश की थी।

निर्माण कार्यों के बारे में गलत प्रचार से बचना चाहिए: मंत्री नारायण

अमरावती, 13 जून (एजेंसियां)। मंत्री नारायण ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के निर्माण कार्यों को लेकर वाईएसआरसीपी नेता वाईएस जगन मोहन रेड्डी के दावों का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमरावती में 'हैप्पी नेस्ट' घरों के निर्माण की लागत केंद्र सरकार की परियोजनाओं की तुलना में कम है। 'हैप्पी नेस्ट' घरों के निर्माण की लागत का अनुमान केवल 3,393 रुपये प्रति वर्ग फुट है। मंत्री ने आज (शनिवार) अमरावती का दौरा किया। उन्होंने अमरावती में कोंडावीटी और पाल नदियों पर बन रहे पुलों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

इस मौके पर मंत्री नारायण ने बात की। मंत्री नारायण ने बताया कि केंद्र सरकार की आवासीय परियोजनाओं की लागत 3,945 रुपये प्रति वर्ग फुट होगी। उन्होंने जानकारी दी कि राजपत्रित अधिकारियों के आवासों के लिए 1,003 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला गया था, जिसकी लागत 3,684 रुपये प्रति वर्ग फुट है। केंद्र सरकार के आवासीय परिसर के लिए 1,234 करोड़ रुपये का टेंडर निकाला गया, जिसमें प्रति वर्ग फुट 3,945 रुपये खर्च होने की बात कही गई है। राजधानी विकास के तहत सीआरडीए की देखरेख में नदियों पर 43 पुल और एलपीएस लेआउट में 26 पुलों का निर्माण किया जा रहा है। इन विवरणों को जानने के बावजूद, विपक्षी नेता अमरावती के निर्माण कार्यों के बारे में गलत प्रचार फैला रहे हैं।

सांसद डिंपल ने अंकिता प्रकरण में सीएम धामी को लिखा पत्र, परिवार को जल्द न्याय दिलाने की कही बात

देहरादून, 13 जून (एजेंसियां)। सांसद डिंपल यादव ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखा है। इसमें अंकिता भंडारी हत्याकांड न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाते हुए परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने की बात कही गई है। पत्र में कहा गया है कि अंकिता भंडारी की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। घटना के समय देशवासियों को विश्वास दिलाया गया था कि दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई होगी। पर घटना को काफी लंबा समय बीत जाने के बाद भी न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। पत्र में कहा गया है कि मेरी पीड़ित परिवार से बात हुई है। परिवार आज भी अपनी बेटी के लिए न्याय की प्रतीक्षा में है। इस अत्यंत संवेदनशील प्रकरण की समीक्षा कराते हुए न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने, सीबीआई जांच को समयबद्ध रूप से पूरी कराने और दोषियों को शीघ्र दंड सुनिश्चित कराने के लिए

6 साल से जेल में बंद शरजील इमाम ने दायर की दूसरी जमानत याचिका, कोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा कांड में बड़ी साजिश रचने के मामले में आरोपित शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा कोर्ट में दूसरी जमानत याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि वह पिछले छह वर्षों से न्यायिक हिरासत में है। साथ ही, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद भी मुकदमे की सुनवाई में कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। याचिका में लंबी अवधि से हिरासत में रहने और मामले के विचारण में देरी का हवाला देते हुए जमानत देने की मांग की गई है। अदालत ने इस याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। मामले की सुनवाई कर रही अदालत ने अगली सुनवाई के लिए चार जुलाई की तारीख निर्धारित की है। बता दें कि इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर चुका है। अब नई परिस्थितियों का हवाला देते हुए दाखिल की गई इस याचिका पर अदालत दिल्ली पुलिस का पक्ष सुनने के बाद आगे का निर्णय लेगी।

नगर पालिका भर्ती घोटाला में

टीएमसी विधायक मदन मित्रा की मुश्किलें बढ़ीं, ईडी ने कई ठिकानों पर की छापेमारी

कोलकाता, 13 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कथित नगर पालिका भर्ती घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मदन मित्रा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत ईडी ने मित्रा और उनसे जुड़े कुल सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। मदन मित्रा उत्तर 24 परगना जिले की कामरहाटी विधानसभा सीट से विधायक हैं और ममता बनर्जी सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। ईडी का आरोप है कि विभिन्न नगर पालिकाओं में भर्ती प्रक्रिया के दौरान अयोग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति कराने के बदले रिश्वत ली गई थी।

जांच एजेंसी के मुताबिक, यह रिश्वत नकदी और सोने के रूप में बिचौलियों के जरिए प्राप्त की गई। अधिकारियों का दावा है कि कामरहाटी नगर पालिका समेत कई नगर निकायों में हुई कथित अवैध नियुक्तियों से जुड़े मामले में मदन मित्रा की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच एजेंसी का यह भी दावा है

कि मदन मित्रा का संबंध ऐसी करीब 125 कथित अवैध नियुक्तियों से जुड़ा हो सकता है। ईडी की टीमें दस्तावेजों, वित्तीय लेन-देन और अन्य सबूतों की जांच कर रही हैं। फिलहाल छापेमारी के दौरान बरामद सामग्री और आगे की कार्रवाई को लेकर एजेंसी की ओर से विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले को पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। ईडी को इस बहुचर्चित नगरपालिका भर्ती घोटाले की जानकारी सबसे पहले तब मिली थी, जब एजेंसी पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस से जुड़े प्रमोटर अयान शील के घर छापेमारी कर रही थी। जांच के दौरान कई अहम दस्तावेज और सूचनाएं सामने आईं, जिसके बाद नगरपालिका भर्ती घोटाले की परतें खुलनी शुरू हुईं। बाद में, कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भी नगरपालिका नौकरियों के बदले कैश मामले में समानांतर जांच शुरू कर दी। जैसे-जैसे इन दोनों केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों ने जांच को आगे बढ़ाया, राज्य के मंत्रियों और सत्ताधारी दल के नेताओं सहित कई राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आए।

इस कार्रवाई से एक दिन पहले विधायक मदन मित्रा ने नगर पालिका के सभी तृणमूल पार्षदों को इस्तीफा देने का निर्देश दे दिया। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से इस घटना के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करने की भी अपील की थी। दरअसल, गोपाल साहा ने शुक्रवार को चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीएम चंद्रबाबू ने सुरेश के परिवार और अधिकारियों को पूरा सहयोग देने का आदेश दिया

विशाखापत्तनम, 13 जून (एजेंसियां)। ओमान में अमेरिकी मिसाइल हमले में मारे गए विशाखापत्तनम के मरीन और चीफ इंजीनियर पटनाल सुरेश के परिवार को सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का आदेश सीएम चंद्रबाबू ने अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि सुरेश के शव को विशाखापत्तनम लाने के लिए भारतीय दूतावास और ओमान के अधिकारियों से बात करने और एपी भवन को इस मामले में विशेष ध्यान देने की ज़रूरत है। सीएम ने भरोसा दिलाया कि वे पीड़ित परिवार का समर्थन करेंगे।

स्टील प्लांट हादसा 22 अधिकारी सस्पेंड

विशाखापत्तनम, 13 जून (एजेंसियां)। स्टील प्लांट में हुई घटना, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई, बेहद दुखद है। इस हादसे के बाद भी प्लांट के एसएमएस सेक्शन में कई और हादसे हुए। वरिष्ठ अधिकारियों ने इस पर कड़ा रुख अपनाया। इन हादसों के लिए ज़िम्मेदार 22 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया और कई का तबादला कर दिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टील प्लांट के लेडीज और सेंट्रल स्टोर का निरीक्षण किया। खराब क्वालिटी वाले फेरो अलॉय को हटाने के लिए कदम उठाए गए।

उदयगिरि में 2,245 करोड़ रुपये का डिफेंस क्लस्टर बनेगा

नेल्लोर, 13 जून (एजेंसियां)। उदयगिरि विधानसभा क्षेत्र के दत्तलूर मंडल में 2,500 एकड़ ज़मीन पर पाँच डिफेंस और एयरोस्पेस कंपनियाँ मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स लगाने जा रही हैं। इससे नेल्लोर ज़िले के सबसे पिछड़े पहाड़ी इलाकों में से एक में 2,245 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 3,200 से ज़्यादा नौकरियाँ पैदा होंगी। राज्य सरकार ने GO 68 के तहत गोला-बारूद और मिसाइल मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के काम में तेज़ी लाई है, जिससे सूखे की मार झेलने वाले इस इलाके को भारत के डिफेंस प्रोडक्शन नेटवर्क में एक अहम केंद्र के तौर पर स्थापित किया जा सके। हैदराबाद की प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड (पेल), जो भारत के आकाश और अस्त्र मिसाइल प्रोग्राम के लिए सॉलिड प्रोपेलेंट सप्लाई करती है, 450 एकड़ में फैली 500 करोड़ रुपये की इंटीग्रेटेड एक्सप्लोसिव्स यूनिट के साथ इस क्लस्टर की मुख्य कंपनी होगी। यह प्रोजेक्ट चरणों में पूरा होगा। शुरुआत मीडियम-कैलिबर गोला-बारूद और पायरोटेक्निक डिवाइस से होगी, जिसके बाद बम-फिलिंग ऑपरेशन, रॉकेट मोटर असेंबली और आखिर में टीएनटी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का काम शुरू होगा।

इससे लगभग 2,050 नौकरियाँ पैदा होंगी। नेल्लोर के सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी ने कहा, यह कॉरिडोर केंद्र की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को आगे बढ़ाएगा और उदयगिरि के लिए आर्थिक सहारा बनेगा। यह पहाड़ी इलाका लंबे समय से बार-बार पड़ने वाले सूखे और रोजगार के सीमित मौकों से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने इस इलाके में बड़े पैमाने पर इंडस्ट्रियल निवेश को बढ़ावा दिया है।

गुरुग्राम की एनाड्रोन सिस्टम्स, पापामपल्ले गाँव के पास 350 एकड़ ज़मीन पर 221 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कंपनी भारतीय सशस्त्र बलों के लिए टैक्टिकल अनमैन्ड एरियल सिस्टम (जिसमें 'अभय' एंटी-रडार डिकॉय स्वार्म ड्रोन शामिल हैं), बड़े कैलिबर वाले वॉरहेड और इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़-फिलिंग सिस्टम बनाएगी। क्लस्टर के इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस सिस्टम सेगमेंट का नेतृत्व अनंत टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एटीएल) करेगी। इसके संस्थापक इसरो के पूर्व वैज्ञानिक डॉ। सुब्बा राव पावुलूरी हैं और कंपनी ने 300 एकड़ ज़मीन पर 1,000 करोड़ रुपये की डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स यूनिट लगाने का प्रस्ताव दिया है। प्रिसिजन इंजीनियरिंग कंपनी आदित्य प्रीसीटेक प्राइवेट लिमिटेड, प्रमुख डिफेंस पब्लिक सेक्टर कंपनियों के लिए एडवांस्ड कंपोनेंट्स बनाने के मकसद से 250 एकड़ ज़मीन पर 500 करोड़ रुपये की यूनिट लगाने की योजना बना रही है।

एयरपोर्ट पर डीआरआई का बड़ा एक्शन, दुबई से आई फ्लाइट के टॉयलेट से 4 करोड़ का सोना बरामद

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) बड़ी कार्रवाई की है। डीआरआई अधिकारियों ने दुबई से आई इंडिगो की फ्लाइट के टॉयलेट से करीब 4 करोड़ रुपये मूल्य का अवैध सोना बरामद किया है। डीआरआई अधिकारियों ने यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की। छापेमारी में अधिकारियों को टॉयलेट के स्पीकर बॉक्स के अंदर काले टेप से लिपटे दो पाउच मिले, जिनमें कुल 2,799.3 ग्राम (लगभग 2.8 किलो) वजन के 24 सोने के बिस्कुट छिपाकर रखे गए थे। बता दें कि अधिकारियों को प्लेन से गोल्ड स्मगलिंग की खुफिया जानकारी मिली थी। गुरुवार को जैसे ही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-1478 दुबई से अहमदाबाद पहुंची तो उसकी जांच शुरू की गई। जांच के दौरान टीम ने टॉयलेट की बारीकी से जांच की।

इस दौरान अधिकारियों ने जब टॉयलेट का स्पीकर बॉक्स निकाला तो उसका वजन अधिक महसूस हुआ। इसके बाद जब उसे खोला गया तो उसके भीतर ब्लैक कलर के टेप में लिपटे दो पाउच निकले। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि तस्करी का यह सोना फ्लाइट में कौन लेकर आया था।

शराब की कानूनी उम्र 21 वर्ष, गृह मंत्री प्रियांक खड़गे का सख्त संदेश

बेंगलुरु, 13 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार ने शराब पीने और खरीदने की न्यूनतम कानूनी उम्र 21 वर्ष तय की है। राज्य के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार को इस नियम की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने का संदेश दिया। प्रियांक खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, कर्नाटक में शराब पीने और खरीदने की कानूनी उम्र 21 साल है। 21 साल से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को शराब परोसना, बेचना या उन्हें शराब पीने की इजाजत देना गैर-कानूनी है। ऐसा करने वाले लाइसेंस-प्राप्त प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि हाल ही में जारी अधिसूचना का मुख्य उद्देश्य कम उम्र में शराब पीने की बढ़ती आदत को रोकना, युवाओं को नशे की लत से बचाना और राज्य में शराब की बिक्री व सेवन को जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से सुनिश्चित करना है। प्रियांक खड़गे ने स्पष्ट किया कि शराब परोसने वाले सभी प्रतिष्ठानों को हर ग्राहक की आईडी जांचकर उसे सर्व करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, प्रतिष्ठानों से उम्मीद की जाती है कि वे उन लोगों की आईडी जांच करें जो 21 वर्ष से कम

उम्र के लगते हैं और तब तक उन्हें प्रवेश न दें जब तक उनके साथ कोई वयस्क न हो। साथ ही किशोरों को परिसर में शराब पीने की पूरी तरह मनाही होनी चाहिए। किसी भी तरह की चूक या लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कर्नाटक में युवाओं में शराब की लत और इससे जुड़ी सामाजिक समस्याओं को देखते हुए सरकार ने यह सख्त कदम उठाया है। एक्साइज विभाग और पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि वे बार, रेस्टोरेंट, क्लब और अन्य लाइसेंस प्राप्त प्रतिष्ठानों पर नियमित निगरानी रखें और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें। सरकार का साफ संदेश है कि युवा पीढ़ी की सुरक्षा और जिम्मेदार शराब नीति उसकी प्राथमिकता है।

इंजन में खराबी के बाद एयर अरेबिया की फ्लाइट कोच्चि डायवर्ट, सभी 170 यात्री सुरक्षित

कोच्चि, 13 जून (एजेंसियां)। शारजाह से कोझिकोड जा रही एयर अरेबिया की एक फ्लाइट को तकनीकी खराबी के कारण शनिवार तड़के कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) के प्रवक्ता के अनुसार, एयर अरेबिया की फ्लाइट G9 454 को विमान के इंजन रिवर्स थ्रस्ट सिस्टम से जुड़ी समस्या के कारण एयरपोर्ट पर उतारा गया। सुरक्षा नियमों के तहत सुबह 3:19 बजे 'लोकल स्टैंडबाय' घोषित किया गया और इसके बाद सुबह 3:34 बजे 'फुल इमरजेंसी' घोषित की गई ताकि एयरपोर्ट की सभी इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेवाओं की तैयारी सुनिश्चित की जा सके। प्रवक्ता ने कहा, विमान सुबह 3:38 बजे सुरक्षित रूप से उतरा और उसे तय पार्किंग बे तक ले जाया गया।

सभी सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद सुबह 3:45 बजे 'फुल इमरजेंसी' हटा ली गई। प्रवक्ता ने बताया कि फ्लाइट में 170 यात्री, नौ शिशु और क्रू मेंबर सवार थे। सभी सुरक्षित हैं। एयरपोर्ट के कामकाज पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। खराबी ठीक होने के बाद विमान सुबह 7.15 बजे कोझिकोड एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
रविवार, 14 जून, 2026 3

सुविचार: सच की राह पर चलने वालों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लेकिन अंत सुखद ही होता है।

शब्बीर अली को टीपीसीसी का नोटिस, अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) ने पूर्व मंत्री एवं सरकार के सलाहकार शब्बीर अली के कथित वायरल ऑडियो को गंभीरता से लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी इस मामले में अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार कर रहा है। कथित ऑडियो में शब्बीर अली द्वारा कांग्रेस पार्टी के संबंध में की गई टिप्पणियों को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ऑडियो में कथित तौर पर आरोप लगाया गया है कि पार्टी में पद अब धनबल के आधार पर प्राप्त किए जा रहे हैं। साथ ही महिलाओं के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने के आरोप भी सामने आए हैं। इससे पहले टीपीसीसी ने शब्बीर अली से जुड़े विवाद को लेकर पार्टी नेता चंद्रशेखर रेड्डी को नोटिस जारी किया था। अब पार्टी ने शब्बीर अली को भी नोटिस भेजकर उनका पक्ष मांगा है।

विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि शब्बीर अली के आरोपों पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा कि निजामाबाद की जनता उनकी संपत्ति और उनके चरित्र से भलीभांति परिचित है। महेश कुमार गौड़ ने यह भी कहा कि चंद्रशेखर रेड्डी को कांग्रेस में शामिल कराने में शब्बीर अली की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी और उस समय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि लंबे समय से राजनीति में सक्रिय रहने के बावजूद शब्बीर अली द्वारा इस प्रकार की टिप्पणियां करना उचित नहीं है। महिलाओं के प्रति कथित रूप से अपमानजनक भाषा का प्रयोग किए जाने को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि जो ऑडियो इस समय वायरल हो रहा है, वह लगभग एक वर्ष पुराना बताया जा रहा है और हाल ही में सार्वजनिक रूप से सामने आया है। इस बीच महेश कुमार गौड़ और शब्बीर अली के बीच मतभेद उभरने की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। राजनीतिक हलकों में अब इस बात को लेकर उत्सुकता है कि यह विवाद आगे किस दिशा में जाता है और पार्टी नेतृत्व इस मामले में क्या निर्णय लेता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा में सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : राज्यपाल

राज्यपाल ने प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड को संबोधित किया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) देश की सुरक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इसकी भूमिका अत्यंत अहम है। शनिवार को हकीमपेट स्थित राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी (निसा) में 39वें बैच के सहायक कमांडेंट प्रोबेशनर्स तथा 9वें बैच के उपनिरीक्षक प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर सभी अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने 76 सहायक कमांडेंट प्रोबेशनर्स और 124 उपनिरीक्षक प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परेड के दौरान प्रदर्शित अनुशासन, आत्मविश्वास और पेशेवर उत्कृष्टता उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्यपाल ने कहा कि सीआईएसएफ देशभर में हवाई अड्डों, समुद्री बंदरगाहों, परमाणु प्रतिष्ठानों, अंतरिक्ष केंद्रों, ऊर्जा परियोजनाओं, मेट्रो नेटवर्क और अन्य महत्वपूर्ण औद्योगिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा में अमूल्य सेवाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह बल केवल रणनीतिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को बनाए रखने और देश की आर्थिक प्रगति को गति देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आतंकवाद, साइबर अपराध और ड्रोन आधारित खतरों जैसी नई चुनौतियां सुरक्षा एजेंसियों से अधिक सतर्कता और तैयारी की मांग करती हैं। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि आधुनिक तकनीकी ज्ञान, पेशेवर दक्षता और नेतृत्व क्षमता से लैस युवा अधिकारी इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करेंगे। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि अधिकारियों के कंधों पर सजे सितारे केवल पद का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र द्वारा उन पर जताए गए विश्वास, जिम्मेदारी और कर्तव्य का भी प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक नेतृत्व केवल अधिकार से नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी, साहस और सेवा भावना से स्थापित होता है। राज्यपाल ने उन पूर्व सैनिक प्रशिक्षुओं की भी विशेष सराहना की, जिन्होंने सशस्त्र बलों में सेवा देने के बाद पुनः वर्दी पहनकर देश सेवा का संकल्प लिया। उन्होंने उनके समर्पण और देशभक्ति को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि उनका योगदान नई पीढ़ी के अधिकारियों के लिए आदर्श है।

योद्धाओं की तरह काम करें कांग्रेस कार्यकर्ता

मतदाता सूची से न हटें किसी पात्र का नाम : कोमटिरेड्डी

नलगोंडा, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश के सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए योद्धाओं की तरह कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न हटे। शनिवार को नलगोंडा नगर स्थित एमएनआर गार्डन्स में कांग्रेस के बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं के लिए आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और इसकी रक्षा करना प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए राहुल गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

कोमटिरेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी देशभर में प्रत्येक नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी उसी भावना के साथ बूथ स्तर पर सतर्क रहकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में गड़बड़ियां और नामों की कटौती चुनाव परिणामों पर निर्णायक प्रभाव डाल सकती है।

इसलिए, बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना होगा। मंत्री ने 25 जून से 24 जुलाई तक चलने वाले घर-घर गणना अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची का गहन परीक्षण किया जाए और किसी भी प्रकार की त्रुटि या विसंगति मिलने पर तत्काल आपत्ति दर्ज कराई जाए। उन्होंने कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार और तेलंगाना कांग्रेस प्रभारी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने की निंदा करते हुए इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताया। उन्होंने कहा कि मीनाक्षी नटराजन एक समर्पित कांग्रेस नेता हैं, जिन्होंने अपना जीवन जनसेवा और गरीबों के हितों के लिए समर्पित किया है। उनका नामांकन खारिज किया जाना लोकतांत्रिक परंपराओं पर आघात है।

कोमटिरेड्डी ने विभिन्न राज्यों में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, जिससे मतदाता सूचियों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने और प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इससे पूर्व प्रदेश कांग्रेस प्रशिक्षण समिति के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अध्यक्ष एवं पारगी विधायक डॉ.टी. राममोहन रेड्डी ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने में बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस सरकार पर 'एचएएम सड़कों' में घोटाले का आरोप

जगदीश रेड्डी का तीखा हमला

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री एवं बीआरएस विधायक गुन्तकंडला जगदीश रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हाइब्रिड एन्युटी मोड (एचएएम) के तहत प्रस्तावित सड़क परियोजनाएं बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाई जा रही हैं।

नलगोंडा में आयोजित बीआरएस कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए जगदीश रेड्डी ने कहा कि 17 जून को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का प्रस्तावित दौरा विकास के लिए नहीं, बल्कि ठेके और कमीशन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए है। उन्होंने सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे जनता के हितों की बजाय राजनीतिक अस्तित्व बचाने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। बीआरएस नेता ने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची की प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखें और किसी भी अनियमितता की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें।

कुर्सी बचाने में व्यस्त हैं मुख्यमंत्री : भाजपा

बारिश से जुड़ी समस्याओं की अनदेखी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि वे राज्य में बारिश से उत्पन्न समस्याओं के समाधान के बजाय अपनी राजनीतिक स्थिति बचाने में अधिक व्यस्त हैं।

शनिवार को यहां प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सुभाष ने कहा कि भारी वर्षा की अग्रिम चेतावनी मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री, जिनके पास नगर प्रशासन विभाग भी है, ने शहरी व्यवस्थाओं की तैयारियों की समुचित समीक्षा नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए बार-बार दिल्ली का दौरा कर रहे हैं और केंद्र सरकार के खिलाफ भ्रामक आरोप लगा रहे हैं। भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री की कार्यशैली की आलोचना करते हुए कहा कि वह तानाशाही रवैया अपना रहे हैं तथा केंद्रीय मंत्रियों किशन रेड्डी, बंडी संजय और अन्य भाजपा सांसदों पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों की कड़ी निंदा की।

सुभाष ने कांग्रेस नेताओं द्वारा भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों को भी खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति दोनों ही तेलंगाना में भाजपा के बढ़ते जनाधार से घबराई हुई हैं और इसी कारण भाजपा को निशाना बना रही हैं।

उन्होंने राज्य सरकार से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप छोड़कर विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बिना तथ्यों की जानकारी और आवश्यक प्रक्रिया को समझे केंद्र सरकार को दोषी ठहराना उचित नहीं है। नगर प्रशासन से संबंधित अनुमतियों की ऑनलाइन व्यवस्था जैसे बुनियादी विषयों की जानकारी के बिना आरोप लगाना मुख्यमंत्री के पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा नामांकन पत्र खारिज होने के मामले में कांग्रेस द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर सुभाष ने कहा कि नामांकन पत्र की अस्वीकृति कांग्रेस के भीतर की साजिशों का परिणाम है और भाजपा का उससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति मिलकर भाजपा को निशाना बना रही हैं, क्योंकि उन्हें आशंका है कि यदि गुजरात और राजस्थान की तरह तेलंगाना में भी भाजपा सत्ता में आ गई तो अन्य दलों के लिए राजनीतिक रूप से टिके रहना कठिन हो जाएगा।

स्कूलों के विलय प्रस्ताव पर माकपा का विरोध

निर्णय वापस लेने की मांग

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। माकपा तेलंगाना राज्य समिति ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कथित उस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है, जिसमें 23 हजार सरकारी स्कूलों को घटाकर लगभग 4 हजार संस्थानों में समेकित करने की बात कही गई है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि इससे ग्रामीण और आदिवासी छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। माकपा राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह कदम शिक्षा के अधिकार को कमजोर करेगा और गरीब, दलित तथा आदिवासी वर्ग के बच्चों में स्कूल छोड़ने की दर बढ़ा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा कर रही है और पर्याप्त बजट, आधारभूत ढांचा तथा शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक बजट का भी पर्याप्त आवंटन नहीं कर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकारी स्कूलों को बंद करने के बजाय उन्हें मजबूत किया जाए। साथ ही उन्होंने प्रत्येक गांव में एक सरकारी स्कूल सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

फोन टैपिंग जांच : मंत्री राव का बयान दर्ज

एसआईटी की कार्रवाई तेज

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने राज्य के मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव का बयान दर्ज किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से टैप किए गए फोन नंबरों में मंत्री तुम्मला का नंबर भी शामिल पाया गया है। यह मामला मार्च 2024 में पंजागुट्टा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, जिसे बाद में अवैध निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य नष्ट किए जाने के आरोपों के चलते एसआईटी को सौंप दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, जांच टीम ने इस मामले के तहत मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के आवास पर पहुंचकर उनका बयान दर्ज किया। यह बयान जांच प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें संबंधित घटनाक्रम और परिस्थितियों की जानकारी ली जा रही है। इस जांच के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, के.टी. रामाराव और टी. हरीश राव सहित कई वरिष्ठ नेताओं से भी पूछताछ की जा चुकी है। एसआईटी की जांच अभी जारी है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

विरासत और योगदान से होती है नेता की पहचान : नारायण

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता के. नारायण ने कहा है कि किसी भी नेता का मूल्यांकन उसके पद पर बिताए गए वर्षों से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की सार्थकता भी केवल आयु से नहीं, बल्कि उसके द्वारा स्थापित मूल्यों और किए गए कार्यों से तय होती है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए नारायण ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना करते हुए कहा कि दोनों ने लगभग 12 वर्षों तक देश का नेतृत्व किया है। हालांकि किसी भी नेता का आकलन केवल उसके कार्यकाल की अवधि के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी नेता की पहचान उसकी दूरदृष्टि, नीतियों, उपलब्धियों और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान से होती है। यही तय तय करते हैं कि इतिहास में उसका स्थान क्या होगा। अपने विचार को स्पष्ट करने के लिए नारायण ने कौए और कोयल का उदाहरण देते हुए कहा कि दोनों एक ही प्रजाति के पक्षी हैं, लेकिन उनके स्वभाव और प्रभाव में बड़ा अंतर होता है। इसी प्रकार नेताओं का मूल्यांकन भी उनके विचारों, कार्यों और जनता के प्रति सेवा भाव के आधार पर होना चाहिए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,Gedala sunita is legally spouse of No JC 682562Y NBSUB BATALA HEMA SUNDAR RAO of unite 852 AT COY ASC C/O 99APO Have changed my Name from Gedala sunita TO Betala sunita Aff Dtd 13/6/2026 .MALKAJGIRI COURT.

I, JC 772803P, Sub, Shinde Kisan Pratap, R/o, Dist; Dharashiv, Maharashtra, changed my Mother's name from Laxmi Pratap to Laxmi Pratap Shinde vide Affidavit No. 467201 dt. 12.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14652612A, Hav, Birendra Kumar, R/o, Dist: Jaunpur, Uttar Pradesh, changed my Son's name from Aishwarya Singh Yadav to Aishwarya Yadav , vide Affidavit No. 467204 dt. 12.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

ईगल फोर्स ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह का किया भंडाफोड़

एक करोड़ रुपये मूल्य का 200 किलोग्राम गांजा बरामद

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की ईगल फोर्स ने अंतरराज्यीय मादक तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 200 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई में तस्करी नेटवर्क से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में महाराष्ट्र निवासी अमोल नानोबा गोरे (35) और लक्ष्मण नागनाथ कारे (26) के अलावा वसंथा जाधव (40), शेख अंसार तथा शेख रहमत (30) शामिल हैं। जांच के दौरान महाराष्ट्र निवासी प्रभु को इस गिरोह का कथित वित्तपोषक तथा ओडिशा निवासी देवी सिंह को गांजा आपूर्तिकर्ता के रूप में चिन्हित किया गया है। दोनों आरोपी फिलहाल फरार हैं।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने गांजे के 104 पैकेट, सात मोबाइल फोन तथा नकदी भी बरामद की है। अधिकारियों के अनुसार इस गिरोह की गतिविधियों पर लगभग 18 महीने से निगरानी रखी जा रही थी और विभिन्न स्रोतों से सूचनाएं एकत्र की जा रही थीं। जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक को वर्ष 2024 में नलगोंडा जिले में 336 किलोग्राम गांजा बरामदगी से जुड़े मामले में पहले भी गिरफ्तार किया गया था। वहीं एक अन्य आरोपी उसी मामले में गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर रिहा हो चुका था।

विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर ईगल फोर्स ने आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखी। जांच में पता चला कि मादक पदार्थों की ढुलाई के लिए किराये के वाहनों का उपयोग किया जा रहा था। इसके बाद योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई कर पूरे गिरोह को दबोच लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान में महत्वपूर्ण सफलता है। इससे न केवल तस्करी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है, बल्कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

भारी बारिश से हवाई अड्डे की सेवाएं प्रभावित

कई उड़ानों का मार्ग बदला गया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को हुई भारी वर्षा के कारण शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं प्रभावित हो गईं। खराब मौसम और दृश्यता में कमी के चलते कई उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा, जबकि कुछ उड़ानों के आगमन में देरी हुई। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार मुंबई, दिल्ली, वाराणसी, बेंगलूरु और सिंगापुर से आने वाली कई उड़ानें मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से प्रभावित रहीं। लगातार हो रही बारिश के कारण हवाई अड्डे पर विमान उतरने की स्थिति अनुकूल नहीं थी, जिसके चलते कुछ विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी जा सकी। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। हालांकि इसके कारण यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा और कई उड़ानों के कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। इस बीच खराब मौसम का असर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की यात्रा पर भी पड़ा। दिल्ली से हैदराबाद आ रहे मुख्यमंत्री का विमान शुक्रवार को प्रतिकूल मौसम के कारण बेंगलूरु की ओर मोड़ दिया गया। इसके चलते उन्हें रात बेंगलूरु में ही बितानी पड़ी और शनिवार को वे हैदराबाद पहुंच सके।

दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग बालिका के साथ बार-बार यौन उत्पीड़न करने तथा उसे धमकाने के मामले में दोषी पाए गए 19 वर्षीय युवक को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 16 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

नामपल्ली स्थित 12वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने गांधी नगर थाने में वर्ष 2019 में दर्ज मामले की सुनवाई के बाद गुम्मला नागराजू को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं तथा लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दोषी ठहराया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने विवाह का झूठा आश्वासन देकर पीड़िता का शोषण किया और उसके साथ कई बार यौन उत्पीड़न किया। आरोप है कि उसने पीड़िता को भयभीत और अपने नियंत्रण में रखने के लिए उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो का भी इस्तेमाल किया। पीड़िता के परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया।

अधिकारियों ने बताया कि मुकदमे की पूरी अवधि के दौरान भरोसा केंद्र द्वारा पीड़िता और उसके परिवार को निरंतर परामर्श तथा कानूनी सहायता प्रदान की गई, जिससे उन्हें न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग मिला। मामले की निगरानी महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की पुलिस उपायुक्त डॉ. लावण्या, सहायक पुलिस आयुक्त प्रसन्ना लक्ष्मी तथा भरोसा केंद्र की निरीक्षक पी. पद्मा द्वारा की गई। पुलिस अधिकारियों और भरोसा केंद्र के कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों ने दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने मामले की जांच करने वाले पुलिस अधिकारियों, अभियोजन पक्ष, भरोसा केंद्र के परामर्शदाताओं तथा न्यायालय कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से पीड़िता को न्याय दिलाने में सफलता मिली है।

चंदा मांगते हुए मिली सीरिया की महिला, पुलिस और खुफिया विभाग ने हिरासत में लिया तो ये बोली

मेरठ, 13 जून (एजेंसियां)। नौचंदी थाना क्षेत्र में चंदा और मदद मांग रही सीरिया की एक महिला फनादी (33) को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस और खुफिया विभाग की टीम महिला से पूछताछ में जुटी है। पूछताछ में महिला ने बताया कि उसके पति बीमार हैं। वह उनका इलाज कराने मेडिकल वीजा पर भारत आई है। नौचंदी थाना क्षेत्र में सीरिया की फनादी हाथ में अंग्रेजी में लिखा बोर्ड लेकर चंदा और मदद मांग रही थी। उसने लिखा था कि वह सीरिया की रहने वाली है। उसे पति के उपचार के लिए रुपये की जरूरत है। महिला के बारे में पुलिस को सूचना मिली तो उसे थाने ले जाया गया। इसके बाद पुलिस, आईबी और एलआईयू की टीम ने उससे गहनता से पूछताछ की। महिला ने बताया कि उसके पति दिल्ली अस्पताल में भर्ती हैं। उनके पैरों में चोट लगी है। वह यहां के लोगों से मदद मांगने आई है। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि वीजा की शर्तों के अनुसार महिला एक शहर से दूसरे शहर बिना अनुमति नहीं जा सकती।

लालू यादव बिना सुरक्षा के बाहर निकल रहे

मीसा ने कहा- कोई अनहोनी हुई, तो जिम्मेदार कौन होगा?

पटना, 13 जून (एजेंसियां)। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की सुरक्षा में कटौती को लेकर सियासी बयानबाजी का सिलसिला जारी है। अब आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि लालू यादव बिना सुरक्षा के बाहर निकले हैं। वे पिछले दो-तीन दिनों से बिना सुरक्षा घेरे के बाहर जा रहे हैं। ऐसे में कुछ अनहोनी हुई तो जिम्मेदार कौन होगा। मीसा भारती ने कहा कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, अगर लालू यादव के साथ कोई अनहोनी होती है, तो बिहार सरकार को यह तय करना होगा कि इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। क्या मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जिम्मेदारी लेंगे या प्रधानमंत्री मोदी?

जब से आधिकारिक सुरक्षा हटाई गई है, आरजेडी कार्यकर्ता ही उन्हें सुरक्षा दे रहे हैं। इसके लिए वो राजद के हर एक कार्यकर्ता का दिल से शुक्रिया अदा करती हैं। लेकिन

सरकार को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि वो सरकार से बस इतना जानना चाहती हैं कि क्या लालू यादव और राबड़ी देवी सुरक्षा के हकदार नहीं हैं? इससे पहले 10 जून को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पटना की सड़कों पर बिना किसी सरकारी सुरक्षा के नजर आए। वह काले रंग की इनोवा गाड़ी में सफर करते दिखे। गाड़ी की आगे वाली सीट पर लालू यादव खुद बैठे थे, जबकि वाहन चालक और दो अन्य लोग उनके साथ मौजूद थे। खास बात यह रही कि उनके साथ कोई सुरक्षाकर्मी दिखाई नहीं दिया। बताया जा रहा है कि सिंगापुर से इलाज कर लौटने के बाद यह पहला मौका है जब लालू यादव सार्वजनिक रूप से बिना सुरक्षा के बाहर निकले हैं।

उनकी यह तस्वीर और वीडियो अब राजनीतिक चर्चाओं का हिस्सा बन गए हैं। उधर, जब से लालू परिवार ने सुरक्षा वापस करने का फैसला लिया है, तब से राजद के कई नेताओं ने खुलकर नाराजगी जताई है। राजद नेता शक्ति यादव ने खुलकर कहा था कि लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और पूरे परिवार की सुरक्षा बिहार की जनता करेगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर इन नेताओं को किसी तरह का नुकसान पहुंचा तो जनता इसका जवाब देगी।

जेडीयू की राष्ट्रीय बैठक में क्या बढ़ेगा निशांत का कद?

21 जून को नीतीश कुमार लेंगे बड़ा फैसला

पटना, 13 जून (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और राष्ट्रीय परिषद की बैठक 21 जून को पटना के कर्पूरी सभागार में होने जा रही है। यह बैठक कई मायनों में खास है, क्योंकि पिछले करीब 20 वर्षों में पहली बार नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहते हुए पार्टी की सबसे बड़ी बैठक की अध्यक्षता करेंगे। सांगठनिक चुनाव के बाद आयोजित हो रही इस बैठक में अगले तीन वर्षों के लिए नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले पर औपचारिक मुहर लगेगी। इसके साथ ही पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और आगामी चुनावी रोडमैप पर भी चर्चा होगी। बैठक में देशभर से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश अध्यक्ष, सांसद और बिहार सरकार के मंत्री शामिल होंगे। माना जा रहा है कि जदयू आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों को लेकर अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाएगी। बैठक से पहले सबसे ज्यादा चर्चा नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर हो रही है।

हाल के महीनों में उनकी सक्रियता बढ़ी है, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में यह सवाल उठने लगा है कि क्या पार्टी संगठन में उन्हें कोई अहम जिम्मेदारी दी जाएगी। जदयू के भीतर और बाहर लंबे समय से नेतृत्व की अगली पीढ़ी को लेकर चर्चा होती रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बैठक पूरी तरह संगठनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा है। जदयू का दावा है कि निशांत कुमार ने जनता की मांग और कार्यकर्ताओं के आग्रह पर सक्रिय राजनीति में कदम रखा है। हालांकि, 21 जून की बैठक में उनकी भूमिका पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे आगरा में महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण

शमशाबाद के प्रवेश द्वार होगी स्थापित

आगरा, 13 जून (एजेंसियां)। महाराणा प्रताप की 15 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा शमसाबाद के प्रवेश द्वार पर गर्व का अहसास कराएगी। रविवार को महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। जिला पंचायत सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महान योद्धा थे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा, स्वाभिमान और राष्ट्र गौरव के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनकी 15 फीट ऊंची और 12 फीट चौड़ी प्रतिमा का अनावरण शमसाबाद के प्रवेश द्वार पर स्थापित की जा रही है। क्षेत्र के लिए यह गौरव की बात है।

नई पीढ़ी को इससे राष्ट्रभक्ति और त्याग की प्रेरणा मिलेगी। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने बताया कि महाराणा प्रताप का जीवन साहस, पराक्रम और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मूर्ति अनावरण करने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आ रहे हैं। इस मौके पर स्वाभिमान रैली में बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और क्षेत्रीय नागरिक रहेंगे। पत्रकार वार्ता में एमएलसी विजय शिवहरे, विधायक छोटेलाल वर्मा, विधायक भगवान सिंह कुशवाहा, कोआपरेटिव सोसायटी अध्यक्ष प्रदीप भाटी, रामसकल गुर्जर, जितेंद्र वर्मा, सहदेव शर्मा, मुकेश चाहर, मनीष थापक समेत अन्य मौजूद रहे।

चार लोगों की मौतः नेशनल हाईवे पर ट्रेलर से टकराई कार, एक की हालत गंभीर

आजमगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। आजमगढ़ के देवगांव कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बाजार के पास बरडीहा मोड़ स्थित आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार आर्टिका कार के सामने चल रहे ट्रेलर से टकराने के कारण चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में डाल्टनगंज छोटी मस्जिद के सामने स्थित किताब घर के संचालक हाफिज रज्जाक, जनता मेडिकल से जुड़े कैश अंकल, सब्जी मंडी के व्यवसायी शोहराब राईन तथा वाहन चालक शामिल हैं। सभी श्रद्धालु किछौछा शरीफ से जियारत कर अपने घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आर्टिका कार तेज गति से वाराणसी की ओर जा रही थी। इसी दौरान बरडीहा मोड़ के पास कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रेलर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे में तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक युवक की अस्पताल में मौत हो गई।

बेगूसराय में आईटी की रेड

नामचीन कारोबारी के ठिकानों पर कई घंटे चली जांच, व्यापारियों में हड़कंप

बेगूसराय, 13 जून (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय से बड़ी खबर सामने आई। जहां एक नामचीन कारोबारी के ठिकानों पर इनकम टैक्स विभाग की रेड पड़ गई। एक प्रतिष्ठित व्यवसायी के प्रतिष्ठान पर आयकर विभाग की टीम कई घंटों से छापेमारी की है। कार्रवाई को लेकर फिलहाल विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया। लेकिन सूत्रों के मुताबिक वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े दस्तावेज अधिकारियों के हाथ लगे हैं। बेगूसराय के पावर हाउस स्थित के एंटरप्राइजेज नामक प्रतिष्ठान पर आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी शुरू की। जो देर रात तक जारी रही।

कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। ताकि सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे और जांच में किसी प्रकार की बाधा न आए। बताया जा रहा है कि के एंटरप्राइजेज के मालिक कृष्ण कुमार अग्रवाल जिले के जाने-माने कारोबारी हैं। उनका कारोबार बेगूसराय के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी फैला हुआ है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग की वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण जानकारियां मिली थीं, जिसके आधार पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। सूत्रों की मानें तो छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की गई है। जानकारी यह भी मिल रही है कि जांच का दायरा व्यापक है और यह कार्रवाई एक से अधिक दिनों तक चल सकती है। रेड का नेतृत्व एडिशनल कमिश्नर आयकर अश्वनी कुमार सिंघल कर रहे हैं।

टीम में आयकर अधिकारी राजकुमार भारती, संजीत आनंद और कार्यालय अधीक्षक नीरज कुमार समेत अन्य अधिकारी शामिल हैं। मामले को लेकर आयकर विभाग की ओर से छापेमारी के कारणों और जांच में मिले तथ्यों को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। लेकिन इस कार्रवाई के बाद जिले के कारोबारी वर्ग में हलचल तेज हो गई है। कई व्यवसायी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में आखिर क्या सामने आता है। आधिकारिक जानकारी आने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी।

मकान से एक-एक कर निकलीं 8 महिलाएं, 2 पुरुषों को भी पुलिस ने किया अरेस्ट, रैकेट का भंडाफोड़

मुजफ्फरपुर, 13 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक गांव के सुनसान मकान में गंदा काम चल रहा था। पुलिस ने छापा मारकर रैकेट का भंडाफोड़ किया। जहां से 8 महिलाओं को रेस्क्यू किया गया, जबकि 2 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। मकान मालिक से भी पूछताछ की जा रही है। आरोप है कि मकान में लंबे समय से देह व्यापार चल रहा था। पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। जांच की जा रही है। कार्रवाई सरैया थाना क्षेत्र के रतवारा चंदन गांव स्थित एक मकान में की गई।

जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र को ग्रामीण इलाके में देह व्यापार संचालित होने की गोपनीय सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी के निर्देश पर सरैया एसडीपीओ अभिजीत कौर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। विशेष टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रतवारा चंदन गांव के उक्त मकान पर छापेमारी की। अचानक हुई कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पुलिस ने 8 महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया और 2 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

एनएच-922 पर हथियार तस्करी का भंडाफोड़ः बक्सर पुलिस ने पिस्टल के साथ 3 किशोर को किया गिरफ्तार, सप्लायर भी चढ़ा हत्थे

बक्सर, 13 जून (एजेंसियां)। औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बक्सर-आरा राष्ट्रीय राजमार्ग-922 के पास हथियार का सौदा कर रहे तीन नाबालिगों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से एक लोडेड देसी पिस्टल बरामद की है। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान अहिरौली गांव निवासी अजीत यादव के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि चुरामनपुर गांव के पास कुछ संदिग्ध युवक हाईवे से थोड़ी दूरी पर बैठकर मोबाइल से बातचीत कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष सुरेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस को देखते ही तीनों किशोर भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान एक किशोर के पास से लोडेड देसी पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ में किशोरों ने बताया कि वे एक ग्राहक से फोन पर बात कर हथियार बेचने का सौदा तय कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पिस्टल और कारतूस अहिरौली निवासी अजीत यादव ने उन्हें दिए थे।

आजम खान ने 2 साल की सजा के खिलाफ सेशन कोर्ट में दी चुनौती

डीएम को 'तनखइया' कहने के मामले में मिला था दंड

रामपुर, 13 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खान ने जिलाधिकारी को तनखईया बताने के मामले में निचली अदालत से हुई दो साल की सजा के फैसले के खिलाफ जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में अपील की है। अपने अधिवक्ता के माध्यम से दाखिल अपील में उन्होंने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय ने राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई के लिए दो जुलाई नियत की है। इसकी सुनवाई के लिए पत्रावली अब एमपीएम एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में ट्रांसफर की जाएगी, जहां अपील पर सुनवाई होगी। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है।

आजम खान पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े थे। तब सपा और बसपा का गठबंधन था। रामपुर लोकसभा सीट सपा को मिली थी। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खान ने कई बार विवादित बयानबाजी की थी। उनके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में कई मुकदमे

आचार संहिता उल्लंघन के दर्ज हुए थे। चुनाव आयोग ने उनके प्रचार पर भी रोक लगा दी थी। इनमें ही एक मुकदमा थाना भोट में दर्ज हुआ था। यह मुकदमा तत्कालीन एसडीएम घनश्याम त्रिपाठी की ओर से कराया गया था। इसमें कहा था कि आजम खान का एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें वह वाहन पर खड़े होकर माइक से बोल रहे थे और लोग उनके वाहन के चारों ओर खड़े उन्हें सुन रहे थे। आजम ने कहा था कि डटे रहो। यह कलक्टर पलक्टर से मत डरियो। यह तनखइया हैं। तनखइयों से नहीं डरते हैं। देखे हैं मायावती जी के फोटो। कैसे बड़े-बड़े अफसर रुमाल निकालकर जूते साफ करते हैं। उन्हीं से गठबंधन है। उनके ही जूते साफ कराऊंगा इनसे अल्लाह ने चाहा। उस समय रामपुर में जिलाधिकारी आंजनेय कुमार सिंह थे, जो वर्तमान में मंडलायुक्त हैं। पुलिस ने जांच कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया था। मुकदमे की सुनवाई के बाद 16 मई को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने आजम खान को दोषी मानते हुए दो साल की सजा सुनाई थी।

आजम खान पहले से दो पैनकार्ड मामले में रामपुर जेल में बंद हैं। सजा के फैसले के खिलाफ उन्होंने अपने अधिवक्ता विनोद कुमार शर्मा के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में शुक्रवार को अपील दाखिल की है। आजम खान के अधिवक्ता ने बताया कि अपील पर सुनवाई एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट (सेशन ट्रायल) में होगी। सुनवाई के लिए दो जुलाई लगी है।

21 साल के ब्रिगेडियर का रुतबा देख ठनका पुलिस का दिमाग, फिर खुला चौंकाने वाला राज

शाहजहांपुर, 13 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में 21 साल के एक लड़के ने ऐसा कारनामा कर दिया, जिससे आला अधिकारियों तक का सिर घूम गया। पिता बागवानी विभाग में अधिकारी तो मां स्कूल टीचर... वहीं बेटा बिना एग्जाम दिए, पढ़ाई किए बिना ही बन गया भारतीय सेना का ब्रिगेडियर। यहां तक कि उसकी सुरक्षा में दो बाउंसर भी लगे हुए थे। हर किसी पर रुतबा झाड़ता। मगर, कहते हैं कि झूठ का घड़ा ज्यादा दिन तक नहीं भरता आखिरकार फूट ही जाता है। ऐसा ही कुछ इस केस में हुआ। अधिकारी के साथ हुआ। दरअसल, पुलिस ने शाहजहांपुर में एक फर्जी ब्रिगेडियर को गिरफ्तार किया है, जो वर्दी पहनकर घूम रहा था। पुलिस को इस फर्जी ब्रिगेडियर को पकड़ने के लिए पूरा फिल्मी ड्रामा रचना पड़ा। पुलिस को कई दिनों से खबर मिल रही थी कि एक आर्यन वर्मा नाम का शख्स अपने आपको ब्रिगेडियर बताता था और लोगों पर रौब झाड़ता है।

वह अक्सर ब्रिगेडियर की सेरेमोनियल ड्रेस पहने और खुद को ऊंचे ओहदे का अफसर बताते हुए देखा जाता है। ऐसे में आर्मी के पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर पुलिस ने एक प्लान बनाया। आर्यन को पता न लग पाए इसके लिए अधिकारियों ने आम नागरिक बनकर उससे संपर्क किया और उसे भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे युवा उम्मीदवारों को मोटिवेशनल स्पीच देने के लिए बुलाया। यह कार्यक्रम छावनी इलाके में मौजूद शहीद म्यूजियम में रखा गया। जैसे ही आर्यन शुक्रवार सुबह ब्रिगेडियर की वर्दी पहनकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा तो अधिकारियों ने धर दबोचा। उसके पास से फर्जी आईडी और ब्रिगेडियर की वर्दी बरामद हुई है। आरोपी के खिलाफ सदर बाजार थाने में केस दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

बीएचयू में सीएम योगी ने विज्ञान भारती के अधिवेशन का किया शुभारंभ

वाराणसी, 13 जून (एजेंसियां)। बीएचयू में शनिवार यानी आज से विज्ञान भारती का सातवां राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हुआ। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने महामना पं. मदन मोहन मालवीय के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किए। स्वतंत्रता भवन में आयोजित कार्यक्रम में सीएम का स्वागत किया गया। बता दें कि दो दिन तक चलने वाला ये कार्यक्रम कई मायनों में खास है। इस आयोजन में जहां चिकित्सा, शिक्षा और विज्ञान जगत के विशेषज्ञों के साथ उद्योगों से जुड़े लोग शामिल हुए हैं, वहीं आध्यात्म के साथ रिसर्च और इनोवेशन को भी नई दिशा मिल रही है। युवाओं को देश-विदेश से आए विशेषज्ञों के साथ संवाद का अवसर भी मिलेगा। विज्ञान भारती के स्वदेशी विज्ञान आंदोलन के तहत आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में विभिन्न सत्रों में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। अधिवेशन की थीम ''एआई एंड एथिक्स, वन हेल्थ एंड नेट जीरो'' है, जिसे युवाओं के लिए बेहद उपयोगी माना जा रहा है। सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि विज्ञान भारती का सातवां अधिवेशन आयोजित हो रहा है। 1300 से अधिक प्रतियोगियों ने अब तक कार्यक्रम में भागीदारी करने के लिए अपना पंजीकरण भी किया है। यह हिंदू विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना के पीछे का उद्देश्य ही ज्ञान- विज्ञान के ऐसी धारा के रूप में काशी को उसकी पहचान दिलाना है, जिसके लिए हमारी काशी जानी जाती थी और यह सातवां अधिवेशन उस कार्यक्रम की एक नई श्रृंखला का हिस्सा है।

विज्ञान भारती को बीएचयू में इस कार्यक्रम के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूं। साथ ही प्रशासन को जिन्होंने इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए अपनी सहमति भी और उसमें सक्रिय सहभागिता भी सुनिश्चित की है। इसके लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। बीएचयू में स्थित स्वतंत्रता भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के तस्वीर पर माल्यार्पण करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

संभल हिंसा मामले में 22 आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमों पर रोक, हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

प्रयागराज, 13 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा के मामले में 22 आरोपियों के खिलाफ जारी आपराधिक मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। यह आपराधिक मामला 24 नवंबर 2024 को संभल में हुई हिंसा के बाद दर्ज किया गया था। घटना के बाद एक पुलिस उपनिरीक्षक ने दंगा भड़काने के आरोप में कई लोगों के खिलाफ कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोपी सुभान और 21 अन्य लोगों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति वाणी रंजन अग्रवाल ने राज्य सरकार तथा अन्य प्रतिवादियों को अपना-अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की है। आरोपियों ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत याचिका दायर कर कोतवाली थाने में दर्ज पूरे आपराधिक मुकदमे को रद्द करने का अनुरोध किया है। याचिकाकर्ताओं ने 20 फरवरी 2025 और 15 मई 2025 के उन आदेशों को

भी चुनौती दी है, जिनके तहत संभल के अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ अभियोग तय किए थे। सुनवाई के दौरान आरोपियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि संज्ञान लेने और आरोप तय करने संबंधी आदेश मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर समुचित विचार किए बिना पारित किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 24 नवंबर 2024 को उपनिरीक्षक द्वारा 21 नामजद और 800-900 अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी झूठे और निराधार आरोपों पर आधारित है तथा इसका उद्देश्य याचिकाकर्ताओं को परेशान करना है। अधिवक्ता ने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं के नाम कुछ वायरल वीडियो के आधार पर सामने आए, लेकिन उनकी पहचान स्थापित करने के लिए कोई ऐसा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि वे कथित अपराध में शामिल थे। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि इसी मामले में उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ ने 13 मई 2026 को चार अन्य आरोपियों के खिलाफ जारी कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आठ जून को पारित अपने आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया यह मामला विचारणीय प्रतीत होता है। अतः प्रतिवादियों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। इसके साथ ही अदालत ने 22 आरोपियों के खिलाफ जारी आपराधिक कार्यवाही पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी।

'पोस्टर पॉलिटिक्स' पर भड़के मंत्री संजय निषाद, बोले- जनता सिर्फ मोदी-योगी को चाहती है, बाकी सब होंगे साफ!

लखनऊ, 13 जून (एजेंसियां)। मंत्री संजय निषाद ने विपक्ष के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह सब सिर्फ बयानबाजी और पोस्टर चमकाने की राजनीति है। जमीन पर इसका कोई असर नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि राजनीति में असली फैसला जनता के हाथ में होता है। देश में वहीं होगा, जो जनता चाहेगी। आज देश की जनता विकास देख रही है और इसीलिए वह मोदी-योगी सरकार को सत्ता में लाना चाहती है। संजय निषाद ने कहा कि सपा को पिछड़ों, दलितों और वंचितों के लिए काम करना चाहिए, जिसके लिए यह पार्टी बनी थी।

उन्होंने पुराना याद दिलाते हुए आरोप लगाया कि 21 दिसंबर 2016 को जब यूपी में सपा की सरकार थी, तब इन्होंने निषाद समाज को ओबीसी लिस्ट से बाहर कर दिया था। उन्होंने कहा कि जो पार्टी पिछड़ों के हक की बात करती है, उसने खुद ऐसा काम किया। इसीलिए आज जनता सिर्फ मोदी-योगी को लाना चाहती है और बाकी सबको हटाना चाहती है।

तूफानी हवाओं के साथ तेज बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। आईएमडी के अनुसार, आज गुजरात को छोड़कर देश के बाकी राज्यों में मानसून और प्री-मानसून की बारिश हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर समेत 15 से ज्यादा राज्यों में आज आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश का अलर्ट है। कहीं भारी बारिश तो कहीं हल्की से मध्यम बारिश के साथ धूलभरी आंधी चलने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, आज अंडमान निकोबार द्वीप समूह, केरल, तटीय कर्नाटक, तेलंगाना,पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, महाराष्ट्र, कोंकण, गोवा, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में गरज चमक, तूफानी हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, देश में दक्षिण पश्चिम मानसून भी लगातार आगे बढ़ रहा है। दक्षिण-पश्चिम मानसून कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में भी मानसून की एंट्री हो गई है। अगले 3 दिन में मानसून छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में एंट्री कर सकता है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। आईएमडी के अनुसार, मानसून ने केरलम, कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक मानसून को मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश, गुजरात, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और राजस्थान में एंट्री करनी है। आईएमडी के अनुसार, कल 14 जून दिन रविवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने का अनुमान है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश होने की संभावना है।

15 जून को भी बारिश होने का अलर्ट

आईएमडी के अनुसार, परसो 15 जून दिन सोमवार को दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश हो सकती है। 50 से 70 किलोमीटर की रफ्तार वाली हवाएं चल सकती हैं। उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में ओले गिर सकते हैं। बिहार, झारखंड और ओडिशा में तेज बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में ओलावृष्टि के साथ बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले 2 दिन से बारिश हो रही है और तूफानी हवाएं चल रही हैं। कई इलाकों में तेज हवाओं से पेड़ गिरने के कारण ट्रैफिक बाधित हुई। आने वाले 5 दिन मौसम का यह उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। बीते दिन अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री रहा। वहीं आज आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर या शाम के समय हल्की बारिश हो सकती है। गरज चमक के साथ तूफानी हवाएं 60 की स्पीड से चल सकती हैं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दुनियाभर के 200 से ज्यादा बड़े शहरों में एल नीनो के खतरे और उससे निपटने की क्षमता का विश्लेषण किया। रिसर्च के अनुसार, भारत के अहमदाबाद,नागपुर, कानपुर, भोपाल और मदुरई में हीट वेव सबसे ज्यादा कहर ढहाएगी। इनके अलावा अल बसरा (इराक)बमाको (माली), क्वेजोन सिटी (फिलीपींस), बगदाद (इराक), फैसलाबाद (पाकिस्तान), लागोस (नाइजीरिया), हैदराबाद (पाकिस्तान), बैरेंक्विला (कोलंबिया), इबादान (नाइजीरिया), पोर्ट हरकोर्ट (नाइजीरिया), कोनाक्री (गिनी), हो चि मिंच सिटी (वियतनाम), कडुना (नाइजीरिया), बांडुंग (इंडोनेशिया), पोर्ट-औ-प्रिंस (हैती) में भी भीषण गर्मी पड़ेगी।

डीएमई पर खड़े ट्रक में जा घुसी कार, रवा गांव के पास एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत; दो घायल

नूंह, 13 जून (एजेंसियां)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक कार खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना दर्दनाक था कि कार में सवार एक ही परिवार के चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के रवा गांव के पास चैनल नंबर 40 पर हुआ। हादसे में मरने वालों में तीन महिलाएं व एक पुरुष शामिल हैं। वहीं हादसे में एक बच्चा अक्षय और उसका पिता जवाहर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल में भर्ती कराया गया।

फिलहाल, पिता का वहीं उपचार हो रहा है जबकि बेटे अक्षय की हालत ज्यादा गंभीर होने के कारण उसे दिल्ली के लिए रेफर किया गया। उधर, स्वजनों को हादसे की सूचना पुलिस ने दे दी है। वे भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सभी मृतक और घायल राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के नवाली गांव के निवासी थे।

ट्रिपल सुसाइड से हड़कंप: वडोदरा में 24 घंटे में दो दोस्तों ने की खुदकुशी, तीसरे ने बिहार में दी जान

अहमदाबाद, 13 जून (एजेंसियां)। वडोदरा के मकरपुरा इलाके में एक बहुत ही चौंकाने वाली और रहस्यमयी घटना सामने आई है, जिसमें दो प्रवासी दोस्तों ने 24 घंटे से कम समय में सुसाइड कर लिया, जिससे पूरे इलाके में हलचल मच गई। यह घटना तब और भी गंभीर हो गई जब, आम राय के अनुसार, यह जानकारी सामने आई कि इन दोनों युवकों के एक तीसरे दोस्त ने भी दो दिन पहले बिहार में फांसी लगा ली थी।

शक है कि एक ही दोस्तों के ग्रुप के तीन युवकों की दुखद मौतों के पीछे कोई बड़ा राज छिपा हुआ है। पिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, कल मकरपुरा रेलवे स्टेशन पर एक अनजान लड़के ने पूरी स्पीड से आ रही मालगाड़ी के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया। घटना की खबर मिलते ही रेलवे पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने बॉडी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मरने वाले की पहचान रवि कुशवाहा के तौर पर हुई।

रवि असल में बिहार के रूह गांव का रहने वाला था और नौकरी की तलाश में वडोदरा आया था। रेलवे पुलिस ने उसकी बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए सयाजी हॉस्पिटल भेज दिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। हालांकि, रवि ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी सही वजह पता नहीं चल पाई है। पुलिस अभी रवि की सुसाइड की शुरुआती जांच कर ही रही थी कि मकरपुरा इलाके से एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई। रवि का सबसे अच्छा दोस्त और रूम पार्टनर विकास कुशवाहा, जो उसी किराए के कमरे में रहता था, उसने भी मकरपुरा इलाके में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

"भगवंत मान का दोबारा सीएम बनना तय"
बठिंडा रोड शो में केजरीवाल का बीजेपी-अकाली पर भी हमला

चंडीगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सीएम भगवंत मान के साथ बठिंडा में मेगा रोड शो किया और नगर निगम चुनाव में पार्टी को शानदार जीत दिलाने के लिए जनता का धन्यवाद किया। रोड शो में उमड़ी लोगों को देखकर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार के चार साल के काम से पंजाब की जनता बेहद खुश है। हमें पूरा विश्वास है कि 2027 में भगवंत मान का दोबारा मुख्यमंत्री बनना तय है। उन्होंने कहा कि पंजाब में अब तक जितने भी सीएम बने, सब पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे, लेकिन भगवंत मान पर एक पैसे का आरोप नहीं है। अगर भगवंत मान या सरकार के मंत्रियों पर एक भी आरोप लगा होता तो मोदी सरकार रोज ईडी-सीबीआई की रेड कराती। इस अवसर पर आप पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया समेत तमाम वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे। रोड शो के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हमारी सरकार के चार साल पूरे होने पर जनता के चेहरों पर इतनी खुशी है कि देखकर दिल खुश हो गया। हम राजनीति में काम करने आए थे और यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि चार साल बाद भी जनता हमारा काम पसंद कर रही है। एक तरह से बठिंडा में शानदार जीत दिलाकर जनता ने हमारे अच्छे काम पर मोहर लगाई है। रोड शो में लोगों की झलकती खुशी से साफ पता चलता है कि आज जनता मौजूदा सरकार से बहुत खुश है।

श्रद्धालुओं को राहतः अमृतसर से माता वैष्णो देवी जाना होगा आसान, 16 जून से फिर दौड़ेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

अमृतसर, 13 जून (एजेंसियां)। अमृतसर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस 16 जून से दोबारा शुरू होने जा रही है। करीब सात महीने के अंतराल के बाद ट्रेन सेवा बहाल होने से श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। रेलवे प्रशासन ने ट्रेन का नया रूट और समय-सारिणी भी जारी कर दी है। नई व्यवस्था के तहत ट्रेन अब गुरदासपुर और बटाला होकर संचालित होगी। इससे इन क्षेत्रों के यात्रियों को भी सीधे वंदे भारत सेवा का लाभ मिलेगा।

रेलवे ने ट्रेन का साप्ताहिक अवकाश दिवस भी बदल दिया है। अब यह ट्रेन शनिवार को नहीं चलेगी और सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। रेलवे द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ट्रेन संख्या 26405 अमृतसर से सुबह 4:25 बजे रवाना होगी और रात 10 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26406 कटरा से सुबह 6:40 बजे प्रस्थान कर दोपहर करीब 12:20 बजे अमृतसर पहुंचेगी।

यात्रा का समय लगभग पांच घंटे 35 मिनट रहेगा। नए रूट पर ट्रेन के प्रमुख ठहराव बटाला, गुरदासपुर, पठानकोट और जम्मू तवी स्टेशन होंगे। इससे पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बीच रेल संपर्क और मजबूत होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सेवा बहाल होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का विकल्प मिलेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस के दोबारा संचालन से अमृतसर, गुरदासपुर, बटाला और पठानकोट क्षेत्र के यात्रियों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। आगामी यात्रा सीजन और धार्मिक पर्यटन को भी इससे बढ़ावा मिलेगा।

एयर फोर्स अधिकारी के घर फायरिंग करने वाले दो आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

मुंबई, 13 जून (एजेंसियां)। पुलिस ने मध्य प्रदेश में एक एयर फोर्स अधिकारी से जुड़े हत्या की कोशिश मामले में वॉन्टेड दो आरोपियों को पकड़ा लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमर सिंह परिहार (25) और अभिज्ञान त्रिपाठी (23) के रूप में हुई है। दोनों को गिरफ्तार करने के बाद मध्य प्रदेश पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, 5 जून 2026 को सतना जिले के कोनगवा थाना क्षेत्र में आरोपियों ने एयर फोर्स अधिकारी के घर के बाहर देसी पिस्टल से पांच राउंड फायरिंग कर उनकी हत्या का प्रयास किया था। इस मामले में कोनगवा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के बाद आरोपियों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर अगली फायरिंग पुलिस पर करने की धमकी दी थी। इसके बाद दोनों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर दिए और फरार हो गए। तकनीकी जांच के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी ग्रे रंग की टाटा नेक्सॉन कार (एमपी 19 जेडएच 7742) में मुंबई के आजाद मैदान, एमआरए और कफ परेड थाना क्षेत्र में घूम रहे हैं।

सबरीमाला सोना घोटाला मामले के दूसरे आरोपी मुरारी बाबू का निधन, सोने के पैनलों के गबन का था आरोप

तिरुवनंतपुरम, 13 जून (एजेंसियां)। केरल के चर्चित सबरीमाला सोना घोटाले से जुड़े दूसरे आरोपी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी मुरारी बाबू का शनिवार को निधन हो गया। वह कैंसर से पीड़ित थे और कोच्चि के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उनकी मौत ऐसे समय हुई है जब सबरीमाला मंदिर से जुड़े सोने की परत वाले पैनलों के कथित गबन और अन्य वित्तीय अनियमितताओं की जांच अब भी जारी है। इस मामले ने वर्षों से केरल की धार्मिक और प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक चर्चा पैदा की हुई है।

सबरीमाला मंदिर के दरवाजों के फ्रेम और द्वारपालक मूर्तियों पर लगे सोने की परत वाले पैनलों को हटाने और उनके कथित गबन को लेकर जांच शुरू हुई थी। आरोप था कि मंदिर से हटाए गए सोने की परत वाले पैनलों का सही रिकॉर्ड नहीं रखा गया और उनकी हेराफेरी की गई। इसी मामले में मुरारी बाबू को आरोपी बनाया गया था। पूछताछ के

दौरान उन्होंने दावा किया था कि सोने के पैनलों को तांबे के पैनल के रूप में दर्ज करने की प्रक्रिया मंदिर के पुजारी के एक पत्र के आधार पर की गई थी। हालांकि जांच एजेंसियां इस दावे की भी जांच कर रही थीं। विजिलेंस जांच के दौरान मुरारी बाबू का नाम कई अन्य विवादों में भी सामने आया था। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया था कि टीडीबी में अपेक्षाकृत निचले पद पर रहने के बावजूद उन्होंने अपने कार्यकाल में करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित की। चंगनासेरी स्थित उनकी पैतृक जमीन पर बने आलीशान मकान की भी जांच की गई थी। इसके अलावा प्रमुख मंदिर उत्सवों में हाथियों की आपूर्ति से जुड़े ठेकों में कथित अनियमितताओं, मंदिर परिसर से सोने-चांदी की वस्तुएं गायब होने और प्रशासनिक फैसलों को लेकर भी सवाल उठे थे। सबरीमाला जैसे संवेदनशील धार्मिक स्थल पर उनकी नियुक्ति को लेकर भी विवाद हुआ था। आरोपों का सामना कर रहे कर्मचारियों को ऐसी जगहों पर तैनात न करने संबंधी हाई कोर्ट के निर्देशों के बावजूद बाद में उन्हें सबरीमाला में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया गया था। विजिलेंस की जांच में यह भी सामने आया था कि उन्होंने कथित रूप से देवस्वोम बोर्ड को पूरी जानकारी दिए बिना द्वारपालक मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने के काम को लेकर एक निजी कंपनी से बातचीत की थी। इन आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया था।

मुरारी बाबू एक साधारण परिवार से आते थे। वर्ष 1994 में उन्होंने पुलिस कांस्टेबल के रूप में चयन प्राप्त किया था, लेकिन प्रशिक्षण पूरा होने से पहले ही नौकरी छोड़ दी। इसके बाद 1997 में वह त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड से जुड़े। अपनी सेवा के दौरान उन्होंने एट्टुमानूर, वाइकोम और थिरुनक्करा जैसे प्रमुख मंदिरों में विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालीं। समय के साथ वह बोर्ड के प्रभावशाली अधिकारियों में गिने जाने लगे, लेकिन बाद में कई विवादों और जांचों के चलते उनका नाम सुर्खियों में आ गया।

कसोल में रशियन महिला की ड्रग ओवरडोज से मौत, रेव पार्टी में डीजे बजाने आई थी

कुल्लू, 13 जून (एजेंसियां)। हिमाचल के कुल्लू में एक विदेशी महिला की ड्रग ओवरडोस से मौत हो गई। पुलिस ने मणिकर्ण घाटी के कसोल में रशियन विदेशी महिला की मौत की पुष्टि की है। एसपी कुल्लू मदन लाल कौशल ने कहा कि विदेशी महिला का शव पुलिस ने कब्जे में लिया। इसके साथ ही विदेशी महिला दिशालीयन के परिजनों को सूचना दी गई। महिला के परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि विदेशी महिला के मौत ड्रग ओवरडोस से हुई है। इसके बाद पुलिस ने कसोल में रेव पार्टी को लेकर 2 अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं।

मणिकर्ण घाटी के जंगलों में हाई कोर्ट की रोक के बावजूद धड़ल्ले से रेव पार्टी हो रही है। कसोल के जंगलों में रेव पार्टी में खुलेआम अश्लीलता और नशे का प्रचलन है। मणिकर्ण घाटी के कसोल में रशियन डीजे आर्टिस्ट्स 29 वर्षीय दिशालीयन की ओवर डोज से 2 दिन पहले मौत हुई थी। कसोल के जंगलों में 7 से 11 जून तक रेव पार्टी हुई थी। इस पार्टी में डीजे बजाने के बाद ड्रग ओवर डोज से महिला की मौत हो गई।

चीन के समुद्र में जासूसी जीवों का जाल
कछुओं-मछलियों में लगे सेंसर से जुटाई खुफिया जानकारी, बीजिंग में गुस्सा

बीजिंग, 13 जून (एजेंसियां)। 2024 चीन का कहना है कि कुछ विदेशी खुफिया एजेंसियां कछुओं और मछलियों को उसके खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही हैं। चीन का दावा है कि विदेशी एजेंसियां जासूसी के नए उपकरणों (मछली-कछुओं) के जरिए संवेदनशील समुद्री डेटा इकट्ठा कर रही हैं। चीन ने इसे अपने समुद्र तट के आसपास एक सीक्रेट वॉर कहा है। चीन का दावा दिखाता है कि समुद्र में प्रभाव बढ़ाने की कोशिशें तनाव की वजह बन रहा है। चीन के स्टेट सिक्योरिटी मंत्रालय ने दावा किया है कि विदेशी जासूसी और खुफिया एजेंसियां देश के समुद्री इलाकों की निगरानी के लिए, नए-नए तरीके अपना रही हैं, जिनमें सेंसर लगे जानवरों का इस्तेमाल भी शामिल है।

मंत्रालय ने चेतावनी दी कि चीन के आसपास के समुद्रों में अदृश्य गुप्त युद्ध चल रहा है। चीनी मंत्रालय का कहना है कि विदेशी एजेंसियां समुद्री जीवों के जरिए संवेदनशील डेटा इकट्ठा कर रही हैं ताकि पानी के नीचे के नक्शे बनाए जा सकें। चीन ने इसे अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा कहा है। मंत्रालय का दावा है कि इस्तेमाल की जा रही जासूसी तकनीकों में कछुए और मछलियां शामिल हैं, जो चीनी समुद्री इलाकों में तैरते हुए सेंसर से जुड़े पाए गए।

मंत्रालय ने कहा है कि ये जानवर समुद्री पर्यावरण से जुड़ा संवेदनशील डेटा, जैसे पानी का तापमान, खारापन और समुद्री धाराएं, रियल-टाइम में इकट्ठा कर रहे थे। इस सारी जानकारी को ये जानवर सैटेलाइट के जरिए विदेशों में भेज रहे थे। हालांकि चीनी मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि ये जानवर कहां पाए गए हैं और उन्हें किस देश ने जासूसी के लिए तैयार किया था। चीन के स्टेट सिक्योरिटी मंत्रालय ने यह भी कहा है कि उसे विदेशी समुद्री अनुसंधान संस्थान की ओर से तैनात ऐसे बॉय मिले हैं, जिनमें मौसम संबंधी सेंसर पैकेज लगे थे।

इनकी मदद से चीनी पनडुब्बियों की आवाज के संकेतों को रियल-टाइम में ट्रैक किया जा सकता था। चीनी मंत्रालय ने एक नए तरह के वेव ग्लाइडर का भी जिक्र किया है, जो लहरों की गति और सौर ऊर्जा से चलता है। मंत्रालय के अनुसार, विदेशी ताकतों ने इसका इस्तेमाल सैन्य-संबंधी समुद्री पर्यावरण डेटा और जहाजों की गतिविधियों की जानकारी भेजने के लिए किया था।

उत्तर कोरिया पर अमेरिका की सख्ती बढ़ी, इन उपकरणों के निर्यात के लिए लेनी होगी खास अनुमति

वॉशिंगटन, 13 जून (एजेंसियां)। 2024 अमेरिका ने उत्तर कोरिया को निर्यात किए जाने वाले कुछ चिकित्सा उपकरणों पर नियंत्रण और कड़ा कर दिया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने ऐसे मेडिकल उपकरणों की सूची जारी की है, जिनके उत्तर कोरिया निर्यात के लिए अब विशेष सरकारी अनुमति लेना जरूरी होगा। अमेरिकी वित्त विभाग के ऑफिस ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसके तहत अब कुछ चिकित्सा उपकरण सामान्य लाइसेंस के दायरे से बाहर कर दिए गए हैं। पहले सामान्य लाइसेंस के तहत कुछ कृषि उत्पादों, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के निर्यात की अनुमति थी।

ओएफएसी के अनुसार, सूची में शामिल उपकरणों को उत्तर कोरिया भेजने से पहले विशेष स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। यह नियम गुरुवार से प्रभावी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम उन उपकरणों के निर्यात को सीमित करने के लिए उठाया गया है, जिनका उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ा रहा है। वॉशिंगटन और सियोल के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत लंबे समय से ठप पड़ी हुई है। इस बीच, दक्षिण कोरिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करेंगे या नहीं।

क्या यूएई ने 3 अरब डॉलर ईरान भेजे? दावा
अमेरिकी जहाज तेहरान में हुए लैंड, दुबई से आया ये जवाब

तेहरान, 13 जून (एजेंसियां)। 2024 मिडिल ईस्ट में ईरान और अमेरिका के बीच पीस डील की संभावना दिख रही है। इसी बीच एक नई रिपोर्ट ने खलबली मचा दी है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अपने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ईरान को अरबों डॉलर भेजने पर राजी है। हालांकि, यूएई सरकार ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार की जमी हुई ईरानी संपत्ति को न तो जारी किया गया है और न ही उसके ट्रांसफर में कोई भूमिका निभाई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है। रिपोर्ट के मुताबिक दो क्षेत्रीय सूत्रों ने बताया कि यूएई ने कुल 10 अरब डॉलर जारी करने पर सहमति दी है, जिसमें से 3 अरब डॉलर से अधिक की राशि पहले ही उपलब्ध कराई जा चुकी है।

वहीं दो अन्य सूत्रों ने दावा किया कि कुल राशि 20 अरब डॉलर तक हो सकती है। उनके अनुसार यह समझौता ईरान द्वारा यूएई पर हमले रोकने के बदले हुआ है। इनमें से एक सूत्र ने कहा कि शुरुआती 3 अरब डॉलर की पहली किस्त पहले ही उपलब्ध करा दी गई है। हालांकि, रॉयटर्स यह स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका कि यह पैसे यूएई के अपने हैं या फिर यूएई के बैंकिंग सिस्टम या अन्य देशों में लंबे समय से जमी ईरानी संपत्तियों से संबंधित है। इस रिपोर्ट को ईरान के मीडिया पोर्टल की खबर से बल मिला। ईरान इंटरनेशनल ने तवनाक को

कोट करते हुए कहा कि ईरानी मीडिया संस्थान तवनाक ने कुछ तस्वीरें जारी करते हुए दावा किया कि उनमें बोइंग 737-7जेजेड बीबीजे (पंजीकरण संख्या6-आरजेएफ) तेहरान के ऊपर उड़ान भरता दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि यह विमान उस 3 अरब डॉलर की राशि को ईरान लेकर आया था, जिसका उल्लेख हाल ही में रॉयटर्स की रिपोर्ट में किया गया था।

हालांकि तवनाक की रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि तस्वीरें कब ली गई थीं। यह भी नहीं बताया गया कि तस्वीरों में दिख रहा विमान वही बोइंग 737-7 जेजेड बीबीजे है या नहीं, जिसे सोमवार को अबू धाबी से तेहरान की उड़ान भरते हुए देखा गया था। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। जब इस कथित फंड ट्रांसफर को लेकर यूएई से प्रतिक्रिया मांगी गई तो यूएई के विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर ऐसे सभी दावों को खारिज कर दिया। सोशल मीडिया एक्स पर जारी बयान में यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'संयुक्त अरब अमीरात उन रिपोर्टों को स्पष्ट रूप से खारिज करता है जिनमें दावा किया गया है कि यूएई से इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान को धनराशि भेजी गई है, जिसमें 3 अरब डॉलर के हस्तांतरण का आरोप भी शामिल है। ये सभी आरोप पूरी तरह झूठे और निराधार हैं।' मंत्रालय ने आगे स्पष्ट किया कि 'ईरान की किसी भी जमी हुई धनराशि को न तो जारी किया गया है, न स्थानांतरित किया गया है और न ही यूएई के माध्यम से उसके हस्तांतरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।' यूएई ने मीडिया संस्थानों से जिम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि समाचार प्रकाशित करने से पहले आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा किया जाना चाहिए और अपुष्ट जानकारियों या आधारहीन आरोपों को प्रसारित करने से बचना चाहिए।

इस मामले पर व्हाइट हाउस ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यूएई के बयान से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान से जुड़ी वित्तीय रियायतों की खबरों का खंडन किया था। वेंस ने एक्स पर लिखा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए प्रस्तावित समझौते के बदले ईरान को कोई नकद भुगतान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं संभावित समझौते को लेकर फैलाई जा रही कई फर्जी जानकारियां देख रहा हूं। सबसे पहले यह स्पष्ट कर दूं कि ईरान को कोई नकद राशि नहीं मिल रही है।

डीजीपी ने सीआईडी मुख्यालय में अत्याधुनिक लैब का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने आधुनिक पुलिसिंग में तकनीक की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि अपराध रोकथाम, जांच और साइबर अपराध नियंत्रण के लिए उन्नत तकनीक का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना पुलिस देश में तकनीक अपनाने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। शुक्रवार को डीजीपी ने हैदराबाद स्थित अपराध जांच विभाग मुख्यालय में अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब तथा श्री साइबर लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्मार्ट अपराध विश्लेषण एवं डेटा प्रबंधन प्रणाली भी शुरू की गई, जिससे जांच क्षमताओं और डेटा आधारित पुलिसिंग को और मजबूती मिलेगी।

डीजीपी ने कहा कि तेलंगाना पुलिस ने अपनी स्थापना के बाद से ही नवाचार और तकनीकी समाधान अपनाकर देशभर में एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराध नियंत्रण, डिजिटल फॉरेंसिक जांच और डेटा विश्लेषण के क्षेत्र में राज्य पुलिस ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग लगातार नई तकनीकों को अपनाकर जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और नागरिक सेवा को तेज बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। हाल ही में शुरू की गई टी-एसपीएआरके तकनीकी टीम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। नई स्मार्ट कंप्यूटर प्रणाली की विशेषताओं के तहत यह प्रणाली बैठकों में बोलने वाले व्यक्ति की पहचान कर कैमरा स्वतः उसी दिशा में केंद्रित कर सकती है। यह वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ-साथ चर्चाओं का स्वचालित प्रतिलेखन और संग्रह भी कर सकती है।

यह तकनीक स्क्रीन पर प्रदर्शित सामग्री को पहचानकर उसे पाठ, ऑडियो या रिपोर्ट के रूप में परिवर्तित करने में सक्षम है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यह प्रणाली बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर अपराध मानचित्रण, प्रवृत्ति विश्लेषण और केस समीक्षा में सहायता करेगी। इसके अलावा यह प्रणाली पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं की प्रतिक्रिया को डिजिटल रूप से रिकॉर्ड कर संरक्षित करने में भी सक्षम होगी, जिससे जांच की गुणवत्ता और पारदर्शिता में सुधार होगा। अधिकारियों के अनुसार यह प्रणाली अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली को और अधिक तेज, सटीक और प्रभावी बनाएगी। इस उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एसीबी एवं सीआईडी) चारू सिन्हा, उपमहानिरीक्षक नविन कुमार, नारायण नाइक, परिमला हना नूतन सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल करने का आरोप
महिला ने दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। चेंगिचेरला क्षेत्र की एक 27 वर्षीय निजी विद्यालय शिक्षिका ने एक व्यक्ति पर तस्वीरों के जरिए ब्लैकमेल करने और परेशान करने का आरोप लगाते हुए मेडिपल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, महिला की पहचान गोपनीय रखी गई है। शिकायत में कहा गया है कि उसकी पहचान साई नामक एक व्यक्ति से हुई थी, जो वाहन चालक का काम करता है। आरोप है कि साई ने अतीत में साथ खिंचवाई गई तस्वीरों का इस्तेमाल कर महिला को धमकाना शुरू कर दिया। महिला का कहना है कि आरोपी लगातार उसे मानसिक रूप से परेशान कर रहा था।

शिकायत के अनुसार, 10 जून को आरोपी ने महिला के पति को भी फोन किया और दावा किया कि वह महिला से प्रेम करता है। उसने यह भी कहा कि उसके पास दोनों की तस्वीरें मौजूद हैं। लगातार उत्पीड़न और धमकियों से परेशान होकर महिला ने पुलिस की शरण ली और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मेडिपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रणनीतिक सामग्री विकसित भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने हैदराबाद में अपना ग्राहक सम्मेलन 2026 आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था विकसित भारत 2047 में रणनीतिक सामग्री की भूमिका। सम्मेलन के दौरान इसी विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के अध्यक्षों और रणनीतिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दृष्टि को साकार करने में उन्नत सामग्रियों के महत्व पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र डॉ. जैतीर्थ आर. जोशी, महानिदेशक, ब्रह्मोस (डीआरडीओ) एवं सीईओ और प्रबंध निदेशक, ब्रह्मोस एयरोस्पेस (मुख्य अतिथि), डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि, पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), मिधानि, श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ, मिधानि तथा श्रीमती स्पूर्थि रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), मिधानि की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), मिधानि ने विशिष्ट अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने उन्नत सामग्रियों के स्वदेशी विकास और उत्पादन के माध्यम से भारत के रणनीतिक क्षेत्रों को मजबूत करने में मिधानि की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने उभरती तकनीकी चुनौतियों से निपटने और रणनीतिक सामग्रियों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने हेतु उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और अंतिम उपयोगकर्ता एजेंसियों के बीच घनिष्ठ सहयोग के महत्व पर बल दिया।

डॉ. कोमल कपूर ने भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में रणनीतिक सामग्रियों के महत्व को रेखांकित किया। उद्घाटन संबोधन में डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने विकसित भारत 2047 की दृष्टि को साकार करने में रणनीतिक सामग्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया।

मुख्य अतिथि डॉ. जैतीर्थ आर. जोशी ने अगली पीढ़ी के रक्षा और अंतरिक्ष विज्ञान प्लेटफार्मों को सक्षम बनाने में उन्नत सामग्रियों के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्र के दौरान मिधानि ने रणनीतिक सामग्रियों में अपनी क्षमताओं, उपलब्धियों और भविष्य की रोडमैप का प्रदर्शन किया। इसके बाद हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी), नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं। रणनीतिक प्लेटफार्मों, मिसाइल प्रणालियों, एयरो-इंजनों, नौसेना अनुप्रयोगों और उन्नत इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए सुपरअलॉय, टाइटेनियम मिश्र धातुओं और विशेष इस्पातों की आपूर्ति में कंपनी के योगदान पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योग पेशेवरों, शोधकर्ताओं और रणनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप उन्नत सामग्रियों में आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकसित भारत 2047 को प्राप्त करने के रोडमैप पर गहन चर्चाएं हुईं।

वित्तीय स्थिरता हेतु लक्षित लक्ष्यों को पूरा करें : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि राज्य की वित्तीय स्थिरता मजबूत हो और राजस्व संसाधनों में वृद्धि हो सके। शुक्रवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में 'मंत्रिमंडलीय उपसमिति ऑन संसाधन मोबिलाइज़ेशन' की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने यह निर्देश दिए। बैठक में आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू तथा सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी भी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और राजस्व वृद्धि की रणनीतियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री ने वाणिज्य कर विभाग की प्रवर्तन और खुफिया शाखा को और मजबूत करने पर जोर देते हुए कर राजस्व अधिकतम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को राष्ट्रीय स्तर की जीएसटी फिटमेंट समिति में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, ताकि राज्य के वित्तीय हितों की प्रभावी रक्षा हो सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने आबकारी विभाग के प्रदर्शन की भी समीक्षा की और वित्तीय लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने के आदेश दिए। भूमि प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिए उन्होंने वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया को राजस्व विभाग के साथ समन्वय कर विशेष बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी जिलों में सरकारी भूमि की पहचान के लिए जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित करने को कहा। बैठक में हैदराबाद महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत परिसंपत्ति मुद्रीकरण और भूमि समेकन प्रक्रिया को तेज करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके अलावा हैदराबाद अवसंरचना एवं भूमि परिवर्तन परियोजना को शीघ्र गति देने पर विशेष जोर दिया गया। उपमुख्यमंत्री ने नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग को आवश्यक अधिसूचनाएं शीघ्र जारी करने और इस परियोजना के लाभों के प्रति जनता एवं उद्योग जगत को जागरूक करने के निर्देश दिए।

पुलिस हंटर्स टीम बनी चैंपियन, अद्वैत का शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस के तत्वावधान में तीन दिनों तक आयोजित साइबराबाद प्रेस एवं पुलिस फ्रेंडली क्रिकेट लीग-2026 का सफल समापन हो गया। पुलिस कर्मियों और मीडिया प्रतिनिधियों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पुलिस हंटर्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए पुलिस हंटर्स ने निर्धारित ओवरों में 224 रन बनाए। टीम की ओर से अद्वैत ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 92 रन बनाए और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 225 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्राइम वारियर्स टीम पुलिस हंटर्स के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और मात्र 73 रन पर सिमट गई।

इसके साथ ही पुलिस हंटर्स ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। फाइनल मैच में 92 रन बनाने के साथ-साथ दो विकेट लेने वाले अद्वैत को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

वहीं पूरे टूर्नामेंट में 180 रन बनाने वाले पुलिस हंटर्स के खिलाड़ी नरेश को मैन ऑफ द सीरीज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफियां तथा खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों की खेल भावना की सराहना की। कार्यक्रम में प्रशासनिक पुलिस उपायुक्त अन्नपूर्णा, शेरिलिंगमपल्ली पुलिस उपायुक्त श्रीनिवास, विशेष शाखा के पुलिस उपायुक्त सुधींद्र, मुख्यालय पुलिस उपायुक्त संजीव, साइबर अपराध पुलिस उपायुक्त साई मनोहर, शेरिलिंगमपल्ली यातायात अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हनुमंत राव, सीएआर मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हनुमंत राव एवं शमीर, आरआई तथा अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

छात्रों के साथ टिफिन बैठक में शामिल हुए बंडी संजय
25 लाख रुपये की सहायता की घोषणा

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने शुक्रवार को करीमनगर जिले के चिगुरुमामिडी मंडल के रेकोंडा गांव स्थित सरकारी उच्च विद्यालय में छात्रों और ग्रामीणों के साथ 'टिफिन बैठक' में भाग लिया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। 'स्वच्छ पाठशाला' पहल के तहत मंत्री ने ग्रामीणों और छात्रों के साथ घर से लाया हुआ भोजन साझा किया तथा सरकारी विद्यालयों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। विद्यालय की आवश्यकताओं की समीक्षा के बाद उन्होंने कुल 25 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की। इसमें 5 लाख रुपये भोजनालय सुविधाओं के लिए तथा 20 लाख रुपये कक्षा कक्ष और सामुदायिक भवन निर्माण के लिए शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 10 लाख रुपये तत्काल जारी किए जाएंगे। मंत्री ने छात्रों से संवाद किया और कक्षा दसवीं के परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए निःशुल्क साइकिल योजना को पुनः लागू करने की घोषणा भी की। उन्होंने लोगों से 16 जून को विद्यालय नामांकन रैलियां आयोजित करने और गांवों में स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। करीमनगर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में भी इसी प्रकार की टिफिन बैठकों का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और स्वयंसेवी संगठनों ने भाग लिया।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत पांच माह में 512 बच्चों को बचाया गया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' अभियान के तहत इस वर्ष जनवरी से मई के बीच रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में असुरक्षित परिस्थितियों में पाए गए 512 बच्चों को सुरक्षित बचाया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, बचाए गए बच्चों में 421 लड़के और 91 लड़कियां शामिल हैं। सभी बच्चों को देखभाल, संरक्षण और पुनर्वास के लिए बाल कल्याण समितियों को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य लापता, घर से बिछड़े और परिवार से अलग हो चुके बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षा प्रदान करना तथा संभव होने पर उनके परिजनों से मिलाना है।

रेलवे सुरक्षा बल के जवान रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित निगरानी रखते हैं तथा समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए बाल संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर कार्य करते हैं। इसके अलावा कर्मियों को संकटग्रस्त बच्चों की पहचान और उनकी सहायता के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2025 में 1,622 बच्चों और वर्ष 2024 में 1,390 बच्चों को बचाया गया था। यह आंकड़े अभियान की व्यापकता और उसकी निरंतर सफलता को दर्शाते हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यदि किसी रेलवे स्टेशन या ट्रेन में कोई बच्चा अकेला, असहाय या संकट की स्थिति में दिखाई दे तो इसकी सूचना तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें।

प्रत्येक बैंक कर्मचारी को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होना चाहिए : सज्जनार
साइबर अपराधों पर बैंक कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम
सीपी ने विभिन्न भाषाओं में तैयार विशेष ब्रोशर का विमोचन किया

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित रवींद्र भारती में बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से बैंक कर्मचारियों के लिए साइबर अपराधों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। स कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक चिन्मय कुमार, साइबर अपराध उप पुलिस आयुक्त अरविंद बाबू, बैंक ऑफ बड़ौदा की कार्यकारी निदेशक बीना वहीद, जोनल प्रमुख सुधाकर सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बैंक कर्मचारियों को साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जागरूक करने हेतु विभिन्न भाषाओं में तैयार एक विशेष ब्रोशर का विमोचन पुलिस आयुक्त द्वारा किया गया।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा कि प्रत्येक बैंक कर्मचारी को साइबर अपराधों के प्रति पूरी तरह जागरूक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बैंक कर्मचारी जनता की धनराशि के संरक्षक हैं और उन्हें अपनी जिम्मेदारी कभी नहीं भूलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों को रोकना केवल पुलिस का ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। उन्होंने बैंक कर्मचारियों से अपने-अपने शाखाओं में शून्य म्यूल खाता चुनौती और सुरक्षित ग्राहक चुनौती को गंभीरता से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शाखा का लक्ष्य होना चाहिए कि कोई भी ग्राहक साइबर अपराध का शिकार न बने। हाल ही में चलाए गए ऑपरेशन ऑक्टोपस के दौरान कई मामलों की जांच में यह सामने आया कि बैंक कर्मचारियों में साइबर अपराधों के प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि नए बैंक खाते खोलने में जितनी गंभीरता दिखाई जाती है, उतनी ही गंभीरता साइबर अपराध पीड़ितों के मामलों में भी दिखानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन शाखाओं में कोई भी ग्राहक साइबर अपराध का शिकार नहीं हुआ है, ऐसे कर्मचारियों को प्रोत्साहित कर सम्मानित किया जाना चाहिए।

रेत लदे ट्रक की चपेट में आने से महिला की मौत

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपनगरीय क्षेत्र कंदुकुर के कंचार के पास ग्रीनफील्ड रोड पर शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान भरतम्मा के रूप में हुई है। वह अकुला मैलाराम स्थित एक अस्पताल से लौटकर अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान यह दुर्घटना हुई। बताया गया कि भरतम्मा सड़क किनारे पैदल चल रही थीं, तभी रेत से भरे एक ट्रक का चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक सड़क किनारे बने कीचड़युक्त टीले पर चढ़ गया और महिला को टक्कर मार दी। हादसे में भरतम्मा ट्रक के पहियों के नीचे आ गईं, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कंदुकुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

विश्व आयोजन अर्थव्यवस्था सप्ताह का आगाज

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एचआईटीएक्स प्रदर्शनी केंद्र में 12 से 15 जून तक विश्व आयोजन अर्थव्यवस्था सप्ताह 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कार्यक्रम प्रबंधन, पर्यटन, आतिथ्य और रचनात्मक उद्योगों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को एक मंच पर लाने का प्रयास है। आयोजकों के अनुसार, यह अपनी तरह की एक अनूठी पहल है, जिसमें उत्सव आधारित अर्थव्यवस्था, व्यावसायिक आयोजन, पर्यटन, आतिथ्य सेवाएं और रचनात्मक उद्योगों को एकीकृत रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग, नवाचार और व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देना है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष श्रीकांत टीजी ने कहा कि यह मंच आयोजन उद्योग से जुड़े विभिन्न पक्षों को एक साथ लाकर नए अवसरों का सृजन करेगा और व्यापारिक विकास को गति देगा। चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिण भारत विवाह आयोजक सम्मेलन, व्यावसायिक आयोजन सम्मेलन तथा रचनात्मक अर्थव्यवस्था सम्मेलन जैसे प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े संस्थान और कंपनियां भाग लेंगी। आयोजकों का अनुमान है कि कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रदर्शक, एक हजार से अधिक चयनित प्रतिभागी और 70 से अधिक विशेषज्ञ वक्ता हिस्सा लेंगे। आयोजन के दौरान विचार-विमर्श, अनुभव साझा करने और नए व्यावसायिक संपर्क स्थापित करने के अवसर उपलब्ध होंगे।

तेज बारिश और आंधी से गर्मी से राहत, कई जगह जनजीवन प्रभावित

करीमनगर, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को तेज हवाओं के साथ हुई अचानक बारिश से लोगों को भीषण उमस और गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई स्थानों पर जनजीवन भी प्रभावित हुआ। दोपहर बाद हुई बारिश के कारण मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने राहत महसूस की। हालांकि तेज हवाओं के चलते जिले के कई हिस्सों में पेड़ उखड़ गए तथा बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

आंधी के कारण शहर में लगे अनेक फ्लेक्स बोर्ड भी उखड़ गए या क्षतिग्रस्त हो गए। कई स्थानों पर ये बोर्ड बिजली के तारों में फंस गए, जिससे विद्युत आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई।

अचानक हुई भारी वर्षा के चलते कई इलाकों में नालियां और जल निकासी मार्ग भर गए। इससे सड़कों पर पानी जमा हो गया और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव के कारण यातायात की गति धीमी हो गई। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए रखी और आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए।

प्रयोगशाला चिकित्सा में नई तकनीकों पर दो दिवसीय सम्मेलन शुरू

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एसोसिएशन ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एएमबीआई) तेलंगाना का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन शुक्रवार को निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) में शुरू हुआ।

सम्मेलन में विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों, अस्पतालों के विशेषज्ञ, शिक्षक, चिकित्सक और शोधकर्ता भाग ले रहे हैं। एनआईएमएस के जैव रसायन विभाग की ओर से आयोजित एएमबीआई के सातवें राज्य सम्मेलन का विषय 'प्रयोगशाला चिकित्सा में नए आयाम : संपूर्ण प्रयोगशाला स्वचालन और यकृत देखभाल' रखा गया है।

सम्मेलन में प्रयोगशाला चिकित्सा के क्षेत्र में हो रही आधुनिक तकनीकी प्रगति, प्रयोगशालाओं के पूर्ण स्वचालन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग तथा यकृत रोगों के निदान और उपचार से जुड़ी नवीनतम उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी।

उद्घाटन समारोह में एनआईएमएस के निदेशक प्रोफेसर राहुल देवराज ने आधुनिक चिकित्सा व्यवस्था में प्रयोगशाला सेवाओं की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रयोगशालाओं का पूर्ण स्वचालन जांच की सटीकता, गति और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

इस अवसर पर जैव रसायन विभाग की प्रमुख डॉ.एम. नूरजहां, कार्यवाहक अधिष्ठाता प्रोफेसर चंद्रशेखर, कार्यकारी कुलसचिव डॉ. शांति वीर, अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ.एन.एन. श्रीदेवी, वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ.के.एस.एस. साईबाबा सहित विभाग के अन्य चिकित्सक और विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

यदुवंश के संहार की कथा: कैसे डूब गई श्रीकृष्ण की सोने की द्वारका?

महाभारत समाप्त होने के कुछ वर्षों के बाद द्वारका में कुछ अशुभ घटनाएं होने लगी थीं। भगवान श्रीकृष्ण ने देखा कि आकाश, पृथ्वी और अंतरिक्ष में बड़े-बड़े उत्पात-अपशकुन हो रहे हैं, तब उन्होंने सुधर्मा-सभा में उपस्थित सभी यदुवंशियों को उन्होंने बुलाकर द्वारका छोड़कर जाने के लिए कह दिया, क्योंकि श्री कृष्ण को आभास हो गया था गांधारी से मिले श्राप और उनके पुत्र साम्ब को मिले ब्रह्म ऋषियों के श्राप के सच होने का समय आ गया है। श्रीमद्भागवत महापुराण के एकादश स्कन्ध में एक ऐसा ही अचंभित करने वाला प्रसंग है।

यह कथा है श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब के एक छोटे से मज़ाक की, जिसके कारण ऋषियों के भयंकर ब्रह्मशाप का रूप ले लिया। आइए 'धर्म गाथा' श्रृंखला में जानते हैं कैसे साम्ब को मिले श्राप के कारण श्री कृष्ण, बलराम से लेकर पूरी सोने की द्वारिका समुद्र में विलीन हो... गई। श्रीमद्भागवत महापुराण में दी गई कथा के अनुसार, एक बार द्वारका में महर्षि विश्वामित्र, असित, कण्व, दुर्वासा, भृगु और अंगिरा आदि महान ऋषि द्वारका पधारे। श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब ने अपने साथियों के साथ मिलकर ऋषियों की परीक्षा और परिहास करने की सोची। ऐसे में साम्ब को गर्भवती स्त्री के वस्त्र पहना दिए और वह श्रृषियों के पास जा पहुंचा। वहां जाकर उन्होंने ऋषियों से पूछा कि इसके गर्भ से क्या पैदा होगा?.. ऋषियों ने योगबल से इस क्रूर मज़ाक को जान लिया और वह साम्ब पर क्रोधित हुए और इसे श्राप दे दिया कि इसके गर्भ से न तो पुत्र होगा न ही पुत्री.. बल्कि एक ऐसा लोहमय मूसल उत्पन्न होगा, जो तुम्हारे पूरे यदुवंश के विनाश का कारण बनेगा।

ऐसे में घबराए युवकों ने जब साम्ब के शरीर से वस्त्र हटाए, तो सचमुच एक मूसल प्रकट हुआ। तब राजा उग्रसेन के आदेश पर उस मूसल को चूरा-चूरा कर समुद्र में फेंकवा दिया गया, लेकिन उसका एक नुकीला टुकड़ा एक मछली निगल गई और चूरा समुद्र तट पर जमा हो गया। जो आगे चलकर मूसल के चूरे से एरका घास पैदा हुई थी।

वर्षों बाद, जब द्वारका में भयंकर अपशकुन होने लगे, तब श्रीकृष्ण सुधर्मा-सभा में उपस्थित सभी यदुवंशियों से यह बात कही कि द्वारका में बड़े-बड़े भयंकर उत्पात होने लगे हैं। ये साक्षात यमराज की ध्वजा के समान हमारे महान अनिष्ट के सूचक हैं। अब हमें यहां घड़ी-दो-घड़ी भी नहीं ठहरना चाहिए। ऐसे में सभी स्त्रियां, बच्चे और बूढ़े यहां से शंखद्धार क्षेत्र में चल जाएं और हम लोग प्रभास क्षेत्र (सरस्वती नदी के तट) में चलें। वहां स्नान आदि करने के बाद गौ, भूमि, सोना, वस्त्र, हाथी, घोड़े, रथ और घर आदि के द्वारा महात्मा ब्राह्मणों का सत्कार करेंगे। सभी ने श्रीकृष्ण की यह बात सुनकर वहां से चले गए और नौकाओं से समुद्र पार करके रथों द्वारा प्रभास क्षेत्र की यात्रा की।

मदिरा का पान और शुरू हुआ खूनी संघर्ष

जब श्री कृष्ण के आदेश को मानकर सभी लोग मंगल कार्य करने लगे। लेकिन देव ने उनकी बुद्धि हर ली और वे उस 'मैरेयक' नामक मदिरा का पान करने लगे। इसका सेवन करने से सभी की बुद्धि भष्ट्र होने लगी। यहीं मंदिरा पीकर वे लोग क्रोध से भरकर एक-दूसरे पर आक्रमण करने लगे और धनुष-बाण, तलवार, भाले, गदा, तोमर और ऋष्टि आदि अस्त्र-शस्त्रों से वहां समुद्र तट पर ही एक-दूसरे से भिड़ गये। प्रद्युम्न साम्ब से, अक्रूर भोज से, अनिरुद्ध सात्यकि से, सुंदर संग्राम जित से, भगवान श्रीकृष्ण के भाई गद उसी नाम के उनके पुत्र से और सुमित्र सुरथ से युद्ध करने लगे। ये सभी बड़े भयंकर योद्धा थे और क्रोध में भरकर एक-दूसरे का नाश करने पर तुल गये थे।

जब एक साधारण घास बनी 'वज्र'

जब इन सभी के सारे अस्त्र-शस्त्र समाप्त हो गए और धनुष टूट गए, तब उन्होंने समुद्र तट पर उगी हुई 'एरका' नाम की घास उखाड़नी शुरू की, जिसे सरकंडा ,सरपत या मूंज के नाम से जानते हैं। यादवों के हाथों में आते ही ये साधारण से दिखने वाली घास एक जब वज्र के समान हो गई थी। श्रीकृष्ण और बलराम जी के मना करने पर वे उन पर भी टूट पड़े। अंततः, आपसी संघर्ष में पूरा यदुवंश वैसे ही भस्म हो गया।

यदुवंश के संहार के बाद शेषनाग के अवतार बलराम जी ने योग धारण करके अपने शरीर का त्याग कर दिया। वहीं दूसरी ओर भाई के जाने पर श्री कृष्ण ने एक पीपल के वृक्ष के नीचे शांत होकर बैठ गए। उन्होंने अपनी दाहिनी जांघ पर बायां चरण रखा हुआ था।तभी वहां जरा नाम का शिकारी आया। उसने मूसल के उसी बचे हुए नुकीले टुकड़े से अपने बाण की नोक बनाई थी। दूर से प्रभु का लाल तलवा उसे हिरण के मुख जैसा लगा और उसने बाण चला दिया। इसके बाद त्रिदेव के साथ सभी देवताओं के आने के बाद कान्हा बैकुंठ चले गए।

एक पल में समुद्र में डूब गई सोने की द्वारका

दूसरी ओर यदुवंश के विनाश और श्रीकृष्ण के स्वधाम जाने की खबर मिलने पर माता देवकी, रोहिणी और पिता वासुदेव ने भी शोक में अपने प्राण त्याग दिए। इसके बाद अर्जुन ने सभी का पिंड दान किए। इसके बाद जैसे ही बचे हुए बच्चों और स्त्रियों को लेकर द्वारका से बाहर निकले, वैसे ही समुद्र ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य महल को छोड़कर देखते ही देखते पूरी सोने की द्वारका नगरी को जलमग्न कर दिया।

देवताओं और पितरों की कृपा बरसाने वाली ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या?

प्रत्येक मास के कृष्णपक्ष की पंद्रहवीं तिथि अमावस्या कहलाती है। हिंदू धर्म में अमावस्या का संबंध देवी-देवताओं के साथ पितरों से जोड़कर देखा जाता है।धर्म शास्त्र के अनुसार इस अमावस्या का धार्मिक महत्व तब और ज्यादा बढ़ जाता है, जब यह अधिक मास या फिर कहें पुरुषोत्तम मास में पड़ती है। तीन साल में आने वाली अधिक मास की अमावस्या का महत्व क्या है?

ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या की तारीख : 15 जून 2026 (सोमवार)

ज्येष्ठ अधिक अमावस्या तिथि प्रारंभ : 14 जून 2026, रविवार को दोपहर 12:19 बजे

ज्येष्ठ अधिक अमावस्या तिथि समाप्त : 15 जून 2026, सोमवार की सुबह 08:23 बजे

अधिक अमावस्या पर पितरों की पूजा

चंद्रमा की सोलहवीं कला जिसे अमा कहते हैं।अमावस्या की यह पावन तिथि पितरों की पूजा के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण मानी गई है।हिंदू मान्यता के अनुसार जब यह तिथि अधिक मास में पड़ती है तो इसमें पितरों के लिए की जाने वाली पूजा का महत्व कई गुना ज्यादा बढ़ जाता है।मान्यता है कि इस दिन पितरों के लिए पूजा करने पर जहां उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है, वहीं कुंडली में स्थित पितृदोष दूर होत है।ऐसे में ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या पर पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए नीचे बताए गये पूजा के उपाय अवश्य करें।

ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या पर किसी पवित्र नदी पर जाकर स्नान करने के बाद अपने पितरों के लिए विशेष तर्पण करें।यदि गंगा आदि नदी पर न जा पाएं तो घर में नहाने के पानी में गंगाजल और काला तिल मिलाकर स्नान करें।इसके बाद कुशा की पैंती को पहन कर एक तांबे के पात्र में जल, दूध, जौ और काले तिल को मिलाकर दक्षिण दिशा की ओर मुख करके तर्पण करें।

हिंदू मान्यता के अनुसार पीपल के पेड़ पर पितरों का वास माना जाता है, ऐसे में उनका आशीर्वाद पाने के लिए स्नान-ध्यान करने के बाद पीपल की जड़ पर जल चढ़ाएं और संध्या के समय सरसों के तेल का दीया जलाएं।

यदि आप किसी कारण उपर बताए गये उपाय न कर पाएं तो पितरों की मुक्ति के लिए ज्येष्ठ अधिक अमावस्या पर किसी ब्राह्मण को अन्न, वस्त्र, काला तिल आदि का दान करें।

ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या पितरों का तर्पण करने के बाद पंचबलि यानि देवताओं, गाय, कौवा, कुत्ते और चींटियों के लिए भोजन से कुछ हिस्सा जरूर निकालें।मान्यता है कि इन जीवों के लिए निकाला गया अन्न सीधे पितरों तक पहुंचता है और वे तृप्त होकर अपना आशीर्वाद बरसाते हैं।

ज्येष्ठ अधिक अमावस्या पर किन देवताओं की करें पूजा

हिंदू मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ अधिक मास भगवान श्री विष्णु को समर्पित है।ऐसे में ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या पर जगत के पालनहार श्री विष्णु की विशेष उपासना करनी चाहिए।

चूंकि ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या सोमवार के दिन पड़ रही है, इसलिए इसे सोमवती अमावस्या भी कहा जाएगा।हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना करते हुए पीपल की विशेष पूजा करते हुए उनकी परिक्रमा करती हैं।

ज्येष्ठ मास की अमावस्या पर शनि देव की पूजा का भी महत्व माना गया है।ऐसे में कुंडली के शनि दोष को दूर करने और उनके शुभ फल पाने के लिए इस तिथि पर विशेष पूजा करना न भूलें।

अमावस्या तिथि का संबंध माता लक्ष्मी से भी है।ऐसे में धन की देवी को मनाने के लिए मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करते हुए लक्ष्मीअष्टकं का पाठ विशेष रूप से करें।

गुरु की शिष्य को सीख

जीवन में बड़े लक्ष्य पाने के लिए स्वयं को उस लक्ष्य के योग्य बनाना चाहिए

एक दिन आश्रम में एक नया शिष्य आया। उसने देखा कि सभी लोग गुरु का आदर करते हैं। जहां भी गुरु जाते, शिष्य उनके पीछे चलते और उनकी बातों को जीवन में उतारने का प्रयास करते। यह देखकर नए शिष्य के मन में भी ऐसा सम्मान पाने की इच्छा जाग उठी।

कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास गया और बोला, "गुरुदेव, मैं भी आपकी तरह महान गुरु बनना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि मेरे भी अनेक शिष्य हों और लोग मुझे भी उतना ही सम्मान दें जितना आपको देते हैं।"

गुरु मुस्कुराए और बोले, "पुत्र, यह लक्ष्य अच्छा है, लेकिन इसके लिए तुम्हें वर्षों तक अध्ययन करना होगा, अनुभव प्राप्त करना होगा, धैर्य रखना होगा और निरंतर मेहनत करनी होगी। तभी तुम इस योग्य बन पाओगे कि दूसरों का मार्गदर्शन कर सको।"

शिष्य ने अधीरता से पूछा, "लेकिन गुरुदेव, मैं अभी से गुरु क्यों नहीं बन सकता? मैं आज से ही लोगों को ज्ञान देना शुरू कर सकता हूं।"

गुरु ने कोई सीधा उत्तर नहीं दिया। उन्होंने शिष्य को अपने सामने खड़े होने के लिए कहा। फिर स्वयं एक ऊंचे तख्त पर चढ़ गए और बोले, "मुझे इस तख्त से भी ऊपर पहुंचा दो।"

शिष्य आश्चर्यचकित होकर बोला, "गुरुदेव, मैं तो स्वयं नीचे खड़ा हूं। मैं आपको ऊपर कैसे पहुंचा सकता हूं? इसके लिए तो मुझे भी पहले ऊपर आना होगा।"

गुरु हंस पड़े और बोले, "यही तुम्हारे प्रश्न का उत्तर है। जो व्यक्ति स्वयं ऊंचाई पर नहीं पहुंचा, वह दूसरों को ऊंचाई तक नहीं पहुंचा सकता। यदि तुम्हें लोगों का मार्गदर्शन करना है, तो पहले स्वयं को योग्य बनाना होगा। ज्ञान, अनुभव, समझ और चरित्र की ऊंचाई हासिल करनी होगी। तभी लोग तुम्हारी बातों पर विश्वास करेंगे।"

गुरु की बात सुनकर शिष्य को अपनी गलती समझ आ गई। उसने निश्चय किया कि वह जल्दबाजी छोड़कर पहले स्वयं को बेहतर बनाएगा। उस दिन उसे सफलता का सबसे महत्वपूर्ण रहस्य समझ में आ गया, लक्ष्य पाने से पहले खुद को उसके योग्य बनाना जरूरी है।

कथा की सीख- बड़ा लक्ष्य तय करने से पहले खुद को तैयार करें

हर बड़ा लक्ष्य विशेष कौशल और ज्ञान की मांग करता है। यदि हम किसी पद, सफलता या उपलब्धि को पाना चाहते हैं, तो पहले यह समझना होगा कि उसके लिए किन योग्यताओं की आवश्यकता है।

धैर्य सफलता की कुंजी है- अधिकांश लोग तुरंत परिणाम चाहते हैं, लेकिन जीवन में स्थायी सफलता पाने के लिए समय देना पड़ता है। धैर्य हमें सही दिशा में लगातार आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

सीखना कभी बंद न करें- गुरु बनने से पहले ज्ञान अर्जित करना आवश्यक है। इसी तरह जीवन में भी निरंतर सीखते रहना चाहिए। नई जानकारी और अनुभव हमारी क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

खुद उदाहरण बनें- लोग हमारी बातों से अधिक हमारे कार्यों से सीखते हैं। यदि हम दूसरों को प्रेरित करना चाहते हैं तो पहले हमें स्वयं उन मूल्यों का पालन करना होगा, जिनकी हम बात करते हैं।

जल्दबाजी से बचें- बिना तैयारी के बड़े लक्ष्य हासिल करने की कोशिश अक्सर असफलता का कारण बनती है। सही समय का इंतजार और व्यवस्थित तैयारी सफलता की संभावना बढ़ाती है।

आत्ममूल्यांकन करें- समय-समय पर अपनी कमजोरियों और खूबियों का आकलन करें। इससे यह पता चलता है कि लक्ष्य तक पहुंचने के लिए किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

निरंतर मेहनत करें

कोई भी उपलब्धि एक दिन में नहीं मिलती। छोटी-छोटी कोशिशें समय के साथ बड़े परिणाम देती हैं। इसलिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है।

यह कथा हमें सीख देती है कि जीवन में किसी भी ऊंचाई तक पहुंचने के लिए पहले स्वयं को उस ऊंचाई के योग्य बनाना पड़ता है। पर्याप्त जानकारी, धैर्य, निरंतर सीखने की इच्छा और कड़ी मेहनत, ये गुण किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने की मजबूत नींव बनाते हैं। जब हम खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान देते हैं, तब सफलता स्वाभाविक रूप से हमारे पास आने लगती है।

आपके खाने में तेल अधिक है तो यह गरीबी की निशानी

जानें अमीर और गरीब के भोजन में क्या अंतर होता है

किसी के खाने में तेल जरूरत से ज्यादा तो किसी के भोजन में न के बराबर तेल। यह केवल खाना खाने का तरीका और अलग-अलग स्वाद नहीं है। हम किस प्रकार का भोजन खाते और पकाते हैं यह हमारे जीवनस्तर को भी दर्शाता है। महाभारत काल के महान नीतिकार महात्मा विदुर ने अपनी नीतियों में बताया है कि अमीर, मध्यम और गरीब लोगों के खाने में क्या अंतर होता है।

भोजन हमारे शरीर के लिए अत्यंत आवश्यक है। लेकिन इसके साथ ही भोजन करने का तरीका हमारे जीवनस्तर को भी दर्शाता है। महाभारत में जीवन के कई पहलुओं के बारे में बताया गया है। जिनमें से एक गरीब, मध्यम और अमीर लोगों के भोजन के बीच का अंतर है। महाभारत काल के महान नीतिकार महात्मा विदुर की एक नीति के अनुसार, हम जिस तरह अपना खाना पकाते और खाते हैं वह हमारे जीवनस्तर को दर्शाता है। आपने देखा होगा की कई लोगों के खाने में अत्यधिक तेल दिखता है और कुछ लोगों के भोजन में बिल्कुल न के बराबर तेल नजर आता है। यह भी हमारे जीवनस्तर को दिखाता है। आइए विस्तार से जानें कि आखिर अमीर और गरीब के भोजन में क्या अंतर होता है।

विदुर की एक नीति के अनुसार, जिन लोगों के पास अत्यधिक पैसा होता है और साथ ही, उन्हें अपने धन पर अहंकार होता है। उन लोगों के भोजन में मांसाहार सबसे ज्यादा देखने को मिलता है। ये लोग हमेशा अपने भोजन में मांसाहार चीजों को ही शामिल करते हैं।

मध्यम वर्ग के लोगों का भोजन

विदुर ने इस श्लोक में राजा धृतराष्ट्र से यह भी बताया है कि मध्यम वर्ग के लोग कैसा भोजन करते हैं। वह कहते हैं कि मध्यम श्रेणी वाले लोगों भोजन में गोरस यानी दूध से बनी चीजों की अधिकता होती है। ये लोग दही, मक्खन से बनी चीजों का प्रयोग अपने खाने में ज्यादा करते हैं।

निर्धन लोगों का भोजन

इसी श्लोक में निर्धन लोगों की बात करते हुए विदुर कहते हैं कि जो लोग निर्धन यानी गरीब होते हैं उनके भोजन में तेल की मात्रा अधिक देखी जाती है। ये लोग भोजन पकाते समय उसमें अधिक स्वाद लाने के लिए तेल और मसालों का अधिक प्रयोग करते हैं। यही कारण है की इनके खाने में ज्यादा तेल देखने को मिलता है।

गरीब हमेशा करते हैं स्वादिष्ट भोजन

इस श्लोक में विदुर ने बताया है कि गरीब व्यक्ति हमेशा स्वादिष्ट ही भोजन करते हैं। इसके पीछे की वजह है कि जब एक गरीब को भूख लगती है, तो उसे हर भोजन स्वादिष्ट ही लगता है। यानी उसकी भूख ही हर भोजन में स्वाद उत्पन्न कर देती है। विदुर नीती में इस स्वाद को धनियों के लिए सर्वथा दुर्लभ बताया गया है क्योंकि, धनवान लोगों के पास उतनी भूख नहीं होती है कि वे स्वादिष्ट भोजन खा पाएं। साथ ही, धन कमाने के चक्कर में भी इतने व्यस्त रहते हैं कि व्यस्तता के चलते खाने का ठीक तरीके से आनंद भी नहीं ले पाते हैं।

अगर दिखें ये सपने तो तुरंत न खोलें राज, स्वप्न शास्त्र में है बड़ा संकेत

हम सभी सपने देखते हैं। कुछ सपने ऐसे होते हैं जिन्हें हम सुबह उठते ही भूल जाते हैं, जबकि कुछ सपने हमारे मन में लंबे समय तक बने रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वप्न शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं में कुछ ऐसे सपनों का भी उल्लेख मिलता है, जिन्हें बेहद शुभ और विशेष माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसे सपने भविष्य में मिलने वाले धन, सफलता, पद-प्रतिष्ठा या जीवन में आने वाले बड़े बदलावों का संकेत हो सकते हैं।

देवी-देवताओं के दर्शन

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को भगवान, देवी-देवता या किसी पवित्र मंदिर के दर्शन होते हैं तो इसे बेहद ही शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यह सपना आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ा माना जाता है और आपके जीवन में आने वाली सकारात्मक घटनाओं, मनोकामना पूर्ति और ईश्वरीय कृपा का संकेत देता है। कहा जाता है कि ऐसे सपनों को हर किसी से साझा नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे मिलने वाला शुभ फल प्रभावित हो सकता है।

माता-पिता के हाथों से पानी पीते हुए देखना

मान्यताओं के अनुसार यदि कोई जातक सपने में खुद को माता-पिता के हाथ से पानी पीते हुए देखे तो यह सपना बहुत ही अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि यह सपना आपके करियर और सामाजिक प्रतिष्ठा की ओर संकेत करता है। कहते हैं कि यह सपना दर्शाता है कि जल्द ही आपको जीवन में तरक्की मिलने वाली है और आने वाले समय में आपकी प्रतिष्ठा और सम्मान में वृद्धि हो सकती है। ऐसे में कहा जाता है कि इन सपनों को किसी से भी साझा नहीं करना चाहिए।

गाय के दर्शन

यदि किसी को सपने में गाय के दर्शन हो तो माना जाता है कि ये आपके जीवन में तरक्की के आने और सभी प्रकार की परेशानियों के समापन की ओर इशारा करता है। ऐसे में यदि ऐसा सपना आए तो उसे गुप्त बनाकर रखना ही बेहतर माना जाता है।

खुद को मृत देखना

यदि कोई जातक सपने में खुद को मृत देखता है तो पहली नज़र में तो यह डरावना लग सकता है लेकिन स्वप्न शास्त्र के अनुसार खुद को मृत अवस्था में देखना शुभ संकेत माना जाता है। कहते हैं कि यह सपना आपकी आयु वृद्धि, पुरानी बीमारी से मुक्ति और अटके हुए कार्यों के पूरे होने की ओर संकेत करता है। ऐसे में कोशिश करें कि ऐसा सपना आने पर किसी के भी साथ शेयर न करें।

अगर चाहते हैं खुशहाल शादीशुदा जीवन, तो जानें प्रेमानंद जी की सीख

जब भी शादी की बात चलती है, तो लड़का या लड़की के मन में एक ही सवाल आता है कि हमें अपने लिए कैसा जीवनसाथी चुनना चाहिए या उसके अंदर कौन से ऐसे गुण देखने चाहिए, जिससे शादीशुदा जीवन में खुशहाली और मधुरता बनी रहे। जहां आज कल के रिश्ते एक पल में बनते और बिगड़ते हैं, वही शादीशुदा जीवन को बैलेंस रखना या साथी के साथ अच्छा संबंध बनाएं रखना एक बहुत बड़ी चुनौती बन गई है। कई बार लोग बिना सोचे-समझे या बिना एक-दूसरे को जाने-पहचाने एक गलत साथी चुन लेते हैं, जिनका परिणाम शादी के बाद देखने को मिलता है। यदि आप भी अपनी शादीशुदा जीवन को सुखमय और खुशहाल बनाना चाहते हैं, तो वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज के विचार आपके जीवन की दिशा बदल सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि प्रेमानंद जी महाराज ने कौन-कौन से गुण बताए हैं, जो एक अच्छे जीवनसाथी में होने चाहिए।

प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज जी के अनुसार, किसी से भी शादी करने से पहले उसके चरित्र के बारे में अच्छे से जान लें। आज कल लोग बाहरी सुंदरता देखकर ही शादी करने का फैसला ले लेते हैं, जब कि उसके बारे में कुछ ज्यादा जानकारी नहीं होती है, कि उसका आचरण, दूसरों से बात करने का तरीका कैसा है। यह सब जानना बहुत जरूरी होता है, ताकि शादी के बाद उसके व्यवहार से शादीशुदा जीवन में बुरा प्रभाव न पड़े।

प्रसिद्ध संत प्रेमानंद जी महाराज जी के अनुसार, जो व्यक्ति नशा जैसी बुरी आदत या गलत संगत से दूर रहता है और अपने जीवन को साधारण तरीके से जीना पसंद करता है। वह एक अच्छा जीवनसाथी बन सकता है। वहीं, जिस व्यक्ति को नशा करना या गलत संगत में रहना जैसी बुरी आदतें छोटी लगती है, ऐसे व्यक्ति से कभी भी शादी नहीं करनी चाहिए। इन्हीं बुरी आदतों की वजह से इंसान का स्वभाव दिन-प्रतिदिन खराब होता जाता है और इस तरह के व्यक्ति जल्दी सुधरते भी नहीं है।

दुनिया में कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता। महाराज जी के अनुसार, शादी का मतलब सिर्फ खूबियों से प्यार करना नहीं, बल्कि एक-दूसरे की कमियों को अपनाना भी है। यदि आपके पार्टनर से कोई गलती हो जाए या उनमें कोई ऐसी आदत हो जो आपको पसंद न हो, तो सबके सामने उनका उपहास न उड़ाएं। एकांत में बैठकर, शांत मन से और प्रेमपूर्वक बात करें। कमियां निकालने के बजाय एक-दूसरे की ताकत बनें।

प्रकृति का वरदान हैं वन

अतुल कुमार

हर वर्ष की भांति बीती 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया गया . पर्यावरण के अर्थ में केवल वृक्षारोपण को फोटो सेशन के रूप में आयोजित किया गया . वन ,पर्वत ,जल ,भू और आकाश भी पर्यावरण का भाग हैं लेकिन इसे कहीं बताया नहीं गया . क्या वनों को भुलाया और उपेक्षित नहीं किया जा रहा ? यह विचारणीय विषय है .जिन वनों को प्रकृति के फेफडे (लंग्स) माना गया उनकी महत्ता पर कोई चर्चा नहीं होती . जबकि वन संस्कृति है , वन जीवन है और वन ज़िंदगी से जुडे कई स्रोतों का माध्यम है . वो खो रहे है या लुप्त हो रहे हैं .जंगल का मतलब है शेर ,चीता ,भालू , हाथी , सिंह और अनेक प्रजाति के वन्य जीव जंतु तथा चिडियां आदि .लेकिन आज यह बाल कथाओं या कविताओं के विषय बन रह गये हैं . वन मिट्टी की गुणवत्ता बनाये रखने और कटाव को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियां वनों में उत्पन्न सैकडों प्रकार की जडी – बूटियों पर आधारित हैं . वनों के महत्व पर किसी ने खूब कहा " वन जीवन रक्षक हैं , उनका संरक्षण भविष्य की सुरक्षा है ".

वन पृथ्वी के सबसे प्रमुख मूल में एक हैं जो लाखों जीव –जंतुओं को आश्रय प्रदान करते हैं . जैव विविधता (बायोडायवर्सिटी) को बनाये रखते हैं . उल्लेखनीय है कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति का उद्भव वनों में ही हुआ . शास्त्रानुसार ऋषियों –मुनियों के आश्रम इन्हीं वनों में होते जिन्हें भारतीय संस्कृति में पवित्र और ज्ञान के केंद्र के रूप में माना गया . वनों को आध्यात्मिक नैतिक और परिवर्तनकारी स्थल माना गया . रामायण में राम ,सीता और लक्ष्मण का वनवास महत्वपूर्ण है . क्यों कि यह सादगी ,संयम और सह – अस्तित्व की यात्रा है . आध्यात्मिक महाकाव्यों का संदेश स्पष्ट है मनुष्य ,पशु वन और पंच तत्व सभी ब्रह्मांडीय व्यवस्था से परस्पर जुडे हैं .

वनों को पर्यावरण का संरक्षक माना गया .प्राचीन काल में ऋषियों और महर्षियों के आश्रम वनों में होते जहां एकांत में रह वेदों उपनिषदों और आत्म ज्ञान की खोज की गयी . शास्त्रानुसार भगवान राम सीता और लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों के वनवास के दौरान भटक रहे थे तब वह दंडकारण्य (घने जंगल) में स्थित मतंग मुनि के आश्रम पहुंचे जहां उनकी अनन्य भक्त शबरी रहती थी . जो भगवान की प्रतीक्षा कर रही थी जब प्रभु राम उनकी कुटिया में आये तो उनके स्वागत में अपने जूठे बेर भगवान को अर्पित किये इस पर लक्ष्मण ने संकोच किया लेकिन राम ने बिना किसी भेद भाव के बडे प्रेम और आनंद के साथ उन बेरों को खाया . यह प्रसंग बताता है कि जंगल या वन भौतिक अमीरी गरीबी नहीं बल्कि शुद्ध प्रेम और ह्रदय की पवित्रता को देखते हैं .

वनों को तपोस्थली माना गया . वन गमन के दौरान भगवान राम ने समाज के सभी वर्गों – जैसे वनवासियों ,आदिवासियों और ऋषियों को संगठित किया और उन्हें आदर्श और मर्यादा का पाठ पढाया .वन में सामाजिक समरसता के सबसे बडे प्रचारक प्रभु राम हैं . जिन्होंने अपने वनवास को मनुष्य मित्र के रूप में स्थापित किया . पर्यावरण का सम्मान और संरक्षण भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है .

वन ,वृक्ष ,और जल प्रकृति की रीढ की हड्डी के समान हैं प्रसिद्ध कवि और ग़ज़लकार सूर्यभानु गुप्त ने " पानी " के महत्व पर लिखी कविता में खूब लिखा " दुनिया में नहीं मुमकिन पानी के बिना जीना / दुनिया के लिये जैसे हो मां की दुआ / पानी न मिला जिस दिन रोएगी लहू दुनिया /हर सिम्त से उट्ठेगी बस एक सदा पानी //

वन , वायु और पानी को केवल संसाधन के रूप में नहीं बल्कि ईश्वरीय विस्तार के रूप में देखा गया . महान कवि कालिदास द्वारा रचित " अभिज्ञान शाकुंतलम " की रचना एक वन (ऋण्व मुनि के आश्रम) में हुई थी .मनोविज्ञान और समाज में वन प्रेम का एक रूप यह भी है कि लोग प्रकृति विशेषकर पेडों से अधिक भावनात्मक लगाव रखते हैं . अतः वह " फारेस्ट लवर " कहे जाने पर हर्ष का अनुभव करते हैं . वनों के झाडों की जडें पानी को ज़मीन के अंदर सोखने में मदद करती हैं जिससे भू जल स्तर बढ सके . जंगल मूल्यवान जडी – बूटियों ,इमारती लकडी ,शहद लाख और गोंद का भंडार होते हैं . तुलसी ,गिलोय और अश्व गंधा जैसी जडी बूटियां वनों से ही प्राप्त होती हैं .जिससे असाध्य रोगों का इलाज होता है . भगवान दत्तात्रेय ने पंच महाभूत पृथ्वी ,जल , तेज वायु और आकाश को अपना गुरु बनाया . जो उनके प्रकृति प्रेम को उजागर करता है . एक अध्ययन के अनुसार दुनिया की 36% जन संख्या अपनी आजीविका के लिये वनों पर आश्रित हैं .

प्राकृतिक आपदाओं बाढ ,और अकाल को रोकने के लिये जंगल कवच का काम करते हैं . वनों के कारण बारिश होती है . जीवन दायिनी आक्सीजन का यह सबसे बडा स्रोत हैं . जंगल की महिमा पर प्रसिद्ध एनिमेटेड सीरीयल " द जंगल बुक " के लोकप्रिय शीर्षक गीत " जंगल –जंगल बात चली है ,पता चला है अरे चड्डी पहन के फूल खिला है " के मधुर भाव को लोग भूले नहीं हैं.

प्राचीन संस्कृति में वनों की महत्ता को इसी से समझा जा सकता है कि जीवन की चार अवस्थाओं में से एक " वानप्रस्थ " (जंगल माना गया) जो इसी का हिस्सा था राजा – महाराजा अपने सत्ता मोह को त्याग वनों में जा ज्ञान और शांति की तलाश करते थे .वैज्ञानिकों के अनुसार वन महज़ पेडों का समूह नहीं बल्कि यह जीवित तंत्र है यदि कोई छोटा पौधा छाया में है तो बडे पेड उसे अपनी जडों के माध्यम से भोजन और ऊर्जा भेजते हैं.वन न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं बल्कि ये रोज़गार का बडा माध्यम हैं जिससे टूरिस्म को बढावा मिलता है . लोग जंगलों की खूबसूरती को देखने दूर – दूर से आते हैं और नेचर के मनोरम रूप को देखने का आनंद लेते हैं .

लेकिन आज बेरहमी से पेडों की कटाई हो रही है जिससे वन लुप्त हो रहे है . इनको बचाये रखने के कोई प्रयास दिखायी नहीं देते . मौसम का संतुलन गड्बडा रहा है जिससे कभी गर्मी , बेमौसम सर्दी और बारिश हो रही है सूखा और बाढ जैसी समस्याएं आ रही हैं क्यों कि जंगल उजड रहे हैं . जिसे बचाना होगा . बक्षी साहब ने यूं ही नही लिखा " मैं जहां चला जाऊं बहार चली आये और महक जाए राहों की धूल / मैं बन फूल ,बैरी बडा ज़माना , कदर मेरी न जाना ,किसी की आंखों ने मुझे नहीं पहचाना ,दुनिया गई मुझको भूल मैं बन फूल बन का फूल //

काव्य कुंज

गाँव के पेड़ों की छाँव

गाँव के पेड़ो की छाँव,
नानी दादी की धीमी बात,
बोझिल पलों के माथे पर
रख देती स्नेहिल हाथ।
दोपहरी जब तप जाती ,
धरती अंगारे बोती,
पीपल की शीतल बाँहों में
हवा चुपचाप सोती ।
उसकी शाखों पर बैठ-बैठ
गौरैयाँ गीत सुनाती ,
सूने मन की पगडंडी पर
मुस्कानों के फूल उगाती ।
कितने सावन, पतझर
उसने चुपचाप देखे ,
बच्चों के सपनों से लेकर
बूढ़ों के दुःख सहे ।
कहीं चौपाल बिछी ,
वहीं हँसी के मेले ,
सौंधी सी मिट्टी में तब
विश्वास के दीप अकेले ।
अब भी यादों की चिड़िया
मन की देहरी पर आती ,
गाँव के पीपल की छाँव
धीरे-धीरे मुस्काती ।
लगता जैसे समय कहीं
उसके नीचे ठहरा होगा,
कोई भूला-बिसरा अपना
अब भी मेरा चेहरा होगा।
गाँव के पेड़ की छाँव
सिर्फ़ एक पेड़ नहीं ,
यह तो सदियों की धड़कन,
जो कभी धीमी नहीं होती।

संजीव ठाकुर, रायपुर

नवगीत

जिंदगी में हर चाहत राहत नहीं है
मृगतृष्णा सुखद लगता है
जी, आया नू वाह वाह फब्दा है
आंखें खोली शून्य
साबत नहीं है
नेकेड आईस से देखा
शून्य
हाथ बाती कुएं में
शून्य
रेगिस्तान मृग दौड़ता है
अमृत पावत नहीं है
बेचैन बिना लक्ष्य दौड़ता है
चीखता चिल्लाता पांव पटकता है
मुंगेरी सपने
अंततः चूर घरवास नहीं है।

दर्शन सिंह
हैदराबाद

कभी पोस्ट पर तुम ना आते हो

मैसेंजर में छलांग क्यूं लगाते हो,
मां-बाप के दिए संस्कारों पे भी तुम
बेवजह ही ऊंगली उठवाते हो ॥
थोड़ी शर्म तो कर लो यार
हैं जीवन के बस दिन ही चार,
क्यूं करते तुम हैवानियत
मां-बाप की लाज तो रख लो यार ॥
पहले दीवार की मजबूती देख
तब कहीं जाकर पत्थर फेंक,
हर दीवार कांच की नहीं होती
सो,स्वयं बना ले खुद की रेख ॥
बेवजह ही गाली खाते हो
तुम फिर भी ना शर्माते हो,
सब बेच दिए तूने संस्कार
तनिक ना आए तुमको लाज ॥
मिलता तुम्हें घर में मान नहीं
है तेरी कोई पहचान नहीं,
स्वाभिमान नहीं तेरे भीतर
बेशर्मी से तुम जीते हो ॥
तुम तो हो बस एक मछुआरे
देख मीन को जाल बिछाते हो,
कुछ मीन भी होते अजगर से
तुम जैसों को निगल ही जाते हैं।।
ना उम्र की लाज रही तुमको
ना मर्यादा का कोई भान है,
औरों के जीवन में झांकना
इतना ही बस तेरा काम है ॥
सब होते नहीं तेरे जैसे
समझाऊं बात तुम्हें कैसे,
इसलिए जवाब ना देती हूं
सीधे तुझे ब्लॉक ही करती हूं ॥

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

बालश्रम

जिन नन्हें हाथों में
होनी चाहिए क़िताबें अक्सर,
उन कंधों पर
डालते हो बाल मजदूरी का कहर,
गरीब बच्चों को दुकानों
घरों में काम पर रखकर,
क्यों भर देते हो मासूम जिंदगी में क्रूरता का जहर ।
तोड़ रही उस बचपन को न जाने कितनी मजबूरियाँ,
तुमने श्रमिक बना छीन ली उस जीवन से खुबियाँ,
जहाँ गूँजनी चाहिए हँसी विरान वो ₹आनंद₹ गलियाँ,
परिवार पैसा पोषण हर तरफ केवल खड़ी चुनौतियाँ ।
मजबूरी का फायदा उठा कमाना चाहते तुम मुनाफा,
ईश ने लिख दिया तुम्हारे नाम दुःखों का लिफाफा,
बालश्रम अपराध ही नहीं बालहत्या कष्ट चौतरफ़ा,
भोले मन की आह से हर सुख हो जाता रफा-दफा ।
जिंदगी न जाने कब करदे अपना इंसाफ पलटवार,
मत करो लोभ में पड़ बाल बचपन पर अत्याचार,
जब जीवन इंसानियत को छोड़ करता है व्यापार,
कड़क हो जाता न चाहते हुए भी प्रेममय व्यहवार ।
मुहिम जगा मुस्कान लाओं बालश्रम का हो विरोध,
गरीब बालकों की शिक्षा में सहयोग करें हैं अनुरोध,
उज्जवल भविष्य रहे देश का ताकतवर निर्विरोध,
गरीब बच्चों की शिक्षा स्वास्थ्य पर न आएं अवरोध ।

मोनिका डागा,
चेन्नई

प्रेरणास्त्रोत विद्यागुरू को कोटि-कोटि नमन !

कल तक जो थे भगवान सरीखे ,
अब शैतान कहला रहे हैं ,
रावण सारे बन गये गुरू और
गुरू रावण कहला रहे हैं ।।
जब मुफ़्त में बच्चे पढ़ते हैं तो,
दिल पे साँप लोट जाता है ,
तुम्हारी कोचिंग 7 स्टार पर,
झाँकने कुत्ता भी नहीं आता है ,
जर्दा-गुटका खाने वाले तुम ,
क्या जानो शिक्षक की इज़्ज़त ?
तूफान भले हो मुश्किल चिराग़,अपना प्रभाव दिखा जाता है ,
एफ आई आर कर हँसने वालों,अब तुमको सब टहला रहे हैं
कल तक जो थे भगवान सरीखे , अब शैतान कहला रहे हैं
रावण सारे बन गये गुरू और गुरू रावण कहला रहे हैं।।
जो आये गिरफ्तार करने ,सुनो , वे भी उनके ही शिष्य निकले,
अग्निशमन की जाँच-पूछताछ करनेवाले , वे भी शिष्य निकले,
सब कहते हैं कोचिंग बंद करो, तुम माफिया के भी सरगना हो?
उसी दो कौड़ी के शिक्षक से तुम , दो करोड़ की माँग रखते हो?
किसी को शर्म नहीं आती ?
भरोसा हमको संविधान पे, सब करोड़ों की रेस लगा रहे हैं,
कल तक जो थे भगवान सरीखे, अब शैतान कहला रहे हैं,
रावण सारे बन गये गुरू और गुरू रावण कहला रहे हैं।।
जाति धर्म से ऊपर उठके शिक्षक,अपना हर फ़र्ज़ निभाता है,
शिष्यों के दुःख से हो के दुःखी वह,बेड़ा पार करा जाता है,
उपलब्धियों पर शिष्यों की सीना, चौड़ाकर शाबाशी देता है,
गुरुदक्षिणा मिठाई का डब्बा , आशीर्वाद न्योच्छावर करता है ,
ये मूर्ख , सूरज लेकर चलने वाले को , अंधकार बतला रहे हैं
कल तक जो थे भगवान सरीखे , अब शैतान कहला रहे हैं ,
रावण सारे बन गये गुरू और गुरू रावण कहला रहे हैं।।
कल तक जो था तुम्हारा शिक्षक,आजवह आतंकवादी हो गया?
वाह रे वाहआज की मीडिया, वह मुसलमान, जिहादी हो गया?
जिस बेटे को मिलना था पद्मश्री, तुम उसको गद्दार कहते हो?
मर गयी मति तुम्हारी शिक्षक को,दो कौड़ी का अय्यार कहते हो?
सज़ा ईश्वर को देने चले जो , बजा के डफली बहला रहे हैं ,
कल तक जो थे भगवान सरीखे , अब शैतान कहला रहे हैं ,
रावण सारे बन गये गुरू और गुरू रावण कहला रहे हैं।।
मीडिया हो पर नीति देशद्रोही, तुम क्या किस्मत लिखोगे देश की?
तुम बस चाटुकारिता करते हो , तुम्हें क्या फ़िक्र है अपने देश की?
मीडिया को यह नहीं पता कि --
जिस ओर जवानी चलती है , उस ओर जमाना चलता है ,
है एक एक छात्र तुमपर भारी ,जो छतरी लेकर चलता है ।।
शर्म करो --
एक योग्य शिक्षक को ये बेगैरत , काँटों का हार पहना रहे हैं ,
कल तक जो थे भगवान सरीखे , अब शैतान कहला रहे हैं ,
रावण सारे बन गये गुरू और गुरू रावण कहला रहे हैं।।
भ्रष्टाचार पर प्रश्न करो , जहाँ जंगल राज , वहाँ ऊँगली उठाओ?
जो बेच रहे हैं , देश को अपने , उनके हाथों हथकड़ी लगाओ?
हिम्मत है तो आगे बढ़कर , मुद्दा आरक्षण का तुरंत हटवाओ?
शिक्षा के क्षेत्र के भ्रष्टाचार को,चलो अभी कुचलकर दिखलाओ?
जो जला रहे शिक्षा का दीपक , प्रकाश उसका ही धुँधला रहे हैं ,
कल तक जो थे भगवान सरीखे , अब शैतान कहला रहे हैं ,
रावण सारे बन गये गुरू और गुरू रावण कहला रहे हैं।।

कुमुद बाला,
हैदराबाद

बाबूऽ

सीधे सरल लोगों से भरी,
ये प्रजाति कुछ अलग ही है
आम जनता का काम अटकाने मे,
ग्राहक को फंसाने में,
दफ्तर के बाबू की महिमा भारी है
फाइल को हिलाने में,
अफसर से मिलवाने में,
वजन देने की बारी है
दफ्तरों के चक्कर लगवाने में,
आम आदमी को परेशान करने में,
दफ्तर के बाबू आज्ञाकारी है
संभव को असंभव करने में,
आसान और मुश्किल करने में,
बाबू के तेवर भारी है
बाबू के तेवर भारी है ।

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

पीहर की यादें

बेटी की जब शादी हो गई,
पीहर से अब बेटी पराई।
चली तो गई पीहर से,
पर पीहर को कभी भुला न पाई।।
कैसा अपनापन था घर में,
स्वच्छंद घूमते फिरते थे,
कैसा बीता सारा दिन माँ को बताए बिन न रहते थे,
जो भी चाहिए बेझिझक, बाबुल से फरमाइश करते थे,
इक्कल दुक्कल, भाई बहनों के संग खेला करते थे,
शादी होते ही पराए हो गए, पीहर की याद दिल में दबाई।
चली तो गई पीहर से पर, पीहर को कभी भुला न पाई।।
पीहर की हर गली अपनी, पीहर का हर शख्स अपना,
ससुराल में रहते हैं पर नींद में दिखे पीहर का सपना,
सावन के झूले,मेले, कभी बागों में पेड़ों पर लटकना,
अब याद सिवा कुछ न अपना,यादों के घूंट पीके रहना,
अनगिनत यादों की तिजोरी, पीहर की सुंदर कमाई।
चली तो गई पीहर से पर, पीहर को कभी भुला न पाई।।

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दर्द

कभी मन उदास हो जाये तो
कुछ देर तक आंख बंद कर ले
ओर कर ले अपने मन को शांत
दर्द को सहना ओर लडना ही जिंदगी है
भूल जाओ अपने दर्द - ए - गम को
हालातो से लडना ही जिंदगी है
आंसू बहाने से मुश्किले आसान नही होती
मुश्किलो से ही हमे सबक मिलता
फिर ना करना कभी गलतियाँ
समय रहे तक काम पूरा कर लेना
काम को कभी आधा ना छोडना
नही तो मन उदास और दुखी हो जाता ।।

टी तारासिंह
हैदराबाद

इस सृष्टि का श्रृंगार करो

रोक अरे मानव तू अब,
अपनी लिप्सा के शर को
रोक प्रलय की आंधी
अभय दान दो जीवन को ।।
घायल हुआ हिमालय आज,
तेरे प्रचंड प्रहारों से
बिंधा हुआ धरती का अंतर
तेरे तीखे तीरों से ।।
ये नंगे शिखर विवश हैं,
वन का अंचल खोकर
राह वसंती भूल गई है
ठूठों का जंगल पाकर ।।
पतझड़ का भी पता नहीं,
हवाएं सिहर उठी हैं
रोते हैं वे सब वन पांखी
अब जिनके नीड़ नहीं हैं ।।
मीन मकर भी सिसक रहे हैं,
गंगा की गंदली गोदी में
जल विषाक्त से घिरे पड़े
ये शुक्ति और शैवाल अरे ।।
गहन विवर्त्त में पड़ा हुआ,
देखो वो व्योम विकल है
प्रदूषण की विषम दशा से
ग्रहों के भी नैन सजल हैं ।।
ताल जो लगता था कभी,
चंदा के दर्पण जैसा
दिखता है वह आज अरे
कीचड़ के आयन जैसा ।।
खो गई ओस की आभा,
सूखे पत्तों के द्वार
देखो खोज रही हैं कलियाँ
अपना वह हीरक हार ।।
बंद करो विध्वंस राग ये,
इस सृष्टि का श्रृंगार करो
इस और और की तृष्णा का...
त्याग करो..बस त्याग करो ।।

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

महासागर

ब्रह्मा के सागर की
अशांत तरंगों में
तुम अपनी ही छवि देखते हो।
स्वयं उस सागर में,
तुम्हें होना ही था विशाल और शांत ।
अनंत परमानंद में,
खोजने की लालसा,
भागने और समझने की
यात्राओं के शाश्वत बंधन में ।
एक डोलती हुई यात्रा में
जो अपनों द्वारा चुनी गई
विश्वास के साथ,
किसी दिन तुम
बन जाओगे-
उस महासागर के साथ एक,
जिसने तुम्हें जन्म दिया।

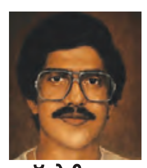

डॉ. देबी प्रसाद
आचार्य

जल से जीवन है

सब पर भारी , ये भीषण गर्मी
जल को तरसे पशु - पक्षी
' प्याऊ ' न दिखाई देते
लोग भूल गए , पानी पिलाना ।
ये फल है , लोभ भरे मन का
प्रकृति के विदोहन का
जल से जीवन है
ये प्रकृति की देन है ।
ऊर्जा की रक्षा , हमारी सुरक्षा
पेड़ लगाएं , जीवन बचाएं
हर दिल में आस की दीप जलाएं ।

गजानन पाण्डेय

साँवरे! कहाँ गया

यमुना किनारे तेरा गाँव,
साँवरे !कहाँ गया ?।
अरे !कहाँ गया मेरा श्याम,
साँवरे !कहाँ गया ?।।
बाबा नंद खोजते फिरते,
संग मातु जशोदा।
राधा के आँसू कब सूखे,
जाय कदम्ब खोदा।
गैया बछड़े सभी पुकारे,
साँवरे !कहाँ गया।।
आज बाँसुरी मौन पड़ी है,
मधुवन है वेहाल।
सभी गोपियाँ विरह-दग्ध है,
राखे कौन सँभाल।
शरद-पूर्णिमा हिचकी लेती,
साँवरे ! कहाँ गया ?।।
आज दुखी यमुना का तट हैं,
संग है कालिंदी ।
पशु पक्षी भी व्याकुल से है,
दुखी नभ की बिंदी।
माखन की मटकी रोती है,
मन में रखे मलाल।
सांवरे !कहां गया ?।।
माखन-चोर कहे जग सारा,
पर तू है चित-चोर।
हर लीने मनमोहन ने सब,
कोयल,मैना, मोर।
मोर मुकुट पीताम्बर धारे,
साँवरे !कहाँ गया ?।।
सबके मन में बसा हुआ है,
भाव तरल हुआ है।
मन में प्रेम रूप सरसाता,
श्याम सरल हुआ है,
कान्हा है मन संग यमुना के,
कान्हा कहाँ गया ?।

राज किशोर
ग्वालियर

स्नेह बन कर आना तुम

शक्ति, स्नेह और साहस बन
भीतर मन के तुम उमड़ आना,
नवल हर्ष नवीन गीत बन
तुम जीवन मेरा मधुर बना जाना ।
नव रंग भरे , नव राह एक
उमंग अनेक , जीवन में मेरे
फिर से उत्साह, तुम जगा जाना ,
स्तब्ध पड़ चुके मेरे रूप को
जीवंत तुम फिर से बना जाना ।
स्नेह आशीष बन , मन में तुम छा जाना
मेरे हर पूजा और प्रार्थनाओं में तुम ,
एक आशीर्वाद बन , फिर आ जाना
मेरी हर प्रार्थनाएं गूंजेगी नभ पर
तुम आस्थाओं से मिलने, स्वयंम ही आ जाना।
मेरे किताबों के हर पन्नों में तुम
अक्छर बन उभर आना ,
मेरी कविताओं की लय बन तुम
उसे मोतियों सा पिरों जाना ।
मेरे चेहरे मुस्कान बन
मेरे ललाट की बिंदी में तुम
तेज़ बन उभर आना ,
मेरी उलझी लटों को तुम
खिलें फूलों से सजा जाना ।।

अमृता,
पश्चिम बंगाल

बूंद छिपी किस बादल में

बादलों के घूंघट में
छिपी नन्ही नन्ही बूंदों ने,
बड़े प्यार से पुकारा,
नींद से जगाया,
नन्हे नन्हे तृणमूल को
स्नेह से दुलराया और कहा,
मालूम है हमें,
तुम सबको इंतजार है हमारा,
तुम सब बेताब हो, भीषण गर्मी से जारजार हो,
पर नियति के रहस्य के आगे नतमस्तक हैं हम,
न जाने किस समय पर आजाद होंगे हम,
और एक एक कर तुमसे मिलेंगे हम।
न जाने किन बादलों में छिपी है बूंदें,
न जाने किन पुतलियों और पलकों के प्यालों में,
दबी छिपी हैं, आंसुओं की लड़ियों सी बूंदें,
न जाने कितने एहसासों से भीगी हैं मन की परतें,
अनिश्चितता और आशंका में डूबे हैं कितने ही पल,
हर अगली सांस एक पहेली है,
हर घड़ी बदलता जाए जीवन का विकल्प,
हर क्षण बनते जायें नये नये संकल्प।।
प्रलय और पुनरूत्थान तो, सृष्टि का सतत चक्र है,
प्रलय और निर्माण का न आदि है न अंत है,
हम सब तो सागर के वाष्प से बनी वो बूंदें मात्र हैं,
ये बूंदें किस दिशा में जायेंगी,
इस पहेली का नहीं कोई हल है।।

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता
सप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

राम मंदिर के चढ़ावे पर क्यों उठे सवाल

पद्मनाभ मंदिर में जज के सामने खुलती है दानपेटी, सांवलिया सेठ में पब्लिक कर सकती है गिनती

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की गिनती को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। 7 जून को यूपी के पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने चढ़ावे में साढ़े 7 करोड़ तक की चोरी का आरोप लगाया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी चढ़ावे में चोरी का दावा किया था।

मामले ने तूल पकड़ा तो राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सफाई दी। कहा कि चढ़ावे की राशि का ऑडिट चल रहा है। चोरी के आरोप सही नहीं है। हालांकि, इसके बाद 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली।

वहीं, देश के दूसरे मंदिर तिरुपति बालाजी, शिरडी साईंबाबा और सांवलिया सेठ में हर दिन करोड़ों का दान आने पर भी ऑडिट सिस्टम पूरी तरह से पारदर्शी है। इसकी वजह वहां का सिस्टम और सख्त निगरानी व्यवस्था है। कहीं जिला जज की निगरानी में दानपेटी खुलती है, कहीं बुलेटप्रूफ हॉल में नोट गिने जाते हैं। कहीं गिनती करने वालों को बिना जेब वाले कपड़े पहनने पड़ते हैं, तो कहीं पब्लिक खुद गिनती कर सकती है। ऐसे में सवाल है कि राम मंदिर में चढ़ावे का हिसाब-किताब कैसे रखा जाता है? दूसरे बड़े मंदिरों का सिस्टम इससे कितना अलग है? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती का सिस्टम और कमियां

राम मंदिर में आने वाले चढ़ावे की सीसीटीवी की निगरानी में रोजाना गिनती होती है। कमी- आम श्रद्धालु इस गिनती को नहीं देख सकता। न ही सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाते हैं। गिनती के बाद दान की रकम को रजिस्टर पर चढ़ाया जाता है। फिर उसे मंदिर परिसर में बने लॉकर में रख दिया जाता है। अगले दिन रुपए बैंक में जमा कराए जाते हैं।कमी- मंदिर में कितना चढ़ावा आया, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नियमित रूप से सार्वजनिक नहीं की जाती। राम मंदिर ट्रस्ट की समय-समय पर होने वाली बैठक में चढ़ावे की रकम की जानकारी दी जाती है। आखिरी

बार दिसंबर, 2025 में हुई ट्रस्ट की बैठक में बताया गया था कि ट्रस्ट बनने से अब तक कुल 4575 करोड़ का दान मिला है। कमी- इसके बाद जून, 2026 तक कितना चढ़ावा आया, यह किसी को पता नहीं है।

देश के अधिकतर बड़े मंदिरों में ऑडिट का काम अंदरूनी लोग या सरकार करती है। जैसे- शिरडी साईंबाबा मंदिर में चढ़ावे का महाराष्ट्र सरकार का 'लोकल फंड ऑडिट' विभाग करता है।कमी- राम मंदिर में चढ़ावे की रकम के ऑडिट का पूरा काम प्राइवेट कंपनी टीसीएस (टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज) करती है।

केरल का श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर दुनिया के सबसे समृद्ध मंदिरों में गिना जाता है। इसके तहखानों में 1.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक का खजाना होने का अनुमान है। यहां दान और फाइनेंशियल मैनेजमेंट की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बनी प्रशासनिक समिति करती है। तिरुवनंतपुरम के जिला जज इस निगरानी समिति के चेयरमैन होते हैं। दानपेटी से निकले पैसे और सिक्कों की गिनती सीसीटीवी निगरानी में होती है। इस दौरान बैंक अधिकारी, सुरक्षाकर्मी और समिति के सदस्य मौजूद रहते हैं। ट्रांसपेरेंसी के लिए समय-समय पर ऑडिट किया जाता है।

जिला जज करते हैं चढ़ावे की निगरानी

आम श्रद्धालु भी देख सकते हैं चढ़ावे की गिनती

खास बात यह है कि कोई भी आम श्रद्धालु गिनती करने का काम कर सकता है। इसके लिए मंदिर प्रशासन श्रद्धालु का आधार कार्ड मांगता है। पूरी प्रक्रिया के दौरान एडीएम स्तर के अधिकारी, मंदिर मंडल के पदाधिकारी और बैंक ऑफ बड़ौदा के कर्मचारी मौजूद रहते हैं। करीब 200 लोगों की टीम नोट गिनती है। पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी और लाइव वीडियोग्राफी की निगरानी में होती है। दान में मिले सोने-चांदी का वजन इलेक्ट्रॉनिक कांटों से किया जाता है। उसे मिलीग्राम तक रिकॉर्ड में दर्ज कर सीलबंद स्ट्रॉन्ग रूम में रखा जाता है।

आंध्र प्रदेश का तिरुमाला तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर दान प्रबंधन के मामले में दुनिया के सबसे व्यवस्थित मॉडलों में गिना जाता है। यहां रोजाना लगभग 4 से 4.5 करोड़ रुपए का चढ़ावा आता है। दानपेटियों की गिनती के लिए अलग से हाईटेक जगह 'परकामणि भवन' बनाई गई है। हॉल में शीशे की दीवारें बनाई गई हैं, जिससे श्रद्धालु बाहर से पूरी प्रक्रिया देख सकें। चढ़ावे की गिनती के लिए केवल 35 से 65 साल के ऐसे हिंदू पुरुषों को जिम्मेदारी दी जाती है, जो केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों या सरकारी बैंकों में कार्यरत या रिटायर्ड हों। गिनती करने वाले केवल सफेद धोती और अंगवस्त्रम (बिना शर्ट, बनियान या जेब वाले कपड़े) पहनते हैं। मोबाइल, पर्स और निजी जेवर पहनने की इजाजत नहीं होती।

साल 2025-26 में यहां 337 करोड़ रुपए से ज्यादा का चढ़ावा आया है। महाराष्ट्र के शिरडी साईं बाबा मंदिर का मॉडल भी पारदर्शिता के लिए जाना जाता है। मंदिर परिसर में रखी दानपेटियां मुख्य कार्यकारी अधिकारी और बैंक अधिकारियों की मौजूदगी में खोली जाती हैं। गिनती बुलेटप्रूफ कांच वाले सुरक्षित हॉल में होती है। गिनती करने वाले कर्मचारियों को बिना जेब वाले कपड़े पहनने पड़ते हैं। मेटल डिटेक्टर से जांच के बाद ही हॉल में एंट्री मिलती है। खास बात यह है कि यहां का ऑडिट निजी चार्टर्ड अकाउंटेंट नहीं ,बल्कि महाराष्ट्र सरकार का लोकल फंड ऑडिट विभाग करता है।

श्रद्धालु करते हैं चढ़ावे की गिनती

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ स्थित सांवलिया सेठ मंदिर में भी चढ़ावे की निगरानी बेहद सख्त और पारदर्शी मानी जाती है। हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को दानपेटियां खोली जाती हैं। खुले हॉल में चढ़ावे की गिनती होती है, जो कई दिन तक चलती है। हर शाम प्रेस रिलीज जारी करके उस दिन की गिने गए रुपए और सोने-चांदी का हिसाब दिया जाता है।

राम मंदिर में चढ़ावे की हेराफेरी का मामला क्या है... ?

सपा सरकार में मंत्री रहे पवन पांडेय ने 7 जून को दावा किया कि राम मंदिर के चढ़ावे से करीब साढ़े 7 करोड़ रुपए की चोरी की गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी कहा था कि कोर्ट को मामला देखना चाहिए। हालांकि, चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है। इसके बाद मंदिर के पूर्व लेखा प्रभारी महिपाल सिंह ने आरोप लगाया कि मंदिर में 2021 से चोरी ही हो रही है।

चढ़ावे में आने वाले सोने-चांदी का कोई लिखित रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। धातु के चढ़ावे की फोटो खींचकर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भेज दी जाती थी, लेकिन वो सामान कहां जमा होता था, इसकी जानकारी सिर्फ चंपत राय और उनके ड्राइवर रामशंकर यादव (टिन्नू) को ही थी। चढ़ावे की रकम बैंक में जमा कराने के लिए वाउचर पर भी उनके साइन नहीं कराए जाते थे। महिपाल सिंह आरएसएस से जुड़े हैं और कोटा के रहने वाले हैं। फरवरी 2021 से जुलाई 2022 तक राम मंदिर के लेखा प्रभारी रहे हैं।

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। अगले दिन (10 जून) प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने भी 10 जून को ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की। इसमें चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

सफलता की दौड़ और कोचिंग का साम्राज्य

कोटा, दिल्ली, प्रयागराज, हैदराबाद और पटना आज अवसर और उम्मीद का केंद्र बन चुके हैं

हाल के दिनों में पटना के चर्चित शिक्षक खान सर एक बार फिर सुर्खियों में रहे हैं। उनकी संस्था से जुड़े विवाद, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस जांच ने राष्ट्रीय स्तर पर बहस को जन्म दिया। लेकिन यह कहानी केवल किसी एक शिक्षक या संस्थान की नहीं है। यह उस विशाल कोचिंग उद्योग की कहानी है जिसने पिछले तीन दशकों में भारतीय शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसा तंत्र खड़ा कर दिया है, जिसने न केवल छात्रों की तैयारी के तरीके बदले हैं बल्कि शिक्षकों को भी ब्रांड में बदल दिया है।

आज भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग, यूपीएससी, एसएससी, बैंकिंग, रेलवे, राज्य लोक सेवा आयोग, सेना भर्ती और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लगभग एक अनिवार्य व्यवस्था बन चुकी है। कभी छोटे कमरों और सीमित छात्रों से शुरू हुई यह व्यवस्था अब हजारों करोड़ रुपये के उद्योग का रूप ले चुकी है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि आखिर कोचिंग उद्योग इतना बड़ा कैसे बन गया और इसकी जड़ें भारतीय समाज में इतनी गहरी कैसे फैल गईं?

विभिन्न उद्योग रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2025 में भारत का कोचिंग बाजार लगभग 7.2 अरब डॉलर यानी करीब 58 हजार करोड़ रुपये का था। अनुमान है कि वर्ष 2034 तक यह बढ़कर 17.8 अरब डॉलर यानी लगभग 1.69 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। बढ़ती युवा आबादी, प्रतियोगी परीक्षाओं का विस्तार, बेहतर करियर की आकांक्षा और सफलता के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा इस तेज वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

कोचिंग उद्योग के विस्तार का सबसे बड़ा कारण स्कूल शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के बीच मौजूद अंतर है। भारत की अधिकांश स्कूली शिक्षा बोर्ड परीक्षाओं पर केंद्रित रहती है, जबकि प्रतियोगी परीक्षाओं का स्वरूप, प्रश्नों का स्तर और मूल्यांकन पद्धति पूरी तरह अलग होती है। छात्रों और अभिभावकों को अक्सर लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए पर्याप्त नहीं है। यही वह शैक्षणिक अंतर है, जिसने कोचिंग संस्थानों को तेजी से विस्तार का अवसर दिया और धीरे-धीरे एक समानांतर शिक्षा तंत्र विकसित हो गया।

प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने इस उद्योग को और मजबूती दी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अनुसार 2026 की जेईई मुख्य परीक्षा में 11 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए, जबकि नीट में लगभग 22.79 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया। यूपीएससी में हर वर्ष लाखों आवेदन आते हैं, लेकिन अंतिम चयन कुछ सौ उम्मीदवारों का ही हो पाता है। एसएससी, बैंकिंग और रेलवे जैसी परीक्षाओं में तो करोड़ों आवेदन दर्ज होते हैं। जब अवसर सीमित और प्रतियोगिता अत्यधिक हो, तब अतिरिक्त तैयारी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ती है और यही मांग कोचिंग उद्योग की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है।

सरकारी नौकरियों का आकर्षण भी इस विस्तार का महत्वपूर्ण कारण है। निजी क्षेत्र में अवसर बढ़ने के बावजूद नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा और स्थिर आय आज भी युवाओं को सरकारी सेवाओं की ओर आकर्षित करती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों में सरकारी नौकरी केवल रोजगार नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक मानी जाती है। परिणामस्वरूप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एक सामाजिक प्रवृत्ति का रूप ले चुकी है।

इस प्रवृत्ति के पीछे पारिवारिक और सामाजिक दबाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई परिवारों में कोचिंग जाना सफलता की पूर्व शर्त माना जाने लगा है। बेहतर संस्थानों की तलाश में छात्र और उनके परिवार शहर बदलने तक को तैयार रहते हैं। कोटा, पटना, दिल्ली, प्रयागराज और हैदराबाद जैसे शहरों में हजारों परिवार केवल शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बसते हैं। यह शैक्षणिक प्रवास अपने आप में एक बड़ी सामाजिक घटना बन चुका है।

भारत के कोचिंग उद्योग का सबसे बड़ा प्रतीक राजस्थान का कोटा शहर है। इसकी कहानी 1985 में शुरू हुई, जब इंजीनियर वी.के. बंसल ने अपने घर पर छात्रों को पढ़ाना शुरू किया। शुरुआती सफलता ने उन्हें बंसल क्लासेज की स्थापना के लिए प्रेरित किया। समय के साथ यह संस्थान और फिर पूरा कोटा शहर देश की कोचिंग राजधानी बन गया। देखते ही देखते वहां दर्जनों बड़े संस्थान स्थापित हुए और शहर की अर्थव्यवस्था शिक्षा-केंद्रित मॉडल पर विकसित होने लगी। इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी का राष्ट्रीय केंद्र बनकर कोटा ने एक नया मॉडल प्रस्तुत किया, जिसे बाद में देश के कई शहरों ने अपनाया।

कोटा मॉडल की सफलता के बाद दिल्ली यूपीएससी की तैयारी का सबसे बड़ा केंद्र बनी, जबकि पिछले दो दशकों में पटना तेजी से उभरते कोचिंग हब के रूप में सामने आया। यहां यूपीएससी, बीपीएससी, रेलवे, एसएससी, बैंकिंग और अन्य सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले सैकड़ों संस्थान सक्रिय हैं। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों छात्रों के लिए पटना आज अवसर और उम्मीद का केंद्र बन चुका है।

इसी दौर में शिक्षकों का व्यक्तित्व भी बदल गया। पहले शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित रहते थे, लेकिन अब वे स्वयं एक ब्रांड बन चुके हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, यूट्यूब, सोशल मीडिया और ऑनलाइन शिक्षा ने इस परिवर्तन को और तेज किया है। खान सर जैसे शिक्षकों की लोकप्रियता बताती है कि आज छात्र केवल संस्थान नहीं, बल्कि शिक्षक के नाम और शैली पर भी भरोसा करते हैं। तीन दशकों में कोचिंग उद्योग ने शिक्षकों को ब्रांड और शिक्षा को बड़े पैमाने के बाजार में बदल दिया है।

हालांकि इस सफलता की कहानी का दूसरा पक्ष भी है। प्रतियोगिता का दबाव, आर्थिक बोझ, मानसिक तनाव और असफलता का डर लाखों छात्रों के जीवन को प्रभावित करता है। कोटा जैसे शहरों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाली चर्चाएं यह संकेत देती हैं कि केवल सफलता की कहानियां ही नहीं, बल्कि असफलता की चुनौतियां भी इस व्यवस्था का हिस्सा हैं।

इसलिए कोचिंग उद्योग की सफलता का मूल्यांकन केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभावों के आधार पर भी किया जाना चाहिए।

परिणामस्वरूप भारत का कोचिंग उद्योग केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि देश की आकांक्षाओं, महत्वाकांक्षाओं और प्रतिस्पर्धी मानसिकता का प्रतिबिंब बन चुका है। कोटा मॉडल से लेकर खान सर तक की यात्रा बताती है कि शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। यह उद्योग लाखों युवाओं को अवसर और दिशा देता है, लेकिन साथ ही यह प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या भविष्य में औपचारिक शिक्षा और कोचिंग के बीच की दूरी कम हो पाएगी। फिलहाल इतना निश्चित है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था को समझना है, तो कोचिंग उद्योग की कहानी को समझना अनिवार्य है।

जसपाल राणा ने कैसे गढ़ी शूटिंग की नई पहचान

भारतीय खेल जगत में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनकी पहचान केवल उनके पदकों और रिकॉर्डों से नहीं, बल्कि उनके द्वारा छोड़ी गई विरासत से होती है। भारतीय निशानेबाजी के लिए जसपाल राणा ऐसा ही एक नाम थे। उनका निधन केवल एक महान खिलाड़ी का जाना नहीं है, बल्कि भारतीय शूटिंग के एक ऐसे स्तंभ का खो जाना है जिसने खिलाड़ियों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया, संवारा और सफलता की राह दिखाई।

निशानेबाज और कोच हरप्रीत सिंह के लिए जसपाल राणा केवल एक खिलाड़ी या कोच नहीं थे, बल्कि परिवार के सदस्य जैसे थे। हरप्रीत बताते हैं कि स्कूल के दिनों में उन्होंने पहली बार दूरदर्शन पर जसपाल राणा को देखा था। उसी क्षण उनके मन में शूटिंग के प्रति रुचि जागी और यहीं से उनके तथा जसपाल राणा के बीच एक प्रेरणादायक रिश्ता शुरू हुआ। उस समय लोगों के बीच शूटिंग की चर्चा भी अक्सर "जसपाल राणा वाली शूटिंग" के रूप में होती थी, जो उनकी लोकप्रियता और प्रभाव का प्रमाण था।

जसपाल राणा ने 1994 में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर दुनिया को भारतीय प्रतिभा का परिचय कराया। वे केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने विश्व रिकॉर्ड भी बनाए। अनुशासन, तकनीकी दक्षता और निरंतर अभ्यास उनकी सफलता की असली पहचान थे। उनके भीतर सीखने और दूसरों को सिखाने की अद्भुत क्षमता थी।

हरप्रीत सिंह याद करते हैं कि वर्ष 2000 में जब वे अपना पहला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप खेल रहे थे, तब उनकी पिस्टल बार-बार गलत चल रही थी। जसपाल राणा ने यह देखा और स्वयं उनके पास आकर तकनीकी खामियां समझाईं। कई बार डांट भी लगाई, लेकिन उसी डांट में सीख और स्नेह छिपा होता था। खेल भावना सिखाने में उनका कोई मुकाबला नहीं था। वे प्रतिस्पर्धा को केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर इंसान और बेहतर खिलाड़ी बनने का अवसर मानते थे।

उनकी महानता का अंदाजा एक और घटना से लगाया जा सकता है। 2010 एशियाई खेलों में चयन होने के बाद एक विदेशी खिलाड़ी ने हरप्रीत सिंह से पूछा कि "क्या जसपाल राणा नहीं आए हैं?" जब उत्तर मिला कि वे नहीं आएंगे, तो विदेशी खिलाड़ी के चेहरे पर राहत दिखाई दी। यह घटना बताती है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जसपाल राणा का कितना सम्मान और प्रभाव था। विरोधी खिलाड़ी भी उनकी क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मक ताकत से परिचित थे।

जसपाल राणा केवल स्वयं उत्कृष्ट प्रदर्शन नहीं करते थे, बल्कि दूसरों को भी आगे बढ़ाने में विश्वास रखते थे। हरप्रीत सिंह के अनुसार, उन्होंने एक बार 588 का शानदार स्कोर बनाया था, लेकिन पहले राउंड के बाद जसपाल राणा का स्कोर 288 था। इसके बावजूद उन्होंने पूरे

आत्मविश्वास के साथ मुकाबला जारी रखा और अंततः जीत अपने नाम कर ली। यह उनकी मानसिक दृढ़ता और दबाव में प्रदर्शन करने की असाधारण क्षमता को दर्शाता है।

उनकी सबसे बड़ी विशेषता खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाना थी। जब भी कोई खिलाड़ी तनाव में होता, वे उसे सरल शब्दों में समझाते—"इतने तनाव में क्यों हो, खेल का आनंद लो, परिणाम अपने आप बेहतर आएंगे।" यही कारण था कि उनके शब्द खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा और आत्मविश्वास का स्रोत बन जाते थे। कई खिलाड़ी आज भी कठिन परिस्थितियों में उनके इन्हीं वाक्यों को याद कर स्वयं को संभालते हैं।

तकनीकी दृष्टि से भी जसपाल राणा का कोई मुकाबला नहीं था। स्टैंडर्ड और सेंटर-फायर पिस्टल स्पर्धाओं में उनकी महारत अद्भुत थी। कॉमनवेल्थ खेलों में 300 में से 300 अंक हासिल करना उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण था। उस दौर में, जब भारतीय शूटिंग के पास सीमित संसाधन थे, उन्होंने विश्व स्तर पर भारत की पहचान स्थापित की।

कोच के रूप में उनका योगदान और भी व्यापक रहा। उन्होंने अनेक युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया और भारतीय निशानेबाजी की मजबूत नींव तैयार की। आज भारतीय शूटिंग जिस ऊंचाई पर खड़ी है, उसके पीछे जसपाल राणा जैसे दूरदर्शी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का बड़ा योगदान है। उन्होंने केवल पदक विजेता नहीं बनाए, बल्कि आत्मविश्वासी, अनुशासित और मानसिक रूप से मजबूत खिलाड़ी तैयार किए। विडंबना यह है कि जब देहरादून में भारतीय टीम का कोचिंग कैंप चल रहा है, तब पहली बार जसपाल राणा उसमें उपस्थित नहीं हैं। उनके शिष्यों और सहयोगियों के लिए यह एक भावनात्मक क्षण है। लेकिन उनकी अनुपस्थिति के बावजूद उनकी सीख, उनके सिद्धांत और उनकी प्रेरणा हर खिलाड़ी के साथ मौजूद हैं।

जसपाल राणा का जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि महान खिलाड़ी केवल रिकॉर्ड नहीं बनाते, बल्कि एक पूरी पीढ़ी का भविष्य गढ़ते हैं। भारतीय निशानेबाजी के इतिहास में उनका नाम केवल एक चैंपियन के रूप में नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, प्रेरक और युगनिर्माता के रूप में सदैव याद किया जाएगा। उनकी विरासत आने वाले वर्षों तक भारतीय खेल जगत को दिशा देती रहेगी, और यही किसी भी महान खिलाड़ी की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

बीजेपी के पास जुगाड़ लगा रहे टीएमसी के बागी एमपी

तृणमूल कांग्रेस के कई बागी सांसदों ने सार्वजनिक तौर पर एनडीए को सपोर्ट देने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि बीजेपी राजनीतिक घटनाक्रमों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं और रणनीति बनाने में जुटी हुई है। बीजेपी जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहती। पश्चिम बंगाल में उसका पूरा फोकस नई सरकार को स्थापित करने और स्थिर बनाने पर है। वहीं तृणमूल कांग्रेस में भागदौड़ मची हुई है और उसके कई नेता बीजेपी पदाधिकारियों के संपर्क में हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि बीजेपी तृणमूल के सभी बागी नेताओं को पार्टी में शामिल करने वाली है। कुछ दिन पहले तृणमूल की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने कहा था कि पार्टी

छोड़ रहे बागी सांसद एनडीए का समर्थन करेंगे। लेकिन बीजेपी ने साफ किया है कि तृणमूल के बागी गुट को पार्टी में समाहित करने नहीं जा रही है।

बीजेपी नेताओं ने बताया कि अच्छा यही होगा कि बागी सांसद लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखें और मूल तृणमूल कांग्रेस पर अपना दावा पेश करें। साथ ही पार्टी पदाधिकारियों की नियुक्ति भी करें। बहरहाल, इस तरह के कदम से कानूनी लड़ाई शुरू हो सकती है, जैसा कि लोक जनशक्ति पार्टी, शिवसेना और एनसीपी के मामलों में हुआ था, जहां बागी गुटों ने आखिरकार पार्टी का चुनाव चिह्न हासिल कर लिया और मान्यता प्राप्त पार्टी के तौर पर उभरे। हालांकि इस पूरी प्रक्रिया में लंबी कानूनी और राजनीतिक लड़ाई छिड़ने की संभावना है, और बीजेपी सूत्रों का कहना है कि तृणमूल के नेता अपनी रणनीति पर काम कर रहे हैं।

जब भी वे चाहें, सुखेंदु शेखर रॉय जैसे राज्यसभा सदस्यों के मामले में बीजेपी उन्हें पार्टी में शामिल करने के लिए तैयार है। उपचुनाव होने पर उन्हें राज्यसभा सीट देने पर विचार किया जाएगा। सुष्मिता देव के मामले में, जिन्होंने तृणमूल और राज्यसभा दोनों से इस्तीफा देने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की थी, बीजेपी उन्हें राज्यसभा सीट देने के पक्ष में नहीं है। बताया जा रहा है कि वे असम में काम करने की इच्छुक हैं और राज्य का नेतृत्व ही उनकी भूमिका तय करेगा। प्रकाश बराइक तृणमूल के तीसरे राज्यसभा सांसद हैं जिन्होंने पार्टी से इस्तीफा दिया है। बीजेपी ने इस बात पर चुप्पी साधे रखी है कि क्या वे पार्टी में शामिल होंगे और उन्हें जगह देने की कोई योजना है या नहीं।

मेरा अब तक का हॉटेस्ट रोल : कृति

आपको हमेशा इस बात का डर रहता है कि आगे काम मिलेगा या नहीं। मैंने धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए रिस्क लिए और सोच-समझकर फैसले किए। मुझे जो भी मौके मिले हैं, वे मैंने अपनी मेहनत से कमाए हैं।

बॉलीवुड में अपनी मेहनत और दमदार एक्टिंग के दम पर अलग पहचान बनाने वाली कृति सेनन आज मायानगरी की चोटी की अभिनेत्रियों में शुमार है। बिना किसी फिल्मी बैकग्राऊंड और गॉडफादर के फिल्मों में जगह बनाना आसान नहीं होता, लेकिन कृति ने यह साबित कर दिखाया है कि प्रतिभा और मेहनत के दम पर हर मुश्किल को पार किया जा सकता है। हाल ही में कृति ने अपने फिल्मी सफर के उतार-चढ़ाव के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि उसके करियर के शुरुआती दौर में कई बार उसे फिल्मों से सिर्फ इसलिए बाहर कर दिया गया ताकि किसी स्टारकिड को मौका दिया जा सके। उसने बताया कि फिल्मी कग्राऊंड से न आने वाले कलाकारों को इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

कृति ने बताया कि फिल्म 'मिमी' उसके करियर का टर्निंग प्वॉइंट साबित हुई, लेकिन इससे पहले उसे लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। उसने कहा, ₹फिल्म 'मिमी' से पहले मैं कई बार बहुत निराश हुई। मुझे लगता था कि मैं और अच्छा कर सकती हूं, लेकिन मुझे वैसी फिल्में और मौके नहीं मिल रहे थे। कई ऐसे रोल थे जिनके बहुत करीब पहुंचने के बाद भी वे स्टारकिड्स को दे दिए गए। यह ऐसी चीज थी मेरे कंट्रोल में नहीं थी ।

उसने कहा, जब आप फिल्मी बैकग्राऊंड से नहीं आते, तो आपको हमेशा इस बात का डर रहता है कि आगे काम मिलेगा या नहीं। मैंने धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए रिस्क लिए और सोच-समझकर फैसले किए। मुझे जो भी मौके मिले हैं, वे मैंने अपनी मेहनत से कमाए हैं। मुझे कुछ भी आसानी से नहीं मिला।

करियर में ऐसे भी दौर आए जब मैं बहुत कन्फ्यूज थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या सही है और क्या गलत। मैंने कुछ ऐसी फिल्में साइन कीं जो मेरे लिए फायदेमंद साबित नहीं हुईं। उस समय ऐसा लग रहा था कि कुछ भी काम नहीं कर रहा । आज पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है कि उन मुश्किल दिनों ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। कई बार असफलता आपको सफलता ज्यादा सीख देती है।

कृति ने फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं और पुरुषों के बीच होने वाले भेदभाव पर कहा, 'आज भी इंडस्ट्री में पुरुष कलाकारों को ज्यादा अहमियत दी जाती है और महिलाओं को बराबरी पाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। करियर के शुरुआती दिनों में मैं हर बात खुलकर नहीं कह पाती थी लेकिन समय के साथ मैंने अपने लिए आवाज उठाना सीखा।₹

₹ कई बार फिल्मों का बजट कम होने पर सबसे पहले फीमेल लीड की फीस में कटौती की जाती है। इसके अलावा सैट पर मिलने वाले सम्मान और सुविधाओं में भी पुरुष और महिला कलाकारों के बीच फर्क साफ दिखाई देता है। इंडस्ट्री में 'पैट्रियार्की ' (पितृसत्ता) आज भी मौजूद है। कई बार ये खुलकर दिखाई नहीं देती, लेकिन छोटे-छोटे व्यवहार और फैसलों में नजर आती है।

मेरा अब तक का हॉटेस्ट रोल जल्द ही फिल्म 'कॉकटेल 22 कृति अपने करियर का सबसे 'हॉट' किरदार निभाने जा रही है।

उसने कबूल किया है कि इसमें उसका रोल उसके अब तक के करियर का सबसे ग्लैमरस और 'हॉटेस्ट ' अवतार है। उसने बताया कि इस फिल्म में उसका लुक और अंदाज दर्शकों को पूरी तरह हैरान कर देगा। कृति ने इस नए अवतार का पूरा श्रेय डायरैक्टर होमी अदजानिया को दिया है। फिल्म में कृति के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना

देश की ताकत पर अमिताभ बच्चन का जोश भरा बयान

कहा- 'भारत अब नाजुक नहीं, मजबूत और ताकतवर है'

अमिताभ बच्चन इस समय फिल्ममेकर नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में व्यस्त हैं। इस फिल्म में कमल हासन और प्रभास भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के शहंशाह और मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग शेयर करते हुए लिखा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि अब भारत को एक कमजोर और नरम देश के रूप में नहीं देखा जाता। उन्होंने इंडिया एंटी-फ्रेजाइल जैसे शब्द को बेहद शानदार बताया।

ब्लॉग पर शेयर किए अपने विचार

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर इस बारे में लिखा और बताया कि उन्हें देश के लिए एक बहुत ही शानदार शब्द मिला है। उन्होंने लिखा, 'मुझे एक बहुत ही अच्छा वाक्य मिला- 'इंडिया एंटी-फ्रेजाइल' बेहद शानदार अब भारत को एक नरम और कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता।'

अब हमें एक कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जाता

81 साल के अभिनेता इस बात से बेहद खुश हैं कि अब देश को कमजोर नहीं माना जाता। उन्होंने आगे लिखा, 'हम अब कमजोर नहीं हैं- नाजुक नहीं, आसानी से टूटने वाले नहीं, आसानी से खत्म होने वाले नहीं, आसानी से डरने वाले नहीं। हम मजबूत हैं और ताकतवर हैं। अब हमें एक कमजोर देश के रूप में नहीं देखा जातागर्व से भरे हुए सिर ऊंचा, सीना तानकर।'

कंगना रनौत ने की दीपिका पादुकोण की जमकर तारीफ

एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन कंगना रनौत अपनी नई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' के साथ वापस आ गई हैं। यह फिल्म आज यानी 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और दर्शकों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है। रिलीज से पहले कंगना प्रमोशन के दौरान मीडिया से बात कर रही थीं।

इसी दौरान उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है, जिसमें वह अलग-अलग दौर की आइकॉनिक एक्ट्रेसेस की विरासत के बारे में बात करती नजर आ रही हैं और कहती हैं कि हर दौर के अपने खास चेहरे होते हैं। खास बात यह रही कि उन्होंने अपने जवाब में दीपिका पादुकोण का नाम भी लिया, जिससे फैंस काफी प्रभावित हुए।

दूसरी दीपिका पादुकोण नहीं हो

सकती

एक इंटरव्यू के दौरान कंगना रनौत से पूछा गया कि इंडस्ट्री को दूसरी कंगना रनौत क्यों नहीं मिल सकती। इस पर उन्होंने मीना कुमारी, मधुबाला, हेमा मालिनी और माधुरी दीक्षित जैसी दिग्गज अदाकाराओं का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे ये सभी अपनी जगह पर बेमिसाल हैं, वैसे ही दूसरी दीपिका पादुकोण भी नहीं हो सकती।

'कांतारा चैप्टर 1' फेम रुक्मिणी वसंत के साथ फिल्म बनाने जा रहे नानी

साउथ के अभिनेता और फिल्ममेकर नानी अपने प्रोडक्शन हाउस 'वॉल पोस्टर सिनेमा' के तहत एक फिल्म बनाने की तैयारी कर रहे हैं। खास बात यह है कि इसमें लीड एक्ट्रेस के तौर पर 'कांतारा चैप्टर 1' की अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत को कास्ट किया गया है। खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को मुरलीकांत देवसोथ डायरेक्ट करेंगे। इस फिल्ममेकर को पहले अपनी रूरल ड्रामा फिल्म 'धंडोरा' के लिए तारीफ मिल चुकी है।

स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन का काम जारी

नानी की टीम अभी सक्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन के दूसरे कामों पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि मुरलीकांत कहानी को फाइनल टच दे रहे हैं और साथ ही सपोर्टिंग कास्ट और टेक्निकल

क्रू को भी तय कर रहे हैं। मेकर्स फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले हर पहलू की सावधानी से प्लानिंग कर रहे हैं।

लीड एक्ट्रेस का हुआ चुनाव

इस प्रोजेक्ट के बारे में एक बड़ी अपडेट फीमेल लीड का चुनाव है। खबर है कि हीरोइन के रोल के लिए एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत को चुना गया है। एक्ट्रेस ने फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी है। रुक्मिणी अपनी परफॉर्मेंस के लिए चर्चा में रही हैं।

जारी है लीड एक्टर की तलाश

खबर है कि इस फिल्म के लिए लीड एक्टर की तलाश अभी जारी है। प्रोडक्शन टीम ऐसे सही एक्टर की तलाश में है जो कहानी में फिट बैठे और किरदार में जान डाल सके। हीरो के तय होने के बाद, मेकर्स के इस प्रोजेक्ट के बारे में ऑफिशियल अनाउंसमेंट करने की उम्मीद है। शूटिंग अगस्त में शुरू होने की संभावना है। तब तक टीम तैयारी जारी रखेगी और जरूरी शुरुआती काम पूरे कर लेगी। चूंकि फिल्म नानी के बैनर तले बन रही है, इसलिए फिल्म प्रेमियों के बीच अभी से उम्मीदें बढ़ रही हैं।

हर किरदार ऐसा होना चाहिए जो दर्शकों पर कोई प्रभाव छोड़े : रकुल प्रीत सिंह

मैं बचपन से खेलों और शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय रही हूं। मैं राष्ट्रीय स्तर की गोल्फ खिलाड़ी रही हूं। खेल आपको अनुशासन सिखाते हैं- समय की पाबंदी, मानसिक मजबूती, दूसरों के समय का सम्मान और यह विश्वास कि आपका मन आपके शरीर से ज्यादा शक्तिशाली है।

एक दशक से भी अधिक समय से अभिनय जगत में सक्रिय रकुल प्रीत सिंह ने कन्नड़ फिल्म 'गिल्ली' (2009) से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के बाद अलग-अलग शैली की फिल्मों के जरिए दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में अपनी जगह बनाई।

2014 में फिल्म 'यारियां' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली रकुल कभी 'दे दे प्यार दे' (2019) जैसी व्यावसायिक मनोरंजक फिल्मों में नजर आती है तो कभी 'छतरीवाली' (2023) और 'डॉक्टर जी' (2022) जैसी सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों का हिस्सा बन जाती है ।

बात पर रहता है कि आगे क्या करना है, खुद को कैसे नया रूप देना है और बेहतर काम कैसे करते रहना है। मैं हमेशा भविष्य की ओर देखती हूं और वर्तमान में उसके लिए मेहनत करती हूं।

करियर के इस मुकाम पर किस तरह के किरदार उसे सबसे ज्यादा उत्साहित करते हैं और उसका ड्रीम प्रोजैक्ट क्या है, पर वह कहती है, "मैं ऐसे दमदार और सार्थक किरदार करना चाहती हूं जिनमें गहराई हो और जो मुझे चुनौती दें। मैं सिर्फ फिल्में करने के लिए फिल्में नहीं करना चाहती। हर किरदार ऐसा होना चाहिए जो दर्शकों पर कोई प्रभाव छोड़े । जहां तक ड्रीम प्रोजैक्ट की बात है, मैं एक ऐतिहासिक फिल्म या फिर एक खूबसूरत प्रेम कहानी करना चाहूंगी। ये दो शैलियां हैं जिन पर मैंने अब तक वास्तव में अधिक काम नहीं किया है।

'रनवे 34' (2022) के साथ उसने फिटनैस को मानती है जीवन थ्रिलर शैली में कदम रखा और हाल

ही में उसने 'पति पत्नी और वो दो ' में नीलोफर के किरदार में दर्शकों को कॉमेडी से चौंकाया है।

रकुल की कहानी यही बताती है कि सफलता मंजिल नहीं, बल्कि लगातार खुद को बेहतर बनाने की प्रक्रिया है और उसके अनुसार उसकी असली उड़ान अभी शुरू ही हुई है।

अपने अब तक के सफर को देखकर खुद के बारे में सबसे ज्यादा किस बात ने उसे चौंकाया है, पर वह कहती है, " सच कहूं तो मैं पीछे मुड़कर ज्यादा नहीं देखती। मैं अपने सफर के लिए बेहद आभारी हूं। भगवान और लोगों, दोनों ने मेरे प्रति बहुत दयालुता दिखाई है। कई सालों तक इंडस्ट्री में बने रहना और अलग-अलग भाषाओं व फिल्म इंडस्ट्रीज में इतनी फिल्में करना आसान नहीं होता लेकिन मैं अतीत में क्या हुआ, इस पर बैठकर विचार नहीं करती। मेरा ध्यान हमेशा फिटनैस और वैलनैस रकुल के जीवन का बड़ा हिस्सा है। फिटनैस का वास्तविक अर्थ बताते हुए वह कहती है, " फिटनैस और वैलनैस मेरी पहचान का हिस्सा हैं । मेरे दिन में किसी न किसी रूप में वर्कआऊट जरूर शामिल होता है- योग, मोबिलिटी ट्रेनिंग, स्ट्रैंथ ट्रेनिंग या कोई खेल लेकिन वैलनैस सिर्फ शारीरिक फिटनेस नहीं है। इसमें पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, संतुलन और शरीर के भीतर सामंजस्य भी शामिल है। मैं हमेशा कहती हूं कि अगर हमारा शरीर, जिसमें हम पूरी जिंदगी रहते हैं, अच्छा महसूस नहीं कर रहा, तो बाकी सारी उपलब्धियों का क्या मतलब है । जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ महसूस करते हैं, तभी जीवन के हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ दे पाते हैं ।

खेलों से रकुल का गहरा जुड़ाव रहा है। क्या इसका असर उसके अभिनय करियर पर भी पड़ा है, पर उसने कहा, "बिल्कुल। मैं बचपन से खेलों और शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय रही हूं। मैं राष्ट्रीय स्तर की गोल्फ खिलाड़ी रही हूं। खेल अनुशासन सिखाते हैं- समय की पाबंदी, मानसिक मजबूती, दूसरों के समय का सम्मान और यह विश्वास कि मन आपके शरीर से ज्यादा शक्तिशालीहै । जब कोई काम करना होता है, तो बस करना होता है । यही सोच मेरे बचपन, खेलों और परवरिश से आई है ।'

व्यस्तता के बीच वह अपने लिए समय कैसे निकालती है, पर उसने कहा, " अगर आप सच में चाहते हैं, तो अपने लिए समय निकाल सकते हैं। मेरा मानना है कि जिन चीजों में आपकी वास्तविक रुचि होती है, उनके लिए हमेशा समय निकल आता है। बस आपको अपने जीवन को व्यवस्थित करना होता है कि यह काम का समय है, यह मेरा निजी समय है, यह खेल और वैलनेस का समय है ।

हालातों ने बदली रेखा की जिंदगी

बोलीं- किस्मत की मार खाकर लिया था एक्ट्रेस बनने का फैसला

बॉलीवुड ने जब भी बात सबसे बेस्ट एक्ट्रेस की होती है तो आज भी रेखा का नाम सबसे पहले आता है। रेखा ने अपने समय में बड़े पर्दे पर ऐसा रंग जमाया कि आज तक हर कोई उनके तारीफ के कसीदे पढता है। बॉलीवुड ने जब भी बात सबसे बेस्ट एक्ट्रेस की होती है तो आज भी रेखा का नाम सबसे पहले आता है।

रेखा ने अपने समय में बड़े पर्दे पर ऐसा रंग जमाया कि आज तक हर कोई उनके तारीफ के कसीदे पढता है। चाहे आज रेखा बॉलीवुड से दूर हैं लेकिन वो अपनों किसी न किसी बात को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। रेखा के एक्ट्रेस बनाने की कहानी आसान नहीं है, वो अपनी मर्जी से नहीं बल्कि मजबूरीयों की वजह से हीरोइन बनी थीं।

फिल्मों में कैसे रखा रेखा ने कदम

एक बार इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अपने किस तरह फ़िल्मी दुनियां में अपना पैर रखा तो उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी भी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। अपनी पर्सनल लाइफ की मजबूरियों की वजह से उन्हें ये फैसला लेना पड़ा। इसी के साथ रेखा ने बताया कि जब मैं 14-15 साल की थी, तब से ही उन्हें काम करना पड़ा। ऐसा इस वजह से क्योंकि जब उनके पिता ने रेखा की मां से शादी की थी तब पहली पत्नी को तलाक दिए बना ही उनके पिता ने दूसरी शादी कर ली।

इस वजह से रेखा को हमेशा को हमेशा नाजायज संतान कहा गया। रेखा ने बताया कि उन्हें कभी भी अपने पिता का प्यार नहीं मिला और न ही पता है की पिता का प्यार कैसा होता है। इसके बाद रेखा के पिता ने किसी और शादी कर ली और यह सब देखकर रेखा की माँ काफी टूट गईं। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से उन्होंने बचपन में ही फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख लिया था। इस वजह से उन्होंने एक इंटरव्यू में खुद कहा- , 'मैं अपनी मर्जी से नहीं बल्कि किस्मत की मार खाकर फिल्मों में आई हूं।

तेलुगु फिल्म से शुरू हुआ रेखा का करियर

बचपन में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में रेखा ने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से अपनी एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद 1970 में उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा।

परिमल नाथवानी 4 वोट के जुगाड़ में जुटे

कांग्रेस सीएम हेमंत सोरेन के भरोसे

रांची, 13 जून (एजेंसियां)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव के लिए एनडीए समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमाल नाथवानी के चुनाव मैदान में उतर जाने के कारण मुकाबला दिलचस्प हो गया है। कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा और जेएमएम उम्मीदवार बैजनाथ राम की जीत की पूरी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर है। वहीं बीजेपी समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी भी अपनी जीत के लिए आवश्यक कम से कम 28 वोटों की जुगाड़ में लगे हुए हैं।

कांग्रेस और झामुमो गठबंधन में सब कुछ सामान्य नहीं?

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और जेएमएम गठबंधन में सब कुछ सामान्य नहीं है। जिस तरह से विधानसभा में परिमल नाथवानी के नॉमिनेशन प्रकरण के दौरान कांग्रेस की ओर से जोरदार तरीके से आपत्ति दर्ज कराई गई, उसकी चर्चा देश भर में हुई, लेकिन सहयोगी दल जेएमएम, राजद और माले विधायक इससे दूर रहे। नॉमिनेशन प्रकरण के दौरान हुए घटनाक्रम और कांग्रेस कोटे के चार मंत्रियों की नाराजगी पूरी कहानी बता रही थी। इस दौरान कांग्रेस के मंत्रियों की ओर से विधानसभा के प्रभारी सचिव समेत अन्य कर्मचारियों पर कई आरोप लगाए गए। वहीं इस महत्वपूर्ण घटना के दिल स्पीकर के विधानसभा परिसर में उपस्थित नहीं रहने पर भी दबी जुबान में कई तरह की चर्चाओं को जन्म दिया हैं।

इससे पहले भी असम और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भी जेएमएम और कांग्रेस नेता आमने-सामने हो चुके हैं। इन चुनावों के दौरान दोनों दलों के नेताओं ने मीडिया में भी खुलकर बयानबाजी की ही थी। अब राज्यसभा चुनाव में यह टकराव और बढ़ गया है।

कांग्रेस और जेएमएम नेताओं के बीच तल्खी के बीच राजद और माले विधायकों की ओर से भी कांग्रेस के रवैये पर नाराजगी जाहिर की गई। राजद और माले विधायकों के कई विधायकों की ओर से सार्वजनिक रूप से कहा जा चुका है कि उम्मीदवार चयन के पहले उनसे संपर्क नहीं किया गया। वहीं परिमल नाथवानी के नामांकन के दौरान विरोध प्रर्दशन में जेएमएम के साथ राजद और माले के नेताओं ने भू दूरी बनाए रखी, इस संबंध में भी राजद और माले नेताओं का कहना है कि कांग्रेस की ओर से इस तरह के विरोध प्रदर्शन की सूचना उन्हें नहीं दी गई थी।

राज्यसभा चुनाव में बीजेपी-एनडीए समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी को 24 विधायकों का समर्थन प्राप्त होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन जीत के लिए कम से कम चार और वोट का जुगाड़ करना होगा। नाथवाणी के करीबियों की ओर से दावा किया जा रहा है कि यह मुश्किल काम नहीं है,क्यों परिमल नाथवाणी के सभी दलों के नेताओं और कई विधायकों के मधुर संबंध है।

साल 2008 मधु कोड़ा की सरकार झामुमो और कांग्रेस के समर्थन से चल रही थी। तब पहली बार रिलायंस समूह के परिमल नाथवानी की झारखंड में एंट्री हुई थी। इस चुनाव में झामुमो के अधिकृत उम्मीदवार किशोरी लाल थे। लेकिन झामुमो के 17 में 11 विधायक नाथवानी के प्रस्तावक बने। इस चुनाव में परिमल नाथवानी ने झामुमो के उम्मीदवार को मात दी।

परिमल नाथवानी के चुनाव मैदान में उतरने से इस बार कांग्रेस खेमा काफी सतर्क है। कांग्रेस के लिए पार्टी के सभी 16 विधायकों को एकजुट रखते हुए सहयोगी दल जेएमएम, राजद और माले उम्मीदवारों का वोट भी हासिल करना है। वहीं चुनाव में जीत हासिल करने के लिए इस बार बीजेपी से ज्यादा खुद परिमल नाथवानी के करीबी सक्रिय है। नाथवानी के करीबियों की ओर से एक-एक विधायक से संपर्क स्थापित कर चुनाव में जीत हासिल करने की रणनीति बनाई जा रही है। 2010 में सविता महतो को राज्यसभा में उतारने का वादा झामुमो ने किया। लेकिन बाद में झामुमो ने अल्केमिस्ट के केडी सिंह को प्रत्याशी बनाया। उद्योगपति केडी सिंह चुनाव जीते, लेकिन फिर झारखंड में झांकने भी नहीं आए।

दो पुलिसकर्मियों को गोली मारने वाला अपराधी एनकाउंटर में ढेर

किडनैपिंग कर भागे, गोलियां बरसाईं, बुलेट लगने के बाद 4 अस्पतालों में ले गए साथी

फुलवारीशरीफ, 13 जून (एजेंसियां)। पटना में अपर थानेदार और एएसआई को गोली मारने वाला अपराधी एनकाउंटर में ढेर हुआ है। मसौढ़ी में शुक्रवार की शाम किडनैपिंग केस में पुलिस और अपराधियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी।

अपराधियों की फायरिंग में मसौढ़ी थाने के अपर थानेदार राहुल कुमार और एएसआई संजय कुमार को गोली लगी। पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए एक अपराधी हैदर को गोली मारकर ढेर कर दिया।

ये मुठभेड़ शुक्रवार की शाम 7:15 बजे मसौढ़ी थाने से महज 400 मीटर दूर मणिचक तालाब के पास एक खेत में हुई। दोनों ओर से करीब 12 गोलियां चलीं। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने भी किडनैप किए युवक को छुड़वा लिया।

अपराधी वहां से भाग निकले थे। इसके बाद पुलिस को सूचना मिली की एक बदमाश को गोली लगी है। उसके साथ उसे पटना के 4 अस्पतालों में ले गए, लेकिन उसकी मौत हो गई।

मोहम्मद हैदर, मृतक

पटना पूर्वी के पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया- 12 जून को शाम के 7 बजे के आसपास पुलिस को सूचना मिली थी अपराधियों ने एक युवक का अपहरण किया है। उसके साथ मारपीट की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस को देखते ही अपराधियों ने फायरिंग कर दी। इसमें 2 पुलिस वालों को गोली लगी है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अपराधी भाग निकले। पुलिस ने किडनैप हुए युवक को छुड़वाया। उसने बताया कि ओएलएक्स पर मोबाइल बेचने-खरीदने के नाम पर उसे यहां बुलाया गया था।

घायल पुलिस वालों को एआईआईएमएस में भर्ती किया गया है। दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। इसके बाद पता चला कि पुलिस की कार्रवाई में एक अपराधी को गोली लगी है। सभी अपराधी घायल को लेकर पहले पुनपुन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। इसके बाद उसे पीएमसीएच लेकर आए।

यहां से मैक्स फिर पारस अस्पताल पहुंचे। मैक्स अस्पताल में अपराधी की मौत हो गई। उसका नाम हैदर है। हैदर की क्राइम हिस्ट्री है। 3-4 पहले जेल से बाहर आया था। बाकी अपराधियों की भी पहचान कर ली गई है। सभी से पूछताछ की जा रही है। घटना में 4 से 6 अपराधियों की बात सामने आ रही है। पूरी घटना संगत पर के रहने वाले रंजन कुमार के अपहरण से जुड़ी है। संगतपर का रहने वाला रंजन साइबर कैफे चलाता है और ऑनलाइन पुराने मोबाइल की खरीद-बिक्री करता है।

मोबाइल के पैसों के लेनदेन को लेकर 6 हथियारबंद अपराधी कार से आए और रंजन को कॉल कर तालाब के पास बुलाया। वहां अपराधी उसे पास के खेत में ले गए और उसके साथ मारपीट की।

बदमाशों ने युवक से तीन-चार मोबाइल और कैश भी लूट लिया। अपराधी रंजन को अपहरण कर ले जाने लगे।

रायपुर की पोरवाल ऑयल फैक्ट्री में लगी आग

मौके पर पहुंचीं दमकल और पुलिस की टीमें, आसमान में छाया धुएं का गुबार

रायपुर, 13 जून (एजेंसियां)। रायपुर के पोरवाल ऑयल फैक्ट्री में शुक्रवार को आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है। घटना उरला थाना क्षेत्र की है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में सैंपल लेने के दौरान वाल्व बंद नहीं होने से गर्म पदार्थ बाहर बह गया और ऑक्सीजन के संपर्क में आते ही सेल्फ इग्नीशन की प्रक्रिया शुरू हो गई, जिससे आग भड़क उठी।

घटना के दौरान सैंपल ले रहे एक कर्मचारी के हाथ में हल्की चोट आई है। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर में कुछ समय के लिए धुएं का गुबार छाया रहा। फिलहाल, मामले की जांच जारी है। बता दें कि इससे पहले शहर के एमजी रोड स्थित जया ऑटोमोबाइल की बिल्डिंग में भीषण आग लग गई थी। 11 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया था। आग बिल्डिंग की दूसरी और तीसरी मंजिल तक पहुंच गई थी। जेसीबी से शॉप के सामने का हिस्सा तोड़कर फायर कर्मी अंदर घुसे और आग बुझाई गई थी।

नायब तहसीलदार पर रेप केस दर्ज

रायपुर, 13 जून (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस ने नायब तहसीलदार के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। अधिकारी पर शादी का झांसा देकर होटल में शारीरिक संबंध बनाने का आरोप है। अफसर और युवती की पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी।

बातचीत के बाद अधिकारी ने शादी का भरोसा देकर संबंध बनाया। आरोपी है कि युवती जब भी शादी बात करती अधिकारी टालमटोल करता है। फिलहाल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी अफसर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जांच में सामने आया कि नायब तहसीलदार दिवाकर भास्कर वर्तमान में सूरजपुर में पदस्थ है। केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार चल रहा है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई। यह मामला गंज थाना क्षेत्र का है। दरअसल, युवती और नायब तहसीलदार की पहचान सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। इसी दौरान नायब तहसीलदार ने युवती को शादी करने का भरोसा दिया। आरोप है कि अधिकारी ने शादी का वादा कर उसे रायपुर के होटल में बुलाया गया और संबंध बनाए।

पीड़िता का आरोप है कि संबंध बनने के बाद जब उसने शादी को लेकर बात की, तो दिवाकर भास्कर लगातार टालमटोल करने लगे। बाद में उसे एहसास हुआ कि शादी का आश्वासन देकर उसके साथ धोखे से संबंध बनाए गए हैं। इसके बाद उसने गंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

दिवाकर भास्कर वर्तमान में सूरजपुर जिले के लटौरी क्षेत्र में नायब तहसीलदार के पद पर पदस्थ है।

ढाई लाख का ब्राउन शुगर जब्त, 4 गिरफ्तार

बाबा घाट के खंडहर से ड्रग्स तस्कर पकड़े गए, मुख्य सरगना पर 7 केस

चतरा, 13 जून (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अंतरराज्यीय ड्रग्स सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सदर थाना पुलिस की विशेष टीम ने बाबा घाट मैदान स्थित एक खंडहरनुमा मकान में छापेमारी कर ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करते चार तस्करों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान देवरिया निवासी अजीत पांडेय व लौकेश कुमार, बिंड मुहल्ला निवासी मो० इरफान और चुड़ीहार मुहल्ला निवासी मो० एजाज के रूप में की गई है। मुख्य सरगना अजीत पांडेय पर चतरा सदर थाने में एनडीपीएस एक्ट और चोरी के कुल 7 संगीन मामले पहले से दर्ज हैं। जब्त ब्राउन शुगर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब ढाई लाख रुपए आंकी गई है। एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि बाबा घाट मैदान के पास कुछ अपराधी नशे के कारोबार में लिप्त हैं।

सील पैक शराब की बोतल में निकला कीड़ा

भड़के लोगों ने की जांच की मांग, 10 दिनों में दूसरा मामला

सक्ती, 13 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में देसी शराब दुकान से खरीदी गई सीलपैक शराब की बोतल में कीड़ा मिला है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर शराब उपभोक्ताओं में नाराजगी है। उन्होंने पैकेजिंग और निगरानी व्यवस्था की निष्पक्ष जांच की मांग की है। 10 दिनों में यह दूसरा मामला है।

इससे पहले बालोद के तांदुला डैम के पास स्थित देसी शराब दुकान से खरीदी गई रोमियो ब्रांड की शराब की बोतल में कांच के टुकड़े मिले थे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस मामले में आबकारी विभाग ने जांच का आश्वासन दिया था।

दरअसल, डभरा स्थित शासकीय देशी शराब दुकान से गुरुवार को एक व्यक्ति ने प्लेन

ब्रांड का पौवा खरीदा था। पीने के लिए जब उसने बोतल खोली, तो उसमें कीड़ा नजर आया। इसके बाद उसने इसकी शिकायत दुकान के सेल्समैन से की। बाद में इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया।

जो अब तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ बोतल के अंदर कीड़ा दिखाई दे रहा है। वहीं, मामला सामने आने के बाद लोगों का कहना है कि सरकारी दुकानों पर बिकने वाली शराब की क्वॉलिटी अच्छी होनी चाहिए और नियमों को कड़ाई से लागू करना चाहिए। ग्राहकों की सुरक्षा और उनका भरोसा बनाए रखने के लिए सामान की नियमित जांच जरूरी है। जानकारों के अनुसार, पैक सामानों में गड़बड़ी मिलने के पीछे पैकिंग के दौरान लापरवाही, रख-रखाव में कमी या अन्य तकनीकी कारण हो सकते हैं। हालांकि, केवल वायरल फोटो और वीडियो के आधार पर किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा। संबंधित बोतल की लैब टेस्टिंग और जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी।

लोगों ने आबकारी विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शिकायत सही पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

सरकारी स्कूलों में गायत्री मंत्र-सरस्वती वंदना अनिवार्य

कांग्रेस बोली- आरएसएस का एजेंडा लागू किया जा रहा, भाजपा ने कहा- क्या आतंकवाद की ट्रेनिंग दें

रायपुर, 13 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के सभी सरकारी स्कूलों में दिन में तीन बार प्रार्थना और मंत्र-पाठ अनिवार्य किए जाने के आदेश को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस फैसले का विरोध जताया है। कांग्रेस का कहना है कि यह सरकारी स्कूलों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का एजेंडा थोपने की कोशिश है।

कांग्रेस प्रदेश संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि क्या सरकार सरकारी स्कूलों को सरस्वती शिशु मंदिर बनाना चाहती है। क्या आरएसएस के विचारों को सरकारी स्कूलों में लागू करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, भाजपा प्रवक्ता अमित चिनानी ने कहा कि स्कूलों को सरस्वती शिशु मंदिर जैसा न बनाएं तो क्या मदरसा बनाएं? क्या आतंकवाद की ट्रेनिंग दें? कांग्रेस को चाहे जितनी आपत्ति हो, काम भारतीय संस्कृति के अनुसार ही होंगे।

कांग्रेस प्रदेश संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा स्कूल शिक्षा विभाग ने बच्चों के लिए दिन में तीन अलग-अलग समय पर कई मंत्रों और धार्मिक गतिविधियों को अनिवार्य कर दिया है। इसमें भोजन मंत्र, गुरु मंत्र, गायत्री मंत्र और शांति मंत्र शामिल हैं। आखिर सरकारी स्कूलों में इस तरह की अनिवार्यता की जरूरत क्यों है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल किसी एक विचारधारा या धर्म के नहीं हैं। यहां सभी धर्मों, समुदायों और वर्गों के बच्चे शिक्षा ग्रहण करते हैं। ऐसे में किसी विशेष धार्मिक परंपरा से जुड़े मंत्रों को अनिवार्य करना उचित नहीं है।

कांग्रेस ने कहा कि यह फैसला समाज के एक बड़े वर्ग की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है। पार्टी ने सरकार से आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक और वैचारिक प्रयोगशाला नहीं बनाया जाना चाहिए।

बीजेपी सरकार बनने के बाद राज्य में 26 लाख आवास को मिली मंजूरी

कांग्रेस ने कार्यकाल में रोक दी थी स्कीम

रायपुर, 13 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने 'डबल इंजन सरकार' के लाभों पर जोर देते हुए मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर केंद्र-राज्य समन्वय की सराहना की। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, "मैं छत्तीसगढ़ में डबल-इंजन सरकार के दो बड़े फायदे बताऊंगा। डबल-इंजन सरकार की वजह से छत्तीसगढ़ दोगुनी रफ्तार से तरक्की कर रहा है। राज्य को केंद्र सरकार की योजनाओं का पूरा फायदा मिल रहा है।"

अरुण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना को पिछली कांग्रेस सरकार ने रोक दिया था, जिससे 18 लाख गरीब लोग घर से वंचित रह गए। राज्य में हमारी सरकार के आने के बाद

केंद्र सरकार के सहयोग और विशेष समर्थन से प्रधानमंत्री आवास योजना को मंजूरी मिली और इस योजना के तहत 26 लाख घरों को स्वीकृति दी गई है।

पीएम मोदी द्वारा देश के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने का रिकॉर्ड बनाने पर अरुण साव ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यभार संभालने के बाद देश में राजनीति का स्वरूप और दिशा बदल गई है। राजनीति अब प्रदर्शन-आधारित हो गई है। विकास की राजनीति शुरू हो गई है। एनडीए की बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए और मजबूत हुआ है।"

2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी थी। इस दौरान राज्य में पीएम आवास योजना के कार्य को गति नहीं मिली थी।

25 शहरों में आंधी-बारिश, प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज में घुसा पानी

लखनऊ/वाराणसी, 13 जून (एजेंसियां)। यूपी में प्री-मानसून एक्टिव हो गया है। शनिवार सुबह कानपुर-अयोध्या, उन्नाव समेत 25 शहरों में बारिश हुई। वाराणसी में दोपहर साढ़े 12 बजे तूफान आया। इससे होल्डिंग उड़ गई।

प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज परिसर में बारिश का पानी भर गया। जौनपुर, गाजीपुर, बस्ती और बलिया में करीब एक घंटे तक बारिश हुई। इससे पहले, लखनऊ में सुबह 7:45 बजे अंधेरा छा गया। तूफान आया और झमाझम बारिश हुई। कौशांबी, गोरखपुर और उन्नाव में धूलभरी आंधी चली।

हाथरस में इतनी बारिश हुई कि कोतवाली सदर में पानी भर गया। सड़कों पर जलभराव हो गया। कानपुर में घरों में बारिश का पानी घुस गया। हरदोई में भी कई सड़कें पानी से लबालब नजर आईं। बारिश से जुड़े हादसों में 4 लोगों की जान चली गई है।

उन्नाव और गाजीपुर में आकाशीय बिजली गिरने से एक-एक किसान की मौत हो गई। कासगंज में आंधी-बारिश के दौरान मकान का लेंटर गिरने से पति-पत्नी और बेटी की मौत हो गई। आज 54 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 22 शहरों में आंधी-तूफान की चेतावनी जारी की गई है। आईएमडी के मुताबिक, प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हुआ है। इसके असर से प्री-मानसून ने जोर पकड़ लिया है। ऐसे में आंधी और बारिश का सिलसिला फिलहाल जारी रहेगा। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 15 शहरों में बारिश हुई।

ऋषिभिट्टा पहाड़ी के चेकडैम में हाथियों की जलक्रीड़ा

गिरिडीह से धनबाद आया 25 हाथियों का झुंड, वन विभाग कर रहा निगरानी

धनबाद, 13 जून (एजेंसियां)। धनबाद के टुंडी प्रखंड की ऋषिभिट्टा पहाड़ी पर इन दिनों जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड डेरा डाले हुए है। गिरिडीह क्षेत्र से आए लगभग 25 हाथियों का यह दल पिछले एक महीने से यहां मौजूद है।

इस झुंड में पांच छोटे हाथी भी शामिल हैं। हाथियों की उपस्थिति के कारण आसपास के ग्रामीण सतर्क हैं, जबकि वन विभाग उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रख रहा है। शुक्रवार को ऋषिभिट्टा पहाड़ी पर बने चेकडैम में हाथियों की जलक्रीड़ा देखी गई।

दो बच्चों सहित सात हाथी पानी में उतरकर खेलते हुए नजर आए। हाथियों ने अपनी सूंड में पानी भरकर एक-दूसरे पर उड़ेला और काफी देर तक चेकडैम में मस्ती करते रहे। छोटे हाथियों ने भी पानी में उछल-कूद कर आनंद लिया।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, ऋषिभिट्टा पहाड़ी हाथियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन गई है। यहां पर्याप्त मात्रा में भोजन और पानी उपलब्ध है। पहाड़ी के आसपास घने बांस के जंगल हैं, जो हाथियों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। यही कारण है कि हाथियों का झुंड यहां कुछ समय तक रुकना पसंद करता है।

डीएफओ विकास पालीवाल ने बताया कि गिरिडीह, जामताड़ा और हजारीबाग क्षेत्रों से हाथियों का आवागमन सामान्य है। इसे देखते हुए वन विभाग ने पहाड़ी पर चेकडैम का निर्माण कराया है।

गैस रिसाव से चार युवकों की मौत

रामगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के गिद्दी-रामगढ़ सीमावर्ती वन क्षेत्र में एक बंद खदान में गैस रिसाव से चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना तब हुई, जब ये लोग खदान के भीतर उत्खनन कार्य कर रहे थे।

मृतकों की पहचान आशीष रजवार (25), किशोर रवानी (35), देवा कुमार बेदिया (25) और डब्लू बेदिया (30) के रूप में हुई है। घटना के वक्त सबसे पहले एक युवक गैस रिसाव की चपेट में आया और वहीं बेहोश होकर गिर गया।

उसके बाकी तीन साथी उसे बचाने के लिए खदान में उतरे तो वो भी जहरीली गैस की चपेट में आकर वहीं गिर। उनके एक अन्य साथी ने गांव वालों को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलने पर ग्रामीण और पुलिस मौके पर पहुंचे। इसके बाद सीसीएल माइंस रेस्क्यू टीम नईसराय से 14 सदस्य टीम पहुंची। बचाव कार्य के लिए 7 सदस्य माइंस रेस्क्यू टीम अवैध मुहान के अंदर उतरे। लगभग एक घंटे के ऑपरेशन के बाद चारों युवकों को खदान से बहार निकाला गया। चारों युवकों को तत्काल पुलिस की मदद से अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने इनमें से दो को अस्पताल पहुंचने पर मृत बताया। वहीं अन्य दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद, पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को तैनात किया गया है। मृतकों के परिजन भी वहां पहुंच गए हैं। चारों शवों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है ताकि मौत के सही कारणों का पता चल सके।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक व्यक्ति को बचाने के प्रयास में बाकी तीन लोग भी गैस रिसाव की चपेट में आ गए।

रांची में पानी पर सख्ती! बोरिंग कराने से पहले एनओसी अनिवार्य

देना होगा 5000, नहीं तो जब्त होंगी मशीनें

रांची, 13 जून (एजेंसियां)। राजधानी रांची में लगातार गिरते भू-जल स्तर और अवैध डीप बोरिंग की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए रांची नगर निगम ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। अब नगर निगम क्षेत्र में नया बोरिंग कराने से पहले संबंधित व्यक्ति को निगम से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना अनिवार्य होगा। इसके लिए पांच हजार रुपये का शुल्क भी जमा करना पड़ेगा।

नगर निगम प्रशासन ने रांची रिग ऑनर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर स्पष्ट किया कि बिना निगम की अनुमति के किसी भी स्थान पर बोरिंग नहीं कराया जा सकेगा। निगम के अनुसार वर्तमान में शहर में केवल 207 रिग मशीनें ही वैध रूप से पंजीकृत हैं, जबकि कई स्थानों पर बिना अनुमति बोरिंग कराए जाने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इससे भू-गर्भ जल

स्तर पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और कई इलाकों में पुराने बोरिंग फेल हो रहे हैं।

नगर निगम ने कहा है कि जब तक आवेदक पांच हजार रुपये का शुल्क जमा कर एनओसी प्राप्त नहीं करेगा, तब तक उसके घर या परिसर में बोरिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले बोरिंग संचालकों के लाइसेंस रद्द किए जा सकते हैं तथा उनकी मशीनों और वाहनों को जब्त किया जा सकता है।

अवैध बोरिंग गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निगम की रात्रि प्रवर्तन टीमों को विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया है। खासकर रात के समय संचालित होने वाली अवैध बोरिंग पर कड़ी नजर रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

रांची रिग ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश चंद्रा ने भी माना कि शहर में भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिसके कारण कई बोरिंग फेल हो रहे हैं। वहीं नगर निगम के उप महापौर नीरज कुमार ने कहा कि अवैध बोरिंग पर रोक लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जाएगी और बिना एनओसी के कराया गया कोई भी बोरिंग अवैध माना जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नौकरी से दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बनने तक कैसा रहा एलन मस्क का पूरा सफर?

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। एलन मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। उनकी कंपनी स्पेसएक्स लिस्ट होने के साथ ही दुनिया की सातवीं वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। इसने एक ही झटके में मस्क की एक और कंपनी टेस्ला, सऊदी अरामको, फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स और बर्कशायर हैथवे जैसी दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। उसके आगे केवल एनवीडिया, अल्फाबेट, ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐमजॉन और टीएसएमसी ही रह गई हैं। इस कंपनी में मस्क की 42 फीसदी हिस्सेदारी है।

मस्क की अब दो कंपनियां दुनिया की टॉप 10 वैल्यूएबल कंपनियों में शामिल हैं। एक नजर मस्क के करियर पर। मस्क 1.11 ट्रिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। वह एक साथ कई कंपनियां चला रहे हैं। इनमें स्पेसएक्स, टेस्ला, ट्विटर, बोरिंग कंपनी और सोलरसिटी शामिल हैं। इसमें स्पेसएक्स की वैल्यू सबसे अधिक 2.104 ट्रिलियन डॉलर है। मस्क ने जून 2002 में स्पेसएक्स की स्थापना की। मस्क को काम करने का ऐसा जुनून है और वह अब तक करीब 50 प्रोडक्ट्स बना चुके हैं। यह कंपनी साल 2008 में उस समय सुर्खियों में आई जब उसके रॉकेट ने सैटेलाइट को ऑर्बिट में पहुंचाया था। वह ऐसा कारनामा करने वाली दुनिया की पहली प्राइवेट कंपनी थी। मस्क का सपना इंसान को मंगल पर भेजना है और वह इसी मिशन के साथ काम कर रहे हैं। स्पेसएक्स अब तक कुल 673 रॉकेट लॉन्च कर चुकी है। पिछले साल उसने 167 लॉन्च किए थे जबकि इस साल अब तक 68 लॉन्च कर चुकी है।

28 जून 1971 को दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क के लिए सफर कतई आसान नहीं रहा है। मस्क ने महज 12 साल की उम्र में ही अपना पहला प्रॉडक्ट लॉन्च कर दिया था। उनका पहला प्रॉडक्ट ब्लास्टर एक वीडियो गेम था जो उन्होंने साल 1984 में बनाया था। इस सोर्स कोड को उन्होंने 500 डॉलर में बेच दिया था और बाद में यह एक मैगजीन में छपा। इसके बाद मस्क 17 साल की उम्र में कनाडा आ गए। उन्होंने साल 1989 में कनाडा की एक लंबर मिल में बॉयलर रूम क्लीनर के रूप में अपनी पहली नौकरी की थी। इसके लिए उन्हें हर घंटे 18 डॉलर मिलते थे। लेकिन यह नौकरी बहुत खतरनाक थी और हाइपरथर्मिया से बचने के लिए उन्हें हर 15 मिनट में दूसरे वर्कर्स के साथ पोजीशन चेंज करने पड़ती थी। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका आ गए। मस्क दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी टेस्ला के भी सीईओ हैं। इस कंपनी में उनकी 11 फीसदी हिस्सेदारी है। इसी साल फरवरी में उनकी कंपनी स्पेसएक्स ने एआई और सोशल मीडिया कंपनी एक्सएआई को खरीदा था। मस्क पहली बार जनवरी, 2021 में दुनिया के सबसे बड़े रईस बने थे। मस्क ने अक्तूबर 2022 में ट्विटर को खरीदा और उसका नाम बदलकर एक्स कर दिया।

एयर इंडिया ने टाटा को दिया 55,000 करोड़ का घाटा, कैसे होगा बेड़ापार?

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। एयर इंडिया का एक विमान पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद में हादसे का शिकार हो गया था। उसके बाद से कंपनी को पिछले एक साल में करीब तीन अरब डॉलर यानी 28,500 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है। इसे देखते हुए टाटा ग्रुप ने एयर इंडिया को अपने रेकॉर्ड नुकसान को कम करने पर ध्यान देने को कहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयर इंडिया विमानों की डिलीवरी टालने, उड़ानें कम करने और विस्तार की योजनाओं को आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है।

रणनीति में यह बदलाव कंपनी की महत्वाकांक्षी विकास योजना से एकदम अलग है। इस कटौती में लागत कम करने के कई प्रयास शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि कंपनी एयरबस और बोइंग के साथ बातचीत कर रही है ताकि पहले ऑर्डर किए गए 500 विमानों की डिलीवरी की गति धीमी की जा सके। इससे एयर इंडिया डिलीवरी के समय किए जाने वाले बड़े भुगतान को टाल सकेगी।

एयर इंडिया की चुनौती

एयर इंडिया साथ ही नई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की योजनाओं की भी समीक्षा कर रही है, कुछ रूट कम कर रही है और कुछ हवाई अड्डों पर सेवाएं शुरू करने में देरी कर रही है। इनमें नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी शामिल है। एयर इंडिया की कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है जिससे उसे भारी नुकसान हआ है। इस कारण उसे अपनी महत्वाकांक्षी योजनाओं पर ब्रेक लगाना पड़ रहा है। पिछले साल जून में अहमदाबाद में हुए क्रैश, पाकिस्तान के भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने और ईरान युद्ध के कारण उड़ानें बाधित हुईं, लंबे रूट लेने पड़े और ईंधन का खर्च बढ़ गया। रुपये में गिरावट ने भी उसकी वित्तीय मुश्किलों को बढ़ा दिया क्योंकि एयरलाइन का अधिकांश खर्च डॉलर में होता है।

कुल घाटा

टाटा ग्रुप ने 2022 में एयर इंडिया को खरीदा था। एयर इंडिया को 2022 से अब तक 55,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा हो चुका है। यह नुकसान टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड के लिए चिंता का एक बड़ा विषय है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के पास एयर इंडिया की ज्यादातर हिस्सेदारी है। सिंगापुर एयरलाइंस ने 2024 में एयर इंडिया में 25.1% हिस्सेदारी खरीदी थी। टाटा ग्रुप चाहता है कि एयर इंडिया अपनी ग्रोथ स्ट्रैटजी को थोड़ा धीमा करे, अपने कामकाज को स्थिर करने तथा लागत कम करने के उपायों को लागू करने पर ध्यान दे। हालांकि एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन अपने बेड़े को आधुनिक बनाने और बदलाव की अपनी दीर्घकालिक योजना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। टाटा और एयरबस ने टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। बोइंग के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बायजू रवींद्रन को सिंगापुर की अदालत से राहत

छह साल जेल की मिली थी सजा, 15 जून तक करना था सरेंडर

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। सिंगापुर उच्च न्यायालय ने शिक्षा-प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन के खिलाफ अदालत की अवमानना मामले में दी गई छह महीने की सजा पर रोक लगा दी है। शुक्रवार को रवींद्रन ने एक बयान में यह जानकारी दी।अदालत ने 25 मई, 2026 के आदेश में कथित रूप से खुलासा संबंधी निर्देशों का पालन न करने पर रवींद्रन को छह महीने की कैद की सजा सुनाई थी और उन्हें 15 जून तक आत्मसमर्पण करने को कहा था। हालांकि, उनके खिलाफ कोई गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं किया गया था।

बयान के मुताबिक, सिंगापुर उच्च न्यायालय की सामान्य पीठ ने 10 जून, 2026 को रवींद्रन की याचिका पर सुनवाई करते हुए 25 मई के अवमानना आदेश के तहत जारी गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण से जुड़े निर्देशों पर रोक लगा दी। इस फैसले के बाद रवींद्रन को अब आत्मसमर्पण करने की आवश्यकता नहीं है और उनकी सजा फिलहाल लागू नहीं होगी। अदालत ने रवींद्रन को 90,000 सिंगापुर डॉलर (करीब 70,500 अमेरिकी डॉलर) का कानूनी खर्च अदा करने और सिंगापुर स्थित 'बीईएआर इन्वेस्टको पीटीई' इकाई में उनकी हिस्सेदारी से जुड़े दस्तावेज पेश करने का भी निर्देश दिया था। बयान में कहा गया कि अवमानना के निष्कर्ष के खिलाफ अपील भी दायर की गई है।

रवींद्रन ने बयान में कहा कि पक्षकारों के आपसी समझौते के प्रयासों में लगे होने के बीच गड़बड़ी की भ्रामक धारणा बनाने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'मैं उचित कानूनी प्रक्रिया के जरिए इस धारणा को ठीक करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। न तो मैंने और न ही अन्य संस्थापकों ने कथित विवादित राशि का कोई हिस्सा व्यक्तिगत रूप से प्राप्त किया है। इसके विपरीत, मेरे परिवार और मैंने कंपनी में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक की निजी पूंजी लगाई है।' यह मामला कतर निवेश प्राधिकरण (क्यूआईए) की एक सब्सिडियरी ने दायर किया था, जिसने कंपनी में फंडिंग दौर में निवेश किया था।

एचयूएल और नेस्ले के नए एमडी को मिली 26 करोड़ से ज्यादा तक की सैलरी, पुराने बॉस से 44% ज्यादा मिला पैकेज

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय एफएमसीजी सेक्टर की दो सबसे बड़ी कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और नेस्ले इंडिया ने अपने नए मैनेजिंग डायरेक्टर्स को 2026 फाइनेंशियल ईयर में उनसे पहले इस पद पर रहे लोगों की तुलना में काफी ज्यादा सालाना सैलरी दी है। यह अहम जानकारी कंपनियों की हालिया सालाना रिपोर्ट से सामने आई है।

दोनों कंपनियों ने अगस्त 2025 में अपने नए प्रमुख नियुक्त किए। इन नए अधिकारियों को एक अच्छा सैलरी पैकेज दिया गया है, जिसमें फिक्स्ड पे, अलाउंस और परफॉर्मेंस-बेस्ड इंसेंटिव शामिल हैं।

एचयूएल की प्रिया नायर की कमाई में 26% का उछाल

प्रिया नायर ने 1 अगस्त, 2025 को एचयूएल की मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ का पद संभाला। 2026 फाइनेंशियल ईयर के दौरान, उन्हें कुल 18.19 करोड़ की सैलरी मिली जिसमें पीएफ कॉन्ट्रिब्यूशन शामिल नहीं है। इसमें 2.50 करोड़ की बेसिक सैलरी, 9.51 करोड़ के अलाउंस, 1.70 करोड़ का बोनस

और 4.48 करोड़ के लॉन्ग-टर्म इंसेंटिव शामिल थे। इसके उलट, उनसे पहले इस पद पर रहे रोहित जावा को उसी दौरान 14.44 करोड़ मिले थे। इस तरह, प्रिया नायर की सैलरी उनसे पहले वाले अधिकारी की तुलना में लगभग 26% ज्यादा थी।

नेस्ले के मनीष तिवारी को मिला 26 करोड़ से ज्यादा का पैकेज

मनीष तिवारी ने 1 अगस्त, 2025 को नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर का पद संभाला। वित्त वर्ष 2026 में उन्हें कुल 26.06 करोड़ का बड़ा वेतन-भत्ता मिला। उनके पैकेज में 9.95 करोड़ का वेतन और भत्ते, तथा 13.6 करोड़ का परफॉर्मेंस-लिंक्ड इंसेंटिव शामिल था। इसके उलट, पूर्व चेयरमैन सुरेश नारायणन, जो 31 जुलाई, 2025 को रिटायर हुए थे।

बबल है या नहीं, यह तो समय ही बताएगा, उदय कोटक ने स्पेसएक्स की वैल्यूएशन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,13 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की शुक्रवार को शेयर बाजार में धमाकेदार लिस्टिंग हुई। इसके साथ ही यह 2.104 ट्रिलियन डॉलर के साथ ही दुनिया की सातवीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी बन गई। कंपनी की वैल्यूएशन उसके 2025 के रेवेन्यू से करीब 100 गुना ज्यादा है।

इसके साथ ही मस्क दुनिया के पहला ट्रिलियनेयर बन गए हैं । इस बीच भारतीय अरबपति बैंकर उदय कोटक ने इस पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि क्या निवेशक इंसानियत के भविष्य पर दांव लगा रहे हैं या वे एक मेगा बबल बनते हुए देख रहे हैं? कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर ने कहा कि स्पेसएक्स की लिस्टिंग कैपिटेलिज्म यानी पूंजीवाद के लिए एक असली परीक्षा है। उन्होंने तर्क दिया कि कंपनी के वैल्यूएशन को पारंपरिक तरीकों से नहीं समझा जा सकता। उन्होंने कहा कि यह वैल्यूएशन किसी भी पारंपरिक पैमाने पर फिट नहीं बैठता और यह पृथ्वी के भविष्य की दिशा पर एक बहुत बड़ा दांव है।

मस्क की तारीफ

कोटक ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'यह केवल समय ही बताएगा कि क्या हम उस परीलोक वाली दुनिया में पहुंच गए हैं जिसके बारे में हमने बचपन में सुना था या फिर हम किसी 'मेगा बबल' में हैं।' हालांकि उन्होंने इसे संभव बनाने के लिए मस्क और अमेरिका दोनों की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'चाहे जो भी हो, उस व्यक्ति की तारीफ होनी चाहिए जो एक प्रवासी के तौर पर आया और उस देश की भी जिसने इतनी जोखिम भरी चीजों के बावजूद ऐसी असीम क्रिएटिविटी को फलने-फूलने का मौका दिया।'

धमाकेदार लिस्टिंग

स्पेसएक्स की शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई। कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस 135 डॉलर से 11 फीसदी ऊपर 150 डॉलर पर लिस्ट हुआ। कारोबार के दौरान यह 176.52 डॉलर तक उछला और अंत में 19 फीसदी तेजी के साथ $160.95 पर बंद हुआ। पूरे सेशन के दौरान निवेशकों की जबरदस्त मांग देखने को मिली और लिस्टिंग के दिन 50 करोड़ से ज्यादा शेयरों का लेन-देन हुआ।

मोगावीरा सहकारी बैंक पर आरबीआई की बड़ी कार्रवाई

खाताधारकों के लिए पैसा निकलने की तय हुई लिमिट

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने मोगावीरा सहकारी बैंक, मुंबई की वित्तीय स्थिति में गिरावट को देखते हुए इसपर कई पाबंदियां लगा दी हैं। इसके तहत खाताधारकों के लिए पैसे निकालने की अधिकतम सीमा एक लाख रुपये निर्धारित की गई है।

आरबीआई ने एक बयान में कहा कि ये पाबंदियां शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद से लागू हुईं, जो छह महीने की अवधि के लिए प्रभावी होंगी। हालांकि, इनकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। बयान के अनुसार, सहकारी बैंक अब कोई भी ऋण और उधार को मंजूर नहीं दे सकेगा और न ही मौजूदा ऋणों का नवीनीकरण कर पाएगा। इसके अलावा, बैंक किसी प्रकार का निवेश नहीं कर सकेगा, कोई नयी देनदारी नहीं ले सकेगा तथा उधार लेने और नए जमा स्वीकार करने पर भी रोक रहेगी।

बयान में कहा गया, ''बैंक की वर्तमान नकदी स्थिति को देखते हुए उसे निर्देश दिया गया है कि वह किसी भी जमाकर्ता को उसके बचत, चालू अथवा अन्य किसी खाते से अधिकतम एक लाख रुपये तक की निकासी की अनुमति दे।'' आरबीआई ने कहा कि बैंक के कामकाज में सुधार के लिए वह लगातार उसके निदेशक मंडल और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ संपर्क में था।बयान में कहा, ''हालांकि, बैंक ने निगरानी संबंधी चिंताओं को दूर करने और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। इसी कारण ये निर्देश जारी करना आवश्यक हो गया।''

धड़ाम हुए हाथरस की हींग के दाम

ईरान–अमेरिका युद्ध का ऐसा असर, कीमतें 5000 तक गिरीं

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में 'एक जिला एक उत्पाद' में शामिल यहां की बनी हींग का जायका दुनिया भर में मशहूर हो रहा है। खाद्य सामग्री में चुटकी भर हाथरस की हींग का उपयोग वह स्वाद बनात है कि लोग इसके मुरीद हो जाते हैं। हींग की कीमतों में पिछले करीब एक साल में काफी गिरावट आई है।

कई देशों से आता है हींग का कच्चा माल

हाथरस में हींग बनाने में उपयोग किया जाने वाला दूध (रेजिन) अफगानिस्तान, तजाकिस्तान, कजाकिस्तान और इराक आदि देशों से आता है। इस कच्चे माल का उपयोग करके हाथरस में ऐसी हींग बनाई जाती है जो भोजन को लजीज बना देती है। हाथरस में बनी हुई हींग जहां देश के कोने-कोने में जाती है, वहीं विदेशों में भी लोगों को इसका तड़का बहुत भाता है।

हींग कारोबार का 50 से 60 करोड़ का टर्नओवर

हाथरस जिले में हींग की एक दर्जन से अधिक बड़ी फैक्ट्रियां हैं। इसके अलावा जिले भर में कुटीर उद्योग के रूप में भी हींग का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। इस कारोबार से करीब 2 से 3 हजार मजदूर जुड़े हुए हैं। जिले में हींग कारोबार का टर्नओवर 50 से 60 करोड़ रुपए प्रति

वर्ष से अधिक का बताया जाता है।

हींग के दाम में पांच हजार रुपये किलो की गिरावट

हालांकि इस वक्त हींग की कीमतों काफी नीचे आ गई हैं। इसकी मुख्य वजह अफगानिस्तान में अधिक पैदावार होना है।

इसके अलावा अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते पुराने स्टॉक की वजह से हींग के दामों में भारी गिरावट देखी जा रही है। जहां हाथरस में कुछ माह पहले नुकरा हींग के दाम 20 हजार रुपए प्रति किलो थे, वहीं अब यह घटकर करीब 15 हजार प्रति किलो हो गए हैं। हींग दूध के दामों में भी कमी आई है। अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, तजाकिस्तान से आने वाला हींग दूध जो कि 15 हजार रुपये के आसपास आता था, अब वह 9 हजार रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसकी कीमतों में करीब 2 हजार से 3 हजार रुपये की गिरावट देखने को मिली है।

ईरान से आने वाली हींग के दाम बढ़े

हींग निर्माता पारस हींग इंटरप्राइजेज के मालिक विशाल अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण ईरान से आने वाली हींग के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिली है, वहीं अफगानिस्तान, कजाकिस्तान और तजाकिस्तान से आने वाली हींग के दामों में काफी गिरावट आई है।

नुकरा हींग के रेट में पिछले एक साल में प्रति किलोग्राम पर 4 से 5 हजार रुपये की गिरावट आ गई है। उन्होंने बताया कि, दाम घटने का एक मुख्य कारण यह भी है कि फसल ज्यादा हो रही है और एक हाईब्रीड हींग का उत्पादन भी बढ़ गया है। वह असली हींग को मार्केट में टक्कर दे रही है। इसके कारण रेट में काफी गिरावट आई है। इसके कारण हींग बाजार में काफी सस्ती हो गई है।

'भारत वैश्विक झटकों से निपटने को तैयार

आर्थिक बुनियाद मजबूत'; बोले अनंत नागेश्वरन

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत का बाहरी क्षेत्र अब काफी मजबूत हो गया है। देश की व्यापक आर्थिक बुनियाद वैश्विक झटकों का सामना करने के लिए बेहतर स्थिति में है। एक आयोजन के दौरान नागेश्वरन ने बताया कि बाहरी क्षेत्र के जोखिमों में काफी कमी आई है।

भारतीय रिजर्व बैंक को रुपये को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करने का दबाव भी कम है। उन्होंने कहा कि बाहरी मोर्चे पर सबसे कठिन दौर अब पीछे छूट चुका है। हाल के वैश्विक संकटों के दौरान विवेकपूर्ण आर्थिक प्रबंधन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेपों से यह बेहतर स्थिति बनी है। नागेश्वरन ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के 6.6 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि अनुमान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की आर्थिक स्थिति नियंत्रण में है। 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश को लंबे समय तक लगभग आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी।

हालांकि, उन्होंने कुछ संभावित चुनौतियों का भी जिक्र किया। यदि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो आर्थिक वृद्धि पर असर पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने पर भी विकास दर प्रभावित होगी। ऐसी स्थिति में वृद्धि दर घटकर करीब छह प्रतिशत तक आ सकती है। रोजगार और तकनीक के विषय पर नागेश्वरन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को ऐसे कौशल विकसित करने होंगे जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ काम कर सकें। इससे वे स्वचालन के कारण होने वाले बदलावों से कम प्रभावित होंगे। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक सामान्य तकनीक बन जाएगी। भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के लिए मजबूत प्रतिभा आधार और बड़े आंकड़े संसाधन चाहिए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सूर्य	वृष	में
चंद्र	वृष	में
मंगल	मेष	में
बुध	मिथुन	में
गुरु	कर्क	में
शुक्र	कर्क	में
शनि	मीन	में
राहु	कुंभ	में
केतु	सिंह	में

लग्नारंभ समय

वृष	03-50 बजे
मिथुन	05-40 बजे
कर्क	08-03 बजे
सिंह	10-15 बजे
कन्या	12-22 बजे
तुला	14-27 बजे
वृश्चिक	16-37 बजे
धनु	18-51 बजे
मकर	20-57 बजे
कुंभ	22-47 बजे
मीन	00-26 बजे
मेष	02-02 बजे
[illegible]	03-46 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-45**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -47**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष रविवार **14 June 2026**
तिथि - चतुर्दशी **12-19** तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - रोहिणी **22-13** रात्रि तक उप मृगशिरा
योग. - धृति **13-15** तक उप शूल
करण - शकुनि **12-19** तक उप चतुष्पाद

विशेष: पितृ कार्ये अमावस्या
सोमवार को सोमवती अमावस्या

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
17-12 से
18-50 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा अतापुर **Ph. 9247132654**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05-45 - 07-21	अशुभ	शुभ।	18-47 - 20-12	शुभ
चंचल	07-21 - 08-59	शुभ	अमृत	20-12 - 21-33	शुभ
लाभ	08-59 - 10-38	शुभ	चंचल	21-33 - 22-55	शुभ
अमृत	10-38 - 12-17	शुभ	रोग	22-55 - 00-17	अशुभ
काल	12-17 - 13-55	अशुभ	काल	00-17 - 01-38	अशुभ
शुभ	13-55 - 15-33	शुभ	लाभ	01-38 - 02-59	शुभ
रोग	15-33 - 17-12	अशुभ	उत्पात	02-59 - 04-21	अशुभ
उत्पात	17-12 - 18-47	अशुभ	शुभ	04-21 - 05-45-	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आपको कोई ऐसा दोस्त आज मिलेगा जो आपकी सब स्वास्थ्य आवश्यकताओं का ध्यान रखेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा ।आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है । आपके निवेश पर अच्छा लाभ मिलेगा ।किसी भी तरह के विवाद से बचें .आपका स्पष्टीकरण मुद्दों को जटिल ही करेगा । आप कुछ नया सीखना चाहते हैं,इससे आपको औरो के मुकाबले तरजीह मिलेगी,चाहे आप केवल साधारण रूप से गिटार ही सीखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है ।आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे । कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे | अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चो पर भी नजर रखें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

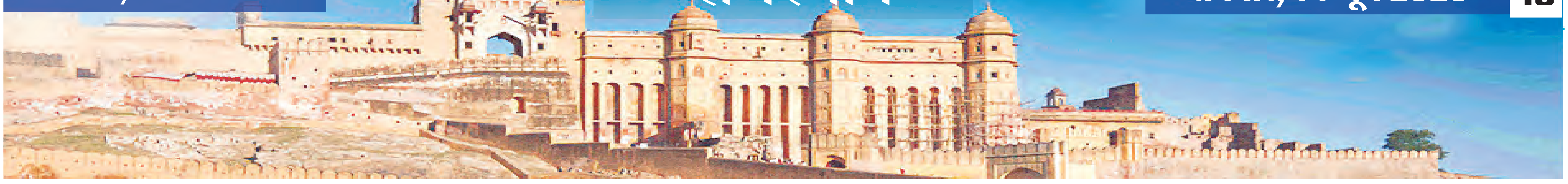

लोन समय से पहले बंद करने पर बैंक ने वसूला अवैध चार्ज

> एसबीआई को आरबीआई की गाइडलाइन की अनदेखी पड़ी महंगी

झुंझुनूं, 13 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की गाइडलाइन की अनदेखी करना भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को भारी पड़ गया। दरअसल राजस्थान में झुंझुनूं जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एक अहम फैसले में एसबीआई सीकर को उपभोक्ता से अवैध रूप से वसूले गए 14,978 रुपये प्री-क्लोजर चार्ज ब्याज सहित लौटाने, 55 हजार रुपये मुआवजा देने, 7,500 रुपये वाद व्यय चुकाने और 25 हजार रुपये की विशेष शास्ति जमा कराने के आदेश दिए हैं। कहा जा रहा है कि यह फैसला बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है।

क्या था पूरा मामला

सरकारी सूत्रों ने बताया कि झुंझुनूं जिले में नवलगढ़ क्षेत्र निवासी सुभाषचंद्र ने एसबीआई सीकर से लिए गए व्यक्तिगत ऋण का शेष भुगतान कर खाता बंद कराने के लिए बैंक से संपर्क किया। बैंक कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि ऋण की बकाया राशि 28,323 रुपये है और उनके बचत खाते से यह राशि काटकर ऋण खाता बंद कर दिया गया। बाद में खाते का विवरण देखने पर पता चला कि वास्तविक बकाया केवल 13,345 रुपये था, जबकि 14,978 रुपये प्री-क्लोजर के नाम पर अतिरिक्त वसूल लिए गए।

शिकायत के बाद भी नहीं मिली राहत

परिवादी ने कई बार बैंक अधिकारियों से अतिरिक्त राशि वापस करने की मांग की, लेकिन कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने झुंझुनूं जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया।

बैंक ने दिया अनुबंध का हवाला

सुनवाई के दौरान एसबीआई ने दलील दी कि ऋण अनुबंध की शर्तों के अनुसार प्री-पेमेंट चार्ज लिया गया है। हालांकि आयोग ने माना कि आरबीआई की स्पष्ट गाइडलाइन के अनुसार व्यक्तिगत ऋणों के फोरक्लोजर या समयपूर्व भुगतान पर बैंक किसी भी प्रकार का प्री-क्लोजर चार्ज नहीं वसूल सकते।

आयोग ने माना सेवा में कमी

जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील एवं सदस्य प्रमेंद्र कुमार सैनी ने अपने निर्णय में कहा कि बैंक ने आरबीआई के निर्देशों की अनदेखी करते हुए उपभोक्ता से अवैध वसूली की और शिकायत के बावजूद उसका समाधान नहीं किया। इसे सेवा में कमी, अनुचित व्यापार व्यवहार और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन माना गया।

जिम्मेदार कर्मचारियों से भी हो सकती है वसूली

आयोग ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि यदि बैंक प्रबंधन चाहे तो उपभोक्ता को हुई क्षति और विशेष शास्ति की राशि के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इसकी वसूली कर सकता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि व्यक्तिगत ऋण का समय से पहले भुगतान करने पर बैंक मनमाने ढंग से प्री-क्लोजर चार्ज नहीं वसूल सकते। यदि कोई बैंक आरबीआई के नियमों के विपरीत शुल्क लेता है और शिकायत के बाद भी राहत नहीं देता, तो उपभोक्ता जिला उपभोक्ता आयोग में जाकर न्याय प्राप्त कर सकते हैं।

आयोग ने एसबीआई को ये दिए निर्देश

- > वह प्री-क्लोजर चार्ज के रूप में वसूले गए 14,978 रुपये वापस करे।
- > इस राशि पर 3 मार्च 2025 से भुगतान की तिथि तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे।
- > मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना के लिए 55,000 रुपये मुआवजा अदा करे।
- > 7,500 रुपये वाद व्यय के रूप में भुगतान करे।
- > 25,000 रुपये की विशेष शास्ति राजस्थान राज्य उपभोक्ता कल्याण कोष में जमा कराए।

जमीनी विवाद में जमकर गोलीबारी

ताबड़तोड़ फायरिंग में नौ घायल, पांच की हालत गंभीर

भरतपुर, 13 जून (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के कामां थाना क्षेत्र के गांव मुरार में जमीनी विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच लंबे समय से चल रही रंजिश अचानक हिंसक झड़प में बदल गई, जहां एक पक्ष द्वारा की गई ताबड़तोड़ फायरिंग में महिलाओं सहित कुल 9 लोग घायल हो गए। इनमें 5 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में ले लिया है।

लंबे समय से चल रहा विवाद बना हिंसा की वजह

जानकारी के अनुसार, गांव मुरार में सर्वसुख और सोहनलाल पक्ष के बीच भूमि को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई।

आरोप है कि एक पक्ष ने हथियार निकालकर दूसरे पक्ष पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। फायरिंग की इस घटना में सर्वसुख पक्ष के 7 लोग तथा सोहनलाल पक्ष के 2 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को तुरंत कामां के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने सर्वसुख पक्ष के 5 घायलों की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं सोहनलाल पक्ष के दोनों घायलों का इलाज कामां अस्पताल में जारी है।

चलती बाइक पर हमला कर परिवार को किया लहूलुहान

सोने की चेन और नकदी लूटकर बदमाश फरार

दौसा, 13 जून (एजेंसियां)। दौसा जिले के लालसोट के रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र में मोटर साईकिल सवार युवक के साथ बदमाशो ने लाठी सरियों से मारपीट कर सोने की चैन और नगदी लूटने की घटना सामने आई है। कोलीवाड़ा गांव निवासी सोहन लाल सैनी ने पुलिस को सौंपी रिपोर्ट में बताया कि रात करीब 9:30 से 10:00 बजे के बीच पत्नी नारंगी देवी, पुत्र अनिल सैनी और पुत्री अंजली सैनी एक सामाजिक कार्यक्रम से बाइक पर अपने घर लौट रहे थे। सलेमपुरा से पहले बामन का नाला के पास तीन युवकों ने उनकी बाइक रोकने का प्रयास किया। जब बाइक नहीं रुकी, तो आरोपियों में शामिल मानपुरिया निवासी दिलराज उर्फ दिल्लू मीणा ने चलती बाइक पर लाठी से अनिल सैनी के सिर पर वार कर दिया। इस हमले से अनिल गंभीर रूप से घायल हो गए और बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई। घटना में नारंगी देवी और अंजली सैनी को भी चोटें आईं। आरोप है कि इसके बाद तीनों युवकों ने नारंगी देवी के गले से करीब एक तोला सोने की चेन और अनिल सैनी की जेब से लगभग 7,500 रुपये लूट लिए।

ट्रैक्टर की किश्त ने बनाया पति-पत्नी को कातिल

मां-बेटी की हत्या कर लूटे जेवर; 13 दिन बाद खुला राज

प्रतापगढ़, 13 जून (एजेंसियां)। ट्रैक्टर की किस्त चुकाने और आर्थिक तंगी से उबरने की चाह ने एक दंपती को ऐसा अपराधी बना दिया कि उन्होंने अपने ही परिवार की दो महिलाओं की बेरहमी से हत्या कर दी। प्रतापगढ़ जिले के देवगढ़ थाना क्षेत्र में हुए चर्चित मां-बेटी हत्याकांड और लूट के मामले का पुलिस ने 13 दिन बाद खुलासा करते हुए मृतका के देवर बाबूलाल मीणा और उसकी पत्नी गेंदाबाई को गिरफ्तार कर लिया है। 29 मई को सामने आए इस हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर दिया था। मृतका मानकी बाई और उसकी बेटी कला उर्फ कमला घर में खून से लथपथ मिली थीं। वारदात के समय परिवार के पुरुष सदस्य मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे। बड़ी बेटी लाली शादी समारोह में शामिल होने गई थी और लौटने पर उसने मां और बहन को लहूलुहान हालत में देखा था।

बीकानेर-कोटा प्रसूता प्रकरण

कई महिलाएं अब भी गंभीर, दवाओं की जांच रिपोर्ट का इंतजार

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर और कोटा के सरकारी अस्पतालों में प्रसव के बाद महिलाओं की मौत और गंभीर रूप से बीमार होने के मामलों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। दोनों शहरों में कई महिलाएं अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। कुछ मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है और वे डायलिसिस व वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। वहीं, स्वास्थ्य विभाग को दवाओं के नमूनों की जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में प्रसव के बाद गंभीर रूप से बीमार हुई छह महिलाओं में से दो की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि शारदा की स्थिति सबसे गंभीर है। उसे दिमाग की नसों में खून के थक्के जमने की बीमारी (सीवीटी) हो गई है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है।

दूसरी मरीज प्रीति का लगातार डायलिसिस किया जा रहा है। किडनी संबंधी जटिलताओं के साथ उसकी आंखों पर असर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि इसकी पुष्टि उसके होश में आने के बाद ही हो सकेगी। वहीं, एक अन्य मरीज तारा की हालत में सुधार हुआ है और उसे जल्द अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। मामले की जांच के लिए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्तर पर गठित तीन समितियों ने अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंप दी है। रिपोर्ट में दिए गए सुझावों को लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इधर, प्रसव और सिजेरियन डिलीवरी में इस्तेमाल होने वाली 27 दवाओं और इंजेक्शनों के नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी लंबित है। अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट मिलने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि किसी दवा की भूमिका महिलाओं की बिगड़ती हालत में रही या नहीं।

फर्जी डिग्री केस में बांसवाड़ा विधायक जयकृष्ण पटेल पर एसओजी का शिकंजा

> खुलासों से मचा सियासी तूफान

बांसवाड़ा, 13 जून (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र से भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शिक्षक भर्ती में कथित रूप से फर्जी बीए डिग्री का उपयोग कर सरकारी नौकरी हासिल करने के आरोप में राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एक ही समय में तीन-तीन डिग्रियों का दावा

एसओजी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जयकृष्ण पटेल ने एक ही शैक्षणिक सत्र के दौरान राजस्थान, गुजरात और सिक्किम की विभिन्न विश्वविद्यालयों से स्नातक (बीए) की डिग्रियां प्राप्त करने का दावा किया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि शिक्षक भर्ती के समय अधिक अंक दर्शाने वाली डिग्री का उपयोग कर सरकारी शिक्षक पद पर नियुक्ति हासिल की गई।

शिक्षा और डिग्रियों पर गंभीर सवाल

जांच में यह भी सामने आया है कि पटेल ने वर्ष 2007 से 2010 के बीच राजस्थान की सुखाड़िया विश्वविद्यालय में नियमित छात्र के रूप में अध्ययन किया था। इसी दौरान सिक्किम स्थित ईआईआईएलएम यूनिवर्सिटी से भी बीए की डिग्री प्राप्त करने का दावा किया गया। इसके अलावा वर्ष 2012 में गुजरात की कालोरेक्स टीचर्स यूनिवर्सिटी से एक अन्य बीए डिग्री हासिल करने के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए। आरोप है कि इन शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के आधार पर सरकारी सेवा प्राप्त की गई और कई वर्षों तक सरकारी शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए वेतन लिया गया। वर्ष 2023 में विधायक बनने से पहले जयकृष्ण पटेल ने सरकारी सेवा से इस्तीफा दे दिया था।

चुनावी हलफनामे भी जांच के घेरे में

सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव और बाद के उपचुनाव के दौरान दाखिल किए गए शपथ पत्रों में भी संबंधित डिग्रियों का उल्लेख किया गया था। जांच एजेंसियां अब इन दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही हैं। एसओजी ने पटेल के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पहले भी विवादों में रहे विधायक

जयकृष्ण पटेल इससे पहले वर्ष 2025 में भी चर्चा में रहे थे। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने उन्हें विधानसभा में प्रश्न लगाने के बदले कथित रूप से रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उस मामले में वे करीब तीन महीने तक जेल में भी रहे थे।

जयपुर में 'कॉकरोच जनता पार्टी' का धमाका

युवाओं का गुस्सा बना आंदोलन, 15 जून को प्रदर्शन की चेतावनी

जयपुर, 13 जून (एजेंसियां)। जयपुर पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष राका ने अमर उजाला से विशेष बातचीत में संगठन की सोच, युवाओं के मुद्दों और आगामी आंदोलन की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि पार्टी की शुरुआत किसी बड़े राजनीतिक एजेंडे या पूर्व-नियोजित रणनीति के तहत नहीं हुई, बल्कि यह युवाओं के भीतर वर्षों से जमा आक्रोश का परिणाम है, जो सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से सामने आया।

युवाओं के आक्रोश पर बड़ा बयान

राका ने कहा कि आज देश का युवा अवसरों की कमी, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं और समान अवसर न मिलने से परेशान है। ऐसे में युवाओं का आक्रोश स्वाभाविक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा युवाओं को देश की महत्वपूर्ण शक्ति बताए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि युवा वास्तव में सरकार की प्राथमिकता हैं, तो उनकी आवाज को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि इससे युवाओं में सकारात्मक संदेश जाएगा कि सरकार उनकी चिंताओं को समझ रही है।

'कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं'

कॉकरोच जनता पार्टी के उद्देश्य पर बोलते हुए राका ने स्पष्ट किया कि संगठन का कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। उनका दावा है कि यह केवल युवाओं की आवाज को मंच देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि देश में पेपर लीक, भर्ती घोटाले और बेरोजगारी जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं और इन मुद्दों पर प्रभावी आवाज उठाने की आवश्यकता थी, जिसे युवाओं ने स्वयं आगे बढ़कर किया है।

पुराने संगठनों पर सवाल

एनएसयूआई और एबीवीपी जैसे छात्र संगठनों की मौजूदगी के बावजूद नए मंच की जरूरत क्यों पड़ी, इस सवाल पर राका ने कहा कि प्लेटफॉर्म तो पहले भी थे, लेकिन युवाओं को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। उन्होंने कहा कि सीजेपी किसी एक व्यक्ति का संगठन नहीं, बल्कि युवाओं का सामूहिक आंदोलन है।

राजस्थान में पेपर लीक बना आंदोलन की वजह

जयपुर को आंदोलन की शुरुआत के लिए चुनने के पीछे उन्होंने राजस्थान में लगातार सामने आए पेपर लीक मामलों को प्रमुख कारण बताया। राका ने कहा कि जिस प्रदेश की पहचान कभी शिक्षा, इंजीनियरिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए होती थी, आज वह पेपर लीक की घटनाओं के कारण चर्चा में है।

सरकार पर जिम्मेदारी और 15 जून का बड़ा प्रदर्शन

उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं पिछली सरकारों के दौरान भी हुई हैं, लेकिन वर्तमान सरकार से सवाल इसलिए पूछे जा रहे हैं क्योंकि सत्ता में वही है। राका ने कहा कि जिम्मेदारी वर्तमान सरकार की है और उसे ही समाधान देना होगा। उन्होंने 15 जून को जयपुर के शहीद स्मारक पर शांतिपूर्ण महाप्रदर्शन में बड़ी संख्या में युवाओं से शामिल होने की अपील की।

पत्नी की जंग लाई रंग, रिहाई के बाद भी 53 दिन जेल में बंद पति को हाईकोर्ट से दिलाया न्याय

जोधपुर, 13 जून (एजेंसियां)। 'किसी नागरिक को कानूनी रूप से रिहाई का अधिकार मिलने के बाद भी हिरासत में रखना केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर देश के संविधान की भावना पर एक बड़ा प्रहार है।' देश के नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और उनके संवैधानिक अधिकारों को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने यह बेहद तल्ख और अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट के जस्टिस फरजंद अली की खंडपीठ ने नागौर जिले के एक संवेदनशील मामले की सुनवाई करते हुए राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने साफ किया कि न्याय व्यवस्था में इस तरह की अनदेखी को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, यह मामला नागौर जिले के देह इलाके का है। यहां के निवासी घमंडनाथ के खिलाफ सरकारी भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई थी, जिसके तहत उन्हें सिविल कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस सजा के खिलाफ घमंडनाथ ने अपील दायर की। मामले की गंभीरता को देखते हुए अजमेर के अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने 15 अप्रैल 2026 को ही सजा के संचालन को स्थगित करते हुए उनकी तुरंत रिहाई के आदेश जारी कर दिए थे। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की घोर लापरवाही का आलम यह रहा कि इस आदेश के बावजूद पीड़ित घमंडनाथ को जेल से रिहा नहीं किया गया और उन्हें करीब 53 दिनों तक अवैध रूप से हिरासत में रखा गया।

पत्नी को लगानी पड़ी हाईकोर्ट में गुहार

सक्षम प्राधिकारी के आदेश के बाद भी जब घमंडनाथ को जेल की सलाखों से बाहर नहीं निकाला गया, तो पीड़ित की बेबस पत्नी ने राजस्थान हाईकोर्ट की शरण ली। पत्नी द्वारा हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत संज्ञान लिया, जिसके बाद 8 जून को घमंडनाथ की जेल से रिहाई मुमकिन हो सकी। अंतिम सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने स्पष्ट कहा कि हिरासत की शुरुआत भले ही कानूनी रूप से वैध रही हो, लेकिन रिहाई के आदेश जारी होने के बाद एक भी दिन जेल में रखना पूरी तरह गैर-कानूनी और अवैध था।

कोर्ट ने दिया मुआवजे का आदेश

अदालत ने सुनवाई के दौरान मामले से जुड़े मानवीय और संवेदनशील पहलुओं को भी रिकॉर्ड पर लिया। कोर्ट ने बेहद भावुक होकर माना कि इस अवैध हिरासत ने एक बीमार परिवार की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ा दी थीं। पीड़ित घमंडनाथ खुद एचआईवी जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, जबकि उनकी पत्नी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जिंदगी की जंग लड़ रही हैं। इसी कानूनी और मानवीय आधार पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने राजस्थान सरकार को कड़ा आदेश दिया है कि वह पीड़ित घमंडनाथ को 45 दिनों के भीतर 2 लाख रुपये का मुआवजा राशि का भुगतान करे। इसके साथ ही, अदालत ने इस घोर लापरवाही के जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए उनके खिलाफ भी उचित कानूनी कार्रवाई करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

बीज घोटाले में बड़ा खुलासा! पूर्व निदेशक ने खोले कई राज

घूसखोरी नेटवर्क की जांच में जुटी एसीबी

बीकानेर, 13 जून (एजेंसियां)। राजस्थान बीज निगम से जुड़े करीब ढाई करोड़ रुपये के कथित घूसखोरी प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच लगातार नए खुलासे कर रही है। शुक्रवार को पांच दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने पर एसीबी ने छह आरोपियों को अदालत में पेश कर आगे पूछताछ के लिए अतिरिक्त समय मांगा। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी आरोपियों की पुलिस रिमांड दो दिन और बढ़ा दी। अब उन्हें दोबारा अदालत में पेश किया जाएगा।

उगाही तंत्र और आर्थिक नेटवर्क तक पहुंची जांच

एसीबी की जांच अब कथित उगाही तंत्र, नकली बीज कारोबार और उससे जुड़े आर्थिक लेन-देन के नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि इस पूरे खेल में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा कथित रूप से वसूली गई रकम किन-किन माध्यमों से आगे पहुंचाई गई।

पूर्व निदेशक के बयान से मिले कई अहम सुराग

पूछताछ के दौरान बीज निगम के पूर्व निदेशक जुगल किशोर ने कई अहम खुलासे किए हैं। बताया जा रहा है कि उसने स्वीकार किया कि वह बीज संबंधी कार्रवाई के दौरान अधिकारियों के साथ रहता था और बाद में अपने भांजे स्वतंत्र तथा सुनील के जरिए फर्म संचालकों से मामले दबाने के नाम पर राशि वसूलता था। उल्लेखनीय है कि शुरुआती पूछताछ में उसने सभी आरोपियों को पहचानने से ही इनकार कर दिया था, लेकिन फोन सर्विलांस और अन्य तकनीकी साक्ष्य सामने आने के बाद उसने कई महत्वपूर्ण तथ्य स्वीकार किए।

आमने-सामने पूछताछ में सामने आई नई जानकारियां

एसीबी ने जुगल किशोर, कथित दलाल सुनील सेतिया और बीज कंपनी के संचालक किरण कपाड़िया से अलग-अलग पूछताछ करने के बाद उन्हें आमने-सामने बैठाकर भी सवाल-जवाब किए। जांच एजेंसी को इस प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

मोबाइल फोन बने जांच की सबसे अहम कड़ी

वहीं, स्वतंत्र से जब्त किए गए दो मोबाइल फोन भी जांच के केंद्र में हैं। हालांकि उसने मोबाइल के पासवर्ड बताने से इनकार कर दिया है। जांच एजेंसियां मोबाइल डेटा तक पहुंचने के प्रयास में जुटी हुई हैं।

वीडियो कॉल रिकॉर्ड से खुल रही साजिश की परतें

स्वतंत्र की गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल पर जुगल किशोर, सुनीता और एफसीओ विजय के वीडियो कॉल लगातार आते रहे, जिससे जांच एजेंसी को कई नई कड़ियां मिली हैं। इन कॉल रिकॉर्ड्स और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है।

सिंगरेनी में 1,600 करोड़ रुपये मूल्य के कोयला नुकसान की कराई जाए जांच : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड में कथित अनियमितताओं की व्यापक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने यह मांग उन समाचारों के संदर्भ में की है, जिनमें लगभग 40 लाख टन कोयला गायब होने और इससे करीब 1,600 करोड़ रुपये के नुकसान का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री को लिखे खुले पत्र में किशन रेड्डी ने कहा कि सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड तेलंगाना की अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण आधारशिला है। यह संस्था 40 हजार से अधिक कर्मचारियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करती है और देश के कोयला उत्पादन तथा ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

उन्होंने कथित कोयला नुकसान की खबरों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इन आरोपों की गंभीरता से जांच नहीं की गई तो कंपनी की वित्तीय स्थिति और कमजोर हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पर कंपनी के 51,500 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां भी लंबित हैं, जिससे पहले ही आर्थिक दबाव बना हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने मामले की तथ्यों पर आधारित निष्पक्ष जांच कराने, कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की समीक्षा करने तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी संभावित अनियमितता को रोकने के लिए जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही कंपनी के कर्मचारियों के हितों की रक्षा और सार्वजनिक क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण कोयला कंपनी के सुचारु संचालन को बनाए रखना भी आवश्यक है। किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई कर व्यापक जांच के आदेश दिए जाएं, ताकि सच्चाई सामने आ सके और कंपनी के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बारिश के बीच सतर्क रहें अधिकारी : सीएम

नागरिकों को न हो असुविधा

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में हो रही भारी वर्षा के मद्देनजर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मुख्य शहरी क्षेत्र से जुड़े सभी विभागों और एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस, यातायात पुलिस, नगर प्रशासन, हैदराबाद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, विद्युत विभाग, जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया है। शनिवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक तथा मुख्य शहरी क्षेत्र के विशेष मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तत्काल नियंत्रण कक्ष समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और शहर में आवश्यक सेवाओं तथा सामान्य जनजीवन को बिना बाधा संचालित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहरवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। उन्होंने वर्षा पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए जलभराव संभावित क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर अग्रिम रूप से विशेष दल तैनात करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखें तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा बनी रहे।

बारिश प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

डीजीपी ने दिए सतर्कता के निर्देश

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद तथा तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में हुई भारी वर्षा के मद्देनजर पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने शनिवार को शहर के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मलकमपेट झील और टोलीचौकी सहित कई स्थानों का निरीक्षण कर जलभराव और यातायात व्यवस्था से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त रमेश के साथ क्षेत्र की स्थिति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे उपायों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को सड़कों पर जलभराव रोकने, यातायात अवरोध दूर करने तथा सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए नगर निकायों के साथ समन्वय बनाकर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सी.वी. आनंद ने संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी रखने और प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि यातायात सुचारू बना रहे और यात्रियों को आवश्यक सहायता मिल सके। उन्होंने हैदराबाद सहित राज्य के अन्य वर्षा प्रभावित जिलों के सभी पुलिस अधिकारियों को उच्च सतर्कता बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया। पुलिस महानिदेशक ने क्षेत्रीय अधिकारियों को जिला प्रशासन, आपदा प्रबंधन एजेंसियों और नगर प्रशासन के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने तथा जरूरत पड़ने पर लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने नागरिकों से भी सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों से बचें और पुलिस तथा संबंधित विभागों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। सी.वी. आनंद ने कहा कि तेलंगाना पुलिस पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है और मानसून के दौरान नागरिकों की सुरक्षा, प्रभावी यातायात प्रबंधन तथा त्वरित आपात सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेरल्ला पीड़ितों को न्याय दिलाने की मांग

कांग्रेस और भाजपा पर बरसीं के. कविता

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कल्वकुंतला कविता ने शनिवार को नेरल्ला घटना के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों ने इस मामले का राजनीतिक उपयोग किया, लेकिन पीड़ितों को न्याय दिलाने में विफल रहे। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना जागृति कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पीड़ितों ने अपनी आपबीती साझा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर निराशा व्यक्त की। इस पर कविता ने राज्य सरकार और महाधिवक्ता से मामले को गंभीरता से आगे बढ़ाने तथा आरोपियों को सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और तेलंगाना अनुसूचित जाति आयोग द्वारा तैयार जांच रिपोर्टों को सार्वजनिक किए जाने की भी अपील की। बैठक में नेरल्ला पीड़ित पेंटा बनैया ने तेलंगाना जागृति को 10 हजार रुपये का योगदान दिया और यह राशि कल्वकुंतला कविता को सौंपी। बनैया ने उम्मीद जताई कि संगठन पीड़ितों के न्याय के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगा।

दिव्यांशी सिंह ने रचा इतिहास

बनीं पहली पूर्व महिला कैडेट

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फ्लाइंग ऑफिसर दिव्यांशी सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय वायुसेना की स्थलीय दायित्व शाखा में नियुक्त होने वाली राष्ट्रीय रक्षा अकादमी की पहली पूर्व महिला कैडेट बनने का गौरव प्राप्त किया है। दिव्यांशी सिंह को बचपन से ही अपने पिता से प्रेरणा मिली, जो वायुसेना से जुड़े रहे हैं। उनके पिता अनुशासन, सम्मान और निस्वार्थ सेवा से जुड़ी प्रेरणादायक बातें साझा करते थे, जिससे दिव्यांशी के मन में देशसेवा और सैन्य जीवन के प्रति गहरा आकर्षण पैदा हुआ। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिलाओं के प्रवेश का मार्ग खुलने के बाद उन्होंने प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की और कठोर सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान उन्हें 'कैडेट क्वार्टर मास्टर सार्जेंट' जैसी प्रतिष्ठित जिम्मेदारी भी सौंपी गई, जो उनकी नेतृत्व क्षमता, समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

दुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित समारोह में उन्हें भारतीय वायुसेना की स्थलीय दायित्व शाखा में अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। उनकी यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और बदलती भूमिका का प्रतीक मानी जा रही है। दिव्यांशी सिंह की सफलता देशभर की उन युवा महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो सशस्त्र बलों में शामिल होकर राष्ट्रसेवा का सपना देखती हैं। उनकी उपलब्धि यह दर्शाती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और समर्पण के बल पर महिलाएं रक्षा क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

पहले वनडे में कप्तान गिल ने नाबाद 84 रन बनाए; डेब्यू कर रहे गुरनूर-हर्ष को 3-3 विकेट

धर्मशाला, 13 जून (एजेंसियां)। भारत ने अफगानिस्तान को पहले वनडे में 7 विकेट से हरा दिया। टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। धर्मशाला में बारिश की वजह से 25-25 ओवर का मैच खेला गया।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 48 गेंदों में अपना नौवां वनडे शतक लगाया। उन्होंने 8 चौके और 8 छक्के की मदद से 102 रन की पारी खेली।

195 रन का पीछा कर रही भारत ने 22.5 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान शुभमन गिल ने 66 बॉल पर नाबाद 84 रन बनाए। केएल राहुल 39 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके अलावा ईशान किशन ने 34 रन की पारी खेली।

भारत की ओर से डेब्यू कर रहे हर्ष दुबे और गुरनूर बरार ने 3-3 विकेट लिए।

अर्शदीप सिंह और नीतीश कुमार रेड्डी को 2-2 विकेट मिले। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ में खेला जाएगा।

जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए शिक्षण सामग्री दी जाएगी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की विशेष बैठक निर्दोष भवन खैरताबाद में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से शहर की शिक्षण संस्थाओं में ग्रीष्म कालीन छुट्टियों के बाद उत्तीर्ण कक्षाओं में प्रवेश के उपरान्त समाज के जरूरतमन्द छात्र/छात्राओं को सभा की ओर से शिक्षण सामग्री देने का निर्णय लिया गया। उपरोक्त सामग्री के लिए आवेदक बोनाफाइड प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो और फी रेसिएप्ट सन्लगन करना अनिवार्य है। बैठक की अध्यक्षता डॉ. राम कुमार तिवारी ने की। बैठक में उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ल, सूर्य प्रकाश शुक्ला, दुर्गा प्रसाद मिश्र, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, विनोद प्रसाद तिवारी, जय शंकर प्रसाद तिवारी, बाला प्रसाद तिवारी, राहुल मिश्र, श्रीदत्त शुक्ल, लक्ष्मी नारायण अवस्थी, ए.के वाजपेई ने भाग लिया।

मुहर्रम पर हाथी उपलब्ध कराने की मंजूरी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता मीर फिरासत अली बाकरी ने केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी और तेलंगाना सरकार का इसलिए शुक्रिया अदा किया है कि उन्होंने 27 जून को (मुहर्रम के 10वें दिन) को अलावा-ए-बीबी, दबीरपुरा में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक 'बीबी-का-आलम' जुलूस के लिए हाथी उपलब्ध कराने की मंज़ूरी दी है। इस धार्मिक जुलूस के लिए हाथी उपलब्ध कराने का अनुरोध मूल रूप से मीर फिरासत अली बाकरी ने किया था। बाद में, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इसे वीआईपी रेफरेंस के तौर पर आगे बढ़ाया और इस पर प्राथमिकता से विचार करने के निर्देश दिए। अनुरोध पर तेज़ी से कार्रवाई करते हुए, तेलंगाना सरकार के पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने 'कैप्टिव एलिफेंट (ट्रांसफर या ट्रांसपोर्ट) रूल्स, 2024' के प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव वार्डन के कार्यालय को जरूरी निर्देश जारी किए।

नए शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए स्कूल सोमवार से फिर खुलेंगे

227 कार्य दिवस निर्धारित

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों की लंबी छुट्टियों और 50 दिनों से अधिक के अवकाश के बाद राज्य के सभी स्कूल सोमवार से नए शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए फिर से खुलने जा रहे हैं। इससे छात्र एक बार फिर कक्षाओं में लौटेंगे और नियमित पढ़ाई की शुरूआत होगी। शुरूआत में स्कूलों को 12 जुलाई से खोलने की योजना थी, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग ने विभिन्न हितधारकों के अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए तिथि को संशोधित कर इसे सोमवार तक आगे बढ़ा दिया। इसके चलते शैक्षणिक नुकसान की भरपाई के लिए 11 जुलाई (दूसरा शनिवार) को सभी स्कूलों के लिए कार्य दिवस घोषित किया गया है।

इस बीच, सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार को कई स्कूलों में कक्षाओं, शौचालयों और खेल मैदानों की साफ-सफाई का कार्य अंतिम चरण में देखा गया। शिक्षकों को भी पहले ही काम पर वापस बुलाया जा चुका है और उन्होंने पूरे वर्ष के लिए पाठ योजनाएं, मूल्यांकन प्रणाली और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की तैयारी कर ली है। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के कैलेंडर के अनुसार इस वर्ष कुल 227 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। छात्रों के लिए विभिन्न चरणों में आंतरिक मूल्यांकन और परीक्षाओं का कार्यक्रम भी तय किया गया है। पहला प्रारंभिक मूल्यांकन 31 जुलाई तक और दूसरा 21 सितंबर तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद 1 से 9 अक्टूबर के बीच पहला योगात्मक मूल्यांकन होगा। तीसरा रचनात्मक मूल्यांकन 10 दिसंबर तक, जबकि चौथा रचनात्मक मूल्यांकन कक्षा दस के छात्रों के लिए 27 जनवरी 2027 तक और कक्षा एक से नौ तक के छात्रों के लिए 15 फरवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा। कक्षा एक से नौ तक के लिए दूसरा योगात्मक मूल्यांकन 9 से 19 अप्रैल 2027 तक निर्धारित किया गया है। कक्षा दस के छात्रों की अंतिम परीक्षा से पहले की परीक्षाएं 28 फरवरी 2027 तक पूरी कर ली जाएंगी और बोर्ड परीक्षाएं मार्च 2027 में आयोजित होंगी। छात्रों के लिए छुट्टियों का भी विस्तृत कैलेंडर जारी किया गया है, जिसमें दशहरा, क्रिसमस और संक्रांति अवकाश शामिल हैं। अंतिम कार्य दिवस 23 अप्रैल 2027 के बाद स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां 24 अप्रैल से 13 जून तक रहेंगी।

राष्ट्रीय तैराकी के लिए तेलंगाना टीम तैयार

अहमदाबाद में दिखाएगी दमखम

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वरिष्ठ तैराकी टीम 16 से 21 जून तक गुजरात के अहमदाबाद स्थित वीर सावरकर खेल परिसर में आयोजित होने वाली 79वीं वरिष्ठ राष्ट्रीय जलीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। राज्य टीम का चयन 24 मई को अंबरपेट स्थित जीएचएमसी तैराकी कुंड में आयोजित 11वीं तेलंगाना वरिष्ठ अंतर-जिला तैराकी प्रतियोगिता के दौरान हुए चयन परीक्षणों के आधार पर किया गया। सुहास प्रीतम मैलारी को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है।

शनिवार को गच्चीबावली जलीय क्रीड़ा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों को टीम की वर्दी वितरित की गई। वर्दी का प्रायोजन एक निजी मनोरंजन कंपनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना तैराकी संघ के अध्यक्ष पी. चंद्रशेखर रेड्डी, महासचिव जी. उमेश, कंपनी के प्रबंध निदेशक एल.एम. शंकर, टीम प्रबंधक टी. किरण कुमार तथा प्रशिक्षक आयुष यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संघ के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में तेलंगाना के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि टीम पूरी तैयारी और उत्साह के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी तथा राज्य का गौरव बढ़ाने का प्रयास करेगी।

मानसून की शुरूआत में ही बिजली हादसों से बढ़ी चिंता

एक सप्ताह में चार मौतें

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मानसून की शुरूआत के साथ ही बिजली करंट से होने वाली घटनाओं ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है। शनिवार को अलवाल इलाके में करंट लगने से पिता और बेटी की मौत के बाद शहर में एक सप्ताह के भीतर बिजली हादसों में मरने वालों की संख्या चार हो गई है। पुलिस के अनुसार, अलवाल निवासी संदीप (45) और उनकी 16 वर्षीय बेटी रितिका की मौत उस समय हुई जब वे भारी बारिश के बाद अपनी कार पर गिरी पेड़ की शाखाओं को हटाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान वे टूटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आ गए और करंट की चपेट में आकर गिर पड़े।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। पैरामेडिक्स ने दोनों को जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। बाद में बिजली विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का निरीक्षण किया।

इससे पहले चार दिन पूर्व पुराने शहर के बंडलागुडा में भी ऐसा ही हादसा हुआ था, जिसमें दो युवकों की करंट लगने से मौत हो गई थी। लगातार हो रही इन घटनाओं ने शहर की बिजली सुरक्षा व्यवस्था और मानसून तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान टूटे तार, गिरे खंभे और पेड़ों की शाखाओं से जुड़े खतरे बार-बार सामने आते हैं, लेकिन समय पर मरम्मत और रखरखाव की कमी से हादसे हो रहे हैं। नागरिकों ने प्रशासन से अधिक सक्रिय और त्वरित कार्रवाई की मांग की है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी बिजली विभाग की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा है कि चेतावनियों और पुरानी घटनाओं के बावजूद पर्याप्त सुधार नहीं किए गए हैं। बिजली आपूर्ति विभाग ने लोगों से अपील की है कि भारी बारिश, तूफान या प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अत्यधिक सावधानी बरतें।

भाजपा ने किया लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन : महेश

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने राज्यसभा में अपनी संख्या बढ़ाने के लिए कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को निशाना बनाते हुए सुनियोजित साजिश रची है। शनिवार को यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन के खिलाफ कोई औपचारिक मामला दर्ज नहीं था और उन्हें केवल एक नोटिस जारी किया गया था। उन्होंने नटराजन को गांधीवादी विचारधारा से प्रेरित और उच्च नैतिक मूल्यों वाली नेता बताते हुए कहा कि उनके साथ अन्याय किया गया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस पूरे प्रकरण में प्रधानमंत्री कार्यालय का हस्तक्षेप रहा और भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और परंपराओं की अनदेखी की जा रही है।

महेश कुमार गौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कथित लीक प्रकरण की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पहले मतों को प्रभावित करने का प्रयास किया गया और अब राज्यसभा की एक सीट हासिल करने के लिए भी लोकतांत्रिक मूल्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए लोकतंत्र की मर्यादाओं को कुचला जा रहा है, जो चिंता का विषय है।

अवैध रूप से रह रहे 7 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार को जीडीमेटला क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गजुलारामारम स्थित एचएएल क्षेत्र में एक किराए के मकान में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के रहने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को मकान में सात बांग्लादेशी नागरिक मिले। जब उनके दस्तावेजों की जांच की गई तो उनके पास भारत में रहने के लिए आवश्यक वैध पासपोर्ट, वीजा या कोई अन्य अनुमति दस्तावेज नहीं पाए गए। जीडीमेटला पुलिस निरीक्षक जी. मल्लेश ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि ये सभी व्यक्ति अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर अलग-अलग राज्यों में रहते हुए हैदराबाद पहुंचे थे। पुलिस ने सभी सातों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

8वें वेतन आयोग ...

मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक पे 100 है। 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) मिलाकर उसकी कुल कमाई 160 हो जाती है। नए फिटमेंट फैक्टर के बाद अगर बेसिक पे दोगुनी होकर 200 हो जाती है, तो मौजूदा 160 के मुकाबले उसकी प्रभावी सैलरी में करीब 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी।

दूसरा उदाहरण (फिटमेंट फैक्टर 3 होने पर) : अगर सरकार मौजूदा फिटमेंट फैक्टर को 2.57 से बढ़ाकर 3.0 कर देती है, तो एंट्री-लेवल की बेसिक पे में 15 से 20 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो सकती है। इस स्थिति में 15,000 की बेसिक सैलरी सीधे 45,000 हो जाएगी।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर सरकार कर्मचारी यूनियनों की मांग से कम फिटमेंट फैक्टर भी रखती है, तो भी सरकारी खर्च में बड़ी बढ़ोतरी होगी और कर्मचारियों को अपनी सैलरी में एक सम्मानजनक उछाल देखने को मिलेगा।

7वें वेतन आयोग में कितना हुआ था फायदा :

तुलना के लिए 7वें केंद्रीय वेतन आयोग ने सबसे निचले स्तर के कर्मचारियों की न्यूनतम सैलरी को बढ़ाकर 18,000 प्रति महीने किया था। इसके साथ ही नई भर्ती वाले क्लास-I अधिकारियों की सैलरी को 56,100 तय किया गया था। इसके कारण 1 जनवरी 2016 से कुल सैलरी और पेंशन में 14.29 प्रतिशत की कुल बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

राज्यों का दौरा कर रही है 8वें वेतन आयोग की टीम :

वर्तमान में 8वां वेतन आयोग अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रहा है। आयोग की टीम वहां कर्मचारी एसोसिएशनों और यूनियनों से मुलाकात कर रही है। इस दौरान कर्मचारियों की मांगों और उनके प्रस्तावों के ज्ञापन (मेमोरेंडम) नोट किए जा रहे हैं। यूनियनों ने मुख्य रूप से सैलरी रिवीजन और रिटायरमेंट के बाद मिलने वाले फायदों में सुधार की मांग रखी है।

'युवा भारतीय गढ़ ...

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के युवा विज्ञान और तकनीक से लेकर विनिर्माण, अंतरिक्ष, सेमीकंडक्टर और ड्रोन जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। यह देखकर खुशी होती है कि युवा भारतीय उन क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं जो हमारे देश और दुनिया के भविष्य को आकार देंगे।

खेल जगत में युवाओं ने प्रदर्शन को पीएम ने सराहा :

इसके साथ ही, पीएम मोदी ने खेल जगत में युवाओं ने प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, हमारे युवाओं ने खेल के क्षेत्र में भी देश का मान बढ़ाया है। कई अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में युवा भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार देश का गौरव बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा कि खेलों का मजबूत इकोसिस्टम, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और खिलाड़ियों को मिलने वाला अधिक समर्थन युवा प्रतिभाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है और उन्हें खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंग्लैंड टीम के ट्रेनिंग इक्विपमेंट चोरी

> डोनाल्ड ट्रंप के देश की भारी बेइज्जती, फीफा विश्व कप की ये कैसी मेजबानी?

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। अपने दूसरे फीफा विश्व कप की तलाश में लगी इंग्लैंड की टीम अमेरिका में है। टीम के सामने अपने पहले मुकाबले से पूर्व बड़ी परेशानी आ गई है। हेरी केन की कप्तानी वाली टीम का सामान चोरी हो गया है। शनिवार को टीम के कैनसस सिटी पहुंचने से पहले उसके कुछ ट्रेनिंग के सामान चोरी हुए। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक टीम का सामान कैनसस सिटी स्थिति उनके ट्रेनिंग बेस पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान वाहनों में चोरी हो गई।

चोरी हुए इक्विपमेंट में खिलाड़ियों के स्टड्स के साथ ही फुटबॉल थे। इसका इस्तेमाल खिलाड़ी ट्रेनिंग में करते थे। इसके साथ ही कई और जरूरी सामान भी थे। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले फ्लोरिडा में टीम का ट्रेनिंग कैंप लगा था। वहां से इंग्लैंड के मुख्य कोच थॉमस ट्यूशेल और उनकी टीम शनिवार दोपहर कैनसस सिटी पहुंचने वाली थी। इससे पहले ही सारा ट्रेनिंग सामान वहां पहुंचना था।

पुलिस दो लोगों को गिरफ्तार किया

शुक्रवार रात पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। स्थानीय पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कैनसस पुलिस के प्रवक्ता ने कहा, 'हम एक टीम वाहन से इक्विपमेंट चोरी होने की जांच कर रहे हैं। वाहन जब कैनसस सिटी पहुंचा था तो उसमें से कुछ सामान गायब पाया गया। जांच अभी जारी है।'

इंग्लैंड का पहला मैच क्रोएशिया से

फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड की टीम ग्रुप ए में है। उसके साथ क्रोएशिया, घाना और पनामा है। पहले ही मैच में इंग्लैंड के सामने क्रोएशिया की मुश्किल चुनौती है। 17 जून को दोनों टीमों की भिड़ंत अर्लिंग्टन के AT&T स्टेडियम में होना है। 2018 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को क्रोएशिया से हार मिली थी। क्रोएशिया ने पीछे दो फीफा विश्व कप में फाइनल और सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कथित घटना इंग्लैंड के वर्ल्ड कप कैंपेन के शुरू होने से कुछ ही दिन पहले हुई है, जिसमें थॉमस ट्यूशेल की टीम बुधवार को डलास में ग्रुप-स्टेज मैच में क्रोएशिया से भिड़ेगी। हालांकि, इंग्लैंड फुटबॉल संघ के अधिकारियों को उम्मीद है कि इस घटना का टीम की तैयारियों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। टीम के लिए जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं ताकि खिलाड़ियों के अभ्यास कार्यक्रम में कोई बड़ी रुकावट न आए। इंग्लैंड के मैनेजर थॉमस ट्यूशेल और उनकी टीम शनिवार को कैंसस सिटी पहुंचेगी। ट्रेनिंग का सामान पहले ही भेज दिया गया था ताकि खिलाड़ियों के पहुंचने तक सभी तैयारियां पूरी हो सकें। इंग्लैंड को इस वर्ल्ड कप जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इंग्लैंड के पास 2018 विश्व कप सेमीफाइनल में क्रोएशिया से मिली हार का बदला लेने का सुनहरा मौका होगा।

फुटबॉल वर्ल्ड कप में 96 साल पुरानी हिस्ट्री रिपीट

अमेरिका ने पराग्वे को हराया कनाडा और बोस्निया मैच में विवाद हुआ

स्पोर्ट्स डेस्क, 13 जून (एजेंसियां)। फुटबॉल वर्ल्ड कप में शनिवार को 96 साल पुरानी हिस्ट्री रिपीट हुई। जब मेजबान अमेरिका ने ग्रुप-डी मैच में पराग्वे को 4-1 से हराया। अमेरिकी टीम ने 1930 के एडिशन में पराग्वे को 3-0 के एकतरफा अंतर से हराया था। उस मुकाबले में बर्ट पटेनाउड ने टूर्नामेंट के इतिहास की पहली हैट्रिक लगाई थी।

32 साल बाद घरेलू धरती पर फीफा वर्ल्ड कप खेल रहे अमेरिका ने चार गोल दागे और टूर्नामेंट में अपने इरादे जाहिर कर दिए। यह पहला मौका है जब अमेरिका ने वर्ल्ड कप के किसी मुकाबले में चार गोल किए हैं। इस मैच के बाद अमेरिकी टीम ग्रुप-डी में पहले स्थान पर है। जबकि पराग्वे चौथे स्थान पर पहुंच गई है। दिन के एक अन्य मुकाबले में 64वीं रैंक की टीम बोस्निया-हर्जेगोविना ने अपने से ज्यादा रैंकिंग (30) वाली कनाडा को एक-एक के ड्रॉ पर रोक लिया और एक अंक साझा करने पर विवश कर दिया।

बांग्लादेशी क्रिकेटर को पुलिस ने सड़क पर पीटा

> गला पकड़कर गाड़ी में बैठाया, फिर डंडे से मारा
> एयरपोर्ट से घर जा रहे थे नईम हसन

चटगांव, 13 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश टेस्ट टीम के स्पिनर नईम हसन ने चटगांव पुलिस पर मारपीट और गाली देने के आरोप लगाए हैं। नईम का दावा है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें गला पकड़कर गाड़ी में बैठाया और फिर डंटे से पीटा। 26 साल के क्रिकेटर ने कहा- मैंने अधिकारियों को अपने नेशनल क्रिकेटर होने की बात भी बताई, लेकिन वे नहीं रुके। नईम ढाका प्रीमियर लीग में प्राइम बैंक क्रिकेट क्लब के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के बाद 12 जून की रात फ्लाइट से चटगांव पहुंचे थे। वे रात 11:25 बजे सीएनजी ऑटो से घर लौट रहे थे, तब लंकन बाजार फ्लाईओवर के नीचे पुलिस ने उनका वाहन रोक लिया और मारपीट की। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार तीन अधिकारियों को हटा दिया गया है। नईम जिम्बाब्वे के खिलाफ इकलौटे टेस्ट के लिए बांग्लादेश के टेस्ट टीम में चुने गए हैं।

नईम बोले-मुझे पीटा...गालियां भी दीं

मैंने पुलिस से कहा कि जरूरत हो तो उनका बैग चेक कर लिया जाए, लेकिन इसके बावजूद पुलिसकर्मियों ने उनका गला पकड़ लिया और जबरन अपनी गाड़ी में बैठा लिया। नईम का आरोप है कि उन्हें पीटा गया और अपशब्द कहे गए। मैंने उन्हें बताया कि मैं नेशनल क्रिकेटर हूं और बांग्लादेश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलता हूं, लेकिन उन्होंने मेरी बात पर ध्यान नहीं दिया। बाद में जब उन्हें फोन पर मेरे बारे में जानकारी मिली, तभी उनका रवैया बदला।

डिप्टी कमिश्नर बोले-जांच कर रहे हैं, दोषियों पर कार्रवाई होगी

चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर अमीरुल इस्लाम ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि और पेशेवर आचरण से जुड़े मामलों में विभाग की जीरो टॉलरेंस नीति है।

बीसीबी ने निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घटना पर चिंता जताई है। बोर्ड ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बीसीबी ने आधिकारिक बयान में कहा- 'कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के कुछ सदस्यों द्वारा नईम हसन के साथ किया गया कथित व्यवहार अस्वीकार्य और अनुचित है।

सिंधु ऑस्ट्रेलियन ओपन का सेमीफाइनल हारीं

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में सफर समाप्त हो गया है। महिला सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में सिंधु को जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के हाथों सीधे गेमों में 20-22, 12-22 से करारी हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में कड़ी टक्कर देने के बाद सिंधु दूसरे गेम में पूरी तरह अपनी लय खो बैठीं और मुकाबला गंवा दिया।

इस जीत के साथ ही टॉप सीड अकाने यामागुची ने बीडब्ल्यूएफ (बीडब्ल्यूएफ) टूर पर लगातार अपने चौथे फाइनल में जगह बना ली है। वहीं पिछले दो साल से खराब फॉर्म और चोट से जूझने के बाद वापसी की कोशिशों में जुटीं सिंधु का इस साल का पहला खिताब जीतने का सपना एक बार फिर टूट गया।

पहले गेम में करीबी हार, आखिरी पलों की गलतियां पड़ीं भारी

सिंधु को पहले गेम में जापान की वर्ल्ड नंबर-3 अकाने यामागुची के खिलाफ 20-22 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, लेकिन आखिर में सिंधु की अपनी दो गलतियां उन पर भारी पड़ गईं। इसके चलते गेम में बढ़त बनाने का शानदार मौका उनके हाथ से निकल गया। उन्होंने शानदार शुरुआत की और मिड-गेम ब्रेक तक 11-9 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद भी उन्होंने मैच पर पकड़ बनाए रखी और एक समय स्कोर 17-15 कर लिया। हालांकि, बढ़त को जीत में बदलने में वे सफल नहीं रहीं। आखिरी पलों में यामागुची ने लगातार दबाव बनाया और स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया। इसके बाद सिंधु का एक स्मैश कोर्ट के बाहर चला गया, जिसका फायदा उठाते हुए यामागुची ने पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। पहला गेम 20-22 से गंवाने के बाद पीवी सिंधु दूसरे गेम में भी लय हासिल नहीं कर सकीं। शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और स्कोर 5-5 की बराबरी पर था। सिंधु लंबी रैलियों के जरिए यामागुची पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन इसके बाद जापानी खिलाड़ी ने मैच की रफ्तार पूरी तरह अपने पक्ष में कर ली। यामागुची ने मजबूत डिफेंस के साथ आक्रामक खेल दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और मिड-गेम ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली।

महिला टी20 विश्व कप की धमाकेदार शुरुआत

पहले ही मैच में टूटे रिकॉर्ड; इंग्लैंड का दिखा दबदबा

एजबेस्टन, 13 जून (एजेंसियां)। महिला टी20 विश्व कप की धमाकेदार शुरुआत हुई है। पहले मैच में मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को एकतरफा अंदाज में हराया। इस मैच में पूरी तरह से इंग्लैंड का दबदबा देखने को मिला और डैनी वॉट हॉग ने पहले ही मैच में शतक भी लगाया। इंग्लैंड ने इस तरह टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की है, जबकि श्रीलंका को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड को एमी जोन्स और डैनी वॉट ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर सिर्फ 13.4 ओवर में 135 रन जोड़े। जोन्स ने 38 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली, हालांकि जोन्स के आउट होने का ज्यादा फर्क वॉट पर नहीं पड़ा। उन्होंने दूसरे छोर से अपनी तूफानी बल्लेबाजी जारी रखी।

वॉट 62 गेंदों में 105 रन बनाकर नाबाद रहीं। 169 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए उन्होंने अपनी शतकीय पारी में 13 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, कप्तान नैट साइवर ब्रंट ने भी अंत के ओवरों में आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों में नाबाद 46 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से छह चौके और एक छक्का निकला। 220 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम 132 रन बनाकर सिमट गई। टीम की तरफ से नीलाक्षी डी सिल्वा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि हर्षिता समरविक्रमा ने 29 रनों का योगदान दिया।

वॉट ने हासिल की उपलब्धियां

वॉट महिला टी20 विश्व कप में इंग्लैंड की ओर अब सर्वाधिक रन बनाने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने सारा टेलर को पीछे छोड़ दिया है। टेलर के नाम टी20 विश्व कप में 541 रन बनाने का रिकॉर्ड था, जबकि वॉट अब 593 रन बना चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने महिला टी20 विश्व कप की चौथी और इंग्लैंड की तरफ से दूसरी सबसे बड़ी पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से इस मेगा इवेंट में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड हीथर नाइट के नाम है, जिन्होंने 2020 में 108 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व बल्लेबाज मेग लेनिंग (126 रन) ने टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेली है। वॉट महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली संयुक्त रूप से दूसरी बल्लेबाज बन गई हैं। वह टी20 विश्व कप में अब तक तीन शतक लगा चुकी हैं। वहीं, महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड यूएई की बल्लेबाज ईशा ओजा (पांच) के नाम है।

डेब्यू पर चमकीं फ्रेया केम्प

टी20 विश्व कप 2026 के पहले मुकाबले में दोनों टीमों की ओर से कुल 351 रन बने, जो टी20 विश्व कप में दोनों पारियों को मिलकर दूसरा सबसे बड़ा टोटल है। साल 2018 में महिला टी20 विश्व कप में भारत और इंग्लैंड के बीच हुए मुकाबले में दोनों टीमों ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। इस मैच में कुल 354 रन बने थे।

इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में फ्रेया केम्प ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महज 22 रन देकर चार विकेट चटकाए। वह टी20 विश्व कप के डेब्यू मुकाबले में चार विकेट लेने वाली महज तीसरी गेंदबाज बनीं। वहीं, सोफी एक्लेस्टोन और चार्ली डीन ने दो-दो अपने नाम किए। लॉरेन बेल और लिन्से स्मिथ ने एक-एक विकेट चटकाया।

मोरक्को के खिलाफ मैच से पहले ब्राजील को लगा झटका

पहले मुकाबले में नहीं खेल सकेंगे नेमार

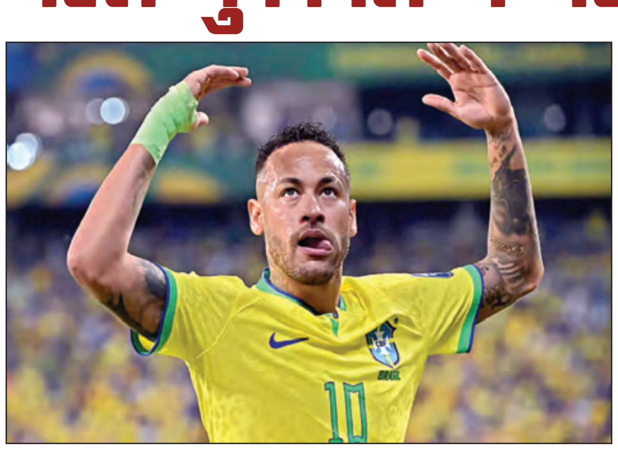

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को के खिलाफ होने वाले अपने पहले मुकाबले में ब्राजील फुटबॉल टीम स्टार खिलाड़ी नेमार के बिना खेलेगी।

टीम के कोच कार्लो एंसेलोटी के अनुसार, पिंडली की चोट से उबर रहे नेमार पूरे ग्रुप स्टेज में शायद चयन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। कतर में हुए फीफा विश्व कप 2022 में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली मोरक्को टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले कोच एंसेलोटी ने कहा कि नेमार की फिटनेस में सुधार हो रहा है, लेकिन वह अभी वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। एंसेलोटी ने कहा, वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते पूरी ट्रेनिंग पर लौट पाएंगे।

क्या पूरे ग्रुप चरण से बाहर होंगे नेमार

मोरक्को से पहले मैच में भिड़ने के बाद ब्राजील का ग्रुप एफ में 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड से सामना होना है। हालांकि कोच ने किसी भी मैच के लिए नेमार के उपलब्ध होने की गारंटी नहीं दी। 34 साल के सैंटोस स्ट्राइकर शुक्रवार को फिर से ट्रेनिंग से गायब नजर आए। नेमार चोट के कारण पनामा और मिस्र के खिलाफ ब्राजील के वार्म अप मैच भी नहीं खेल पाए थे। उनकी फिटनेस को लेकर चिंताओं के बावजूद एंसेलोटी ने बताया कि उन्होंने इस अनुभवी खिलाड़ी को अपनी विश्व कप टीम में क्यों शामिल किया।

उन्होंने कहा कि वह हमारी टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा उदाहरण हो सकते हैं। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी का मानना है कि नेमार सिर्फ अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने अनुभव और नेतृत्व से भी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। एंसेलोटी ने कहा कि नेमार का अनुभव टीम को रिकॉर्ड छठा विश्व कप खिताब जीतने की कोशिश में काफी मदद कर सकता है।

विनिसियस जूनियर को नेमार के जल्द मैदान पर उतरने की उम्मीद

ब्राजील के स्टार खिलाड़ी विनिसियस जूनियर ने भी नेमार की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'नेमार मुझे प्रेरित करते हैं। मैं चाहता हूं कि वह जल्द फिट होकर मैदान पर वापसी करें। हम सभी उनके वापस खेलने का इंतजार कर रहे हैं।' हालांकि मोरक्को की टीम का कहना है कि नेमार की गैरमौजूदगी से उनकी रणनीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओआहबी ने कहा कि उनकी टीम ने दोनों परिस्थितियों के लिए तैयारी की थी, चाहे नेमार खेलें या न खेलें। ओआहबी ने कहा, हमने नेमार के साथ और बिना नेमार के ब्राजील का सामना करने की तैयारी की थी। उनकी अनुपस्थिति से हमारी योजना में कोई बदलाव नहीं होगा।

मोरक्को के कप्तान अचरफ हकीमी ने माना कि वह फुटबॉल के सबसे बड़े स्टार्स में से एक नेमार का सामना न कर पाने से निराश हैं। पेरिस सेंट-जर्मेन क्लब के डिफेंडर और चैंपियंस लीग विजेता ने कहा, मैं सबसे अच्छे खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना चाहता हूं और नेमार सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं।

वैभव सूर्यवंशी के छोटे भाई ने शतक लगाया, 10 साल के आशीर्वाद ने 21 बाउंड्री लगाईं

स्पोर्ट्स डेस्क, 13 जून (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी क्रिकेट में सुर्खियां बटोर रहे हैं। 10 साल के आशीर्वाद ने समस्तीपुर में खेले गए एक लोकल प्रैक्टिस मैच में क्रिकेट अकादमी ताजपुर की ओर से खेलते हुए 87 गेंदों पर 103 रन बनाए। उनकी पारी में 20 चौके और एक छक्का शामिल रहा। राइट हैंड बल्लेबाज आशीर्वाद के शतक का वीडियो और स्कोरकार्ड उनके बड़े भाई उज्ज्वल सूर्यवंशी ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। आशीर्वाद को लेकर पिता संजीव कह चुके हैं कि वे आशीर्वाद को भी आने वाले दो साल में वैभव की तरह एक बेहतरीन क्रिकेटर बनाना चाहते हैं। आशीर्वाद के शतक के बाद पिता संजीव सूर्यवंशी ने भी सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा, मेरे छोटे बेटे आशीर्वाद सूर्यवंशी ने आज प्रैक्टिस मैच में अपना पहला शतक बनाया।

जसपाल राणा के निधन से टूटीं मनु भाकर

> कोच को श्रद्धांजलि देते वक्त हुईं भावुक > पोस्ट कर लिखा-अपूरणीय क्षति

नई दिल्ली, 13 जून (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर अपने कोच जसपाल राणा के अचानक हुए निधन से पूरी तरह टूटी नजर आईं।

मनु ने देहरादून स्थित जसपाल के घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और इस बार वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। भारत के दिग्गज निशानेबाज और कोच जसपाल का शुक्रवार को निधन हो गया था। वह 49 वर्ष के थे। मनु के ओलंपिक पदक जीतने में राणा की अहम भूमिका रही थी।

फ्लाइट में बिगड़ी थी तबीयत

जर्मनी से लौटने के बाद अचानक ही राणा की तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निधन हृदय की बीमारी के इलाज के दौरान हुआ। राणा म्यूनिख में आईएसएसएफ विश्व कप के बाद जर्मनी से लौटे थे। वह फिलहाल भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्य कर रहे थे। एनआरएआई ने उन्हें आधिकारिक तौर पर 25 मीटर पिस्टल इवेंट के लिए हाई-परफॉर्मेंस कोच नियुक्त किया था।

मनु की सफलता के पीछे था जसपाल का जुनून

भारत के पूर्व पिस्टल निशानेबाज जसपाल राणा ने असाधारण प्रतिभा के तौर पर सुर्खियों में आने के बाद जूनियर रिकॉर्ड तोड़ा और कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते और उनकी इस यात्रा में उनका निशानेबाजी के प्रति जुनून और इसके प्रति समर्पण उनकी पहचान रही है। ओलंपिक पदक उनकी कैबिनेट में शामिल नहीं हो सका, लेकिन जब पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर पोडियम पर खड़ी हुईं तो उनका सपना साकार हो गया था। जब पोडियम पर कांस्य पदक मनु के गर्दन में दमक रहा था तो जसपाल स्टैंड में तालियां बजा रहे थे।

राणा के साथ तस्वीरें की पोस्ट

मनु भाकर ने शनिवार को कोच राणा के साथ अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस दौरान मनु ने कैप्शन में लिखा, 'अपूरणीय क्षति।' इतना ही नहीं इस पोस्ट के साथ मनु ने दिल टूटने वाला इमोजी भी पोस्ट किया है। मनु ने वो तस्वीर भी साझा की जब ये दोनों पेरिस ओलंपिक में शामिल हुए थे।

पार्थिव शरीर को देखकर फूट-फूट कर रोई मनु

मनु अपने कोच के इस तरह दुनिया से जाने से पूरी तरह टूटीं नजर आईं। जब वह राणा को श्रद्धांजलि देने उनके घर गईं तो अपने कोच का पार्थिव शरीर देखकर खुद को संभाल नहीं सकीं।

मनु राणा के परिजनों से मिलते वक्त भी फूट-फूट कर रोईं। मनु जितनी देर वहां रहीं, उनके आंख से आंसू गिरते रहे। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी राणा को श्रद्धांजलि दी।

गोदावरी पुष्करालु के लिए 1,000 करोड़ रुपये मंजूर : भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली जन सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने शनिवार को मंचेरियल विधानसभा क्षेत्र के प्रसिद्ध गुड्डेमगुट्टा श्री सत्यनारायण स्वामी मंदिर के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस कार्यक्रम में मंत्री डी. श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, अदलूरी लक्ष्मण कुमार, विधायक प्रेम सागर राव, राज ठाकुर, गांद्रा सत्यनारायण राव, सांसद गड्डम वंशी कृष्णा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गुड्डेमगुट्टा मंदिर के विकास का मुद्दा पीप्पिरी में आयोजित जनसभा के दौरान उठाया गया था, जो 'पीपुल्स मार्च पदयात्रा' की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि उस बैठक के मात्र 37 दिनों के भीतर धनराशि स्वीकृत कर शिलान्यास करना जन सरकार की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से गुड्डेमगुट्टा श्री सत्यनारायण स्वामी मंदिर को एक भव्य आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अल्प अवधि में ही

तेलंगाना के मंदिरों के विकास एवं पुनरुद्धार के लिए 2,216 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री श्रीधर बाबू के नेतृत्व में सरस्वती पुष्करालु का सफल आयोजन किया गया था और अब आगामी गोदावरी पुष्करालु के लिए श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा स्नान घाटों के निर्माण हेतु 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गोदावरी नदी तट पर स्थित मंदिरों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में बासर से भद्राचलम तक स्थित प्रमुख तीर्थस्थलों के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 802 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए आध्यात्मिक बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश कर रही है।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि आध्यात्मिक विकास के साथ-साथ सरकार कृषि क्षेत्र को भी सशक्त बनाने पर समान रूप से ध्यान दे रही है। उन्होंने घोषणा की कि गुड्डेमगुट्टा क्षेत्र में लिफ्ट सिंचाई परियोजना के लिए 74 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं और इसके कार्यों का शिलान्यास भी शनिवार को किया गया। उपमुख्यमंत्री ने मंचेरियल विधायक प्रेम सागर राव की सराहना करते हुए कहा कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, आध्यात्मिकता और सिंचाई क्षेत्रों के विकास के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रहे हैं।

तेलंगाना पुलिस को राष्ट्रीय पुरस्कार

पासपोर्ट सत्यापन सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पासपोर्ट सत्यापन सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तेलंगाना पुलिस को भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान पासपोर्ट सत्यापन कार्य में उल्लेखनीय उपलब्धि के आधार पर तेलंगाना पुलिस को 'राज्य पुलिस संस्थागत प्रदर्शन पुरस्कार' प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार पासपोर्ट आवेदनों के सत्यापन में तेलंगाना पुलिस की दक्षता, पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यप्रणाली को मान्यता देता है। पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में पुलिस सत्यापन एक महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (पासपोर्ट, वीजा एवं प्रवासन) तथा मुख्य पासपोर्ट अधिकारी बी.एस. मुबारक ने इस संबंध में तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद को आधिकारिक पत्र भेजकर पुरस्कार के लिए चयन की सूचना दी है।

यह सम्मान 18 और 19 जून, 2026 को नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के जवाहरलाल नेहरू भवन में आयोजित पासपोर्ट सेवा दिवस एवं पासपोर्ट अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान प्रदान किया जाएगा। 19 जून को आयोजित विशेष समारोह में केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर तेलंगाना पुलिस की ओर से पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद को यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में पुलिस सत्यापन सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान तेलंगाना पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, पेशेवर दक्षता तथा नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और जनहितैषी सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों का परिणाम है। विदेश मंत्रालय ने सी.वी. आनंद को पासपोर्ट सेवा दिवस और पासपोर्ट अधिकारियों के सम्मेलन के उच्चस्तरीय सत्र में भाग लेने के लिए विशेष आमंत्रण भी दिया है। मंत्रालय ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनकी उपस्थिति कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगी। पुलिस महानिदेशक ने इस उपलब्धि का श्रेय तकनीक आधारित सत्यापन प्रणाली, सरल प्रक्रियाओं और प्रभावी जनसेवा के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दिया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार विभाग की सेवा-भावना, पेशेवर उत्कृष्टता और नागरिक सेवाओं में निरंतर सुधार के प्रयासों का प्रमाण है।

मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता हितैषी हो : असदुद्दीन ओवैसी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तेलंगाना में 25 जून से शुरू होने वाली मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, समावेशी और मतदाता हितैषी बनाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा।

मीडिया से बातचीत करते हुए ओवैसी ने कहा कि मतदाता सूची संशोधन से पहले व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण किया जा चुका है और लाखों मतदाताओं की पहचान की गई है। उन्होंने मांग की कि इस प्रक्रिया के दौरान एकत्रित जानकारी को मान्यता प्राप्त बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं के साथ साझा किया जाए, ताकि बूथ स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में उचित सहायता मिल सके।

उन्होंने कहा कि 25 जून से 24 जुलाई तक चलने वाली घर-घर गणना प्रक्रिया के दौरान यदि पहले से उपलब्ध जानकारी साझा कर दी जाए तो मतदाताओं और अधिकारियों दोनों का बोझ काफी कम हो जाएगा। ओवैसी ने सवाल उठाया कि जब मतदाताओं की पहचान और विवरण पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं, तो उन्हें वही जानकारी दोबारा हाथ से भरने की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए। ओवैसी ने चुनाव आयोग से मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गणना प्रपत्र तेलुगु के साथ-साथ हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं में भी उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना है कि इससे विभिन्न भाषाई समुदायों के लोगों को प्रक्रिया समझने और प्रपत्र भरने में आसानी होगी। उन्होंने मतदाता सत्यापन के दौरान सामने आने वाली समस्याओं, जैसे नाम में त्रुटि, आयु संबंधी गड़बड़ी और पारिवारिक संबंधों से जुड़े मामलों के समाधान के लिए स्पष्ट कार्यप्रणाली जारी करने की भी मांग की। साथ ही सत्यापन के लिए विभिन्न सरकारी पहचान और पते संबंधी दस्तावेजों को स्वीकार करने तथा मतदाता सूची में नाम न मिलने की स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को स्पष्ट करने का आग्रह किया।

ओवैसी ने कहा कि वास्तविक मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने या बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची संशोधन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और आम मतदाताओं के लिए सुविधाजनक होनी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र नागरिक का मतदान अधिकार प्रभावित न हो।

सितंबर 2026 के दर्शन, सेवा और आवास आरक्षण की तिथियां घोषित

तिरुमला, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने सितंबर 2026 के लिए दर्शन, विभिन्न धार्मिक सेवाओं तथा आवास आरक्षण की ऑनलाइन बुकिंग से संबंधित कार्यक्रम घोषित कर दिया है। देवस्थानम के अनुसार सुप्रभात सेवा, तोमाला सेवा और अर्चना सहित अर्जिता सेवा के टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग 18 जून को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी। इलेक्ट्रॉनिक डिप पंजीकरण प्रक्रिया 20 जून तक जारी रहेगी। चयनित श्रद्धालु 20 जून से 22 जून के बीच निर्धारित शुल्क का भुगतान कर सकेंगे। 300 रुपये शुल्क वाले विशेष प्रवेश दर्शन टिकट 24 जून को प्रातः 10 बजे जारी किए जाएंगे। इसी दिन अपराह्न 3 बजे से तिरुमला और तिरुपति में आवास आरक्षण की सुविधा भी उपलब्ध करा दी जाएगी।

कर्मचारियों के लिए यातायात जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और जिम्मेदार यातायात व्यवहार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मलकाजगिरि पुलिस आयुक्त तथा पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक-1) के निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस द्वारा बेगमपेट स्थित एक कंपनी कर्मचारियों के लिए यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ट्रैफिक पुलिस स्टेशन, बेगमपेट के अधिकार क्षेत्र में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को यातायात नियमों एवं विनियमों के कड़ाई से पालन के प्रति जागरूक करना था, ताकि उनकी स्वयं की सुरक्षा के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। सत्र के दौरान तेज गति से वाहन चलाने, शराब पीकर वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल के खतरों, ट्रैफिक सिग्नलों के पालन तथा लेन अनुशासन के महत्व जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तिरूमलगिरी ट्रैफिक डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) जी. शंकर राजू ने कहा कि अनुशासित ड्राइविंग व्यवहार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और अमूल्य जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रतिभागियों से स्वयं जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता बनने तथा दूसरों को भी यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर तिरूमलगिरी ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के अतिरिक्त निरीक्षक पी. रमणैया, प्रबंधक मोहम्मद सादिक तथा बेगमपेट पुलिस स्टेशन के कानून एवं व्यवस्था शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी करते हुए इसे सफल बनाने में सहयोग दिया।

महिला इंजीनियर 6 महीने की बच्ची के साथ छठवें फ़्लोर से कूदी

मां की मौत, बेटी बची

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में 37 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ईशा साहू अपनी छह माह की बेटी को गोद में लेकर अपार्टमेंट की छठी मंजिल से कूद गई। घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्ची चमत्कारिक रूप से बच गई।

पुलिस ने बताया कि बच्ची अपार्टमेंट की सोलर फेंसिंग के तारों पर गिरकर लटक गई, जिससे उसकी जान बच गई। पास के एक चौकीदार ने रोने की आवाज सुनकर उसे सुरक्षित निकाला। बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला प्रसव के बाद से अवसाद (डिप्रेशन) से जूझ रही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिम ट्रेनर पर महिला पायलट से छेड़छाड़ का आरोप, गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सनतनगर क्षेत्र में एक महिला पायलट से कथित छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के आरोप में पुलिस ने एक जिम ट्रेनर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संतोष गौड़ के रूप में हुई है, जो सनतनगर स्थित एक जिम में मैनेजर और ट्रेनर के तौर पर कार्यरत था। पुलिस के अनुसार, कुछ सप्ताह पहले एक महिला पायलट ने उक्त जिम की सदस्यता ली थी। महिला का आरोप है कि प्रशिक्षण देने के दौरान संतोष गौड़ ने उसके साथ अनुचित व्यवहार किया और ट्रेनिंग के बहाने उसका यौन उत्पीड़न किया।

महिला ने घटना से परेशान होकर सनतनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और प्राथमिक जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संतोष गौड़ को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और शिकायत से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। वहीं, घटना सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। पुलिस ने कहा कि जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनगांव में दर्दनाक सड़क हादसा, खाई में गिरी कार

दंत चिकित्सक और सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जनगांव जिले में शनिवार को वारंगल-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में एक दंत चिकित्सक और एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के चार अन्य सदस्य घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य में मदद की।

पुलिस के अनुसार, एक ही परिवार के छह सदस्य कर्नाटक के गुलबर्गा से हनमकोंडा जा रहे थे। यात्रा के दौरान जब उनकी कार रघुनाथपल्ली मंडल के गोवर्धनगिरी गांव स्थित दरगाह के पास पहुंची, तभी चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। नियंत्रण बिगड़ने के कारण कार सड़क से उतरकर किनारे स्थित खाई में जा गिरी। हादसा इतना गंभीर था कि कार में सवार हनमकोंडा के नईम नगर निवासी दंत चिकित्सक हबीबा हाफसा (27) और सॉफ्टवेयर कर्मचारी मोहम्मद असदुद्दीन (26) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

दुर्घटना में घायल हुए परिवार के चार अन्य सदस्यों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बाहर निकाला गया। सभी घायलों को उपचार के लिए जनगांव क्षेत्र के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

स्थानीय सूचना सहायक अधिकारी डी. नरेश यादव ने बताया कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चालक का नियंत्रण कैसे बिगड़ा। इस हादसे ने दोनों परिवारों को गहरा सदमा पहुंचाया है। क्षेत्र के लोगों ने भी दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी है।

लालागुड़ा कैरिज वर्कशॉप का महाप्रबंधक ने किया निरीक्षण

आधुनिक तकनीक और गुणवत्ता मानकों की सराहना की

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को लालागुड़ा स्थित कैरिज वर्कशॉप (सीडब्ल्यूएस) का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वर्कशॉप के विभिन्न रखरखाव एवं मरम्मत अनुभागों का दौरा कर वहां संचालित कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के समय मुख्य कार्यशाला प्रबंधक (सीडब्ल्यूएम) सुमना ने महाप्रबंधक को वर्कशॉप के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने अपने निरीक्षण की शुरूआत व्हील शॉप से की। इसके बाद उन्होंने डीवी ओवरहॉल अनुभाग, एयर ब्रेक शॉप, पेंट शॉप तथा स्प्रिंग शॉप का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यशाला प्रबंधक श्रीमती सुमना ने कार्यशाला में कर्मचारियों द्वारा अपनाए जा रहे

विभिन्न सुरक्षा मानकों और सुरक्षा प्रक्रियाओं की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने वर्कशॉप में उपलब्ध अत्याधुनिक उपकरणों के संचालन तथा उनके रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं से भी महाप्रबंधक को अवगत कराया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक ने कार्यशाला में स्थापित आधुनिक वर्क स्टेशनों, मशीनों और उपकरणों का भी अवलोकन किया। उन्होंने एलएचबी वर्क स्टेशन/मैनिपुलेटर, डायनेमिक व्हील बैलेंसिंग मशीन तथा शॉक एब्जॉर्बर टेस्टिंग मशीन का निरीक्षण किया। इसके अलावा एयर ब्रेक सब-स्टोर्स, नवीन ट्रिमिंग शॉप, ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमीटर तथा यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन जैसे उन्नत तकनीकी अनुभागों का भी गहन निरीक्षण किया। महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने कार्यशाला में गुणवत्ता मानकों को निरंतर बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कर्मचारियों द्वारा नई तकनीकों को अपनाकर कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कार्यशाला को स्क्रैप-मुक्त (अपशिष्ट रहित) इकाई के रूप में विकसित करने तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लालागुड़ा कैरिज वर्कशॉप भारतीय रेल की उत्कृष्ट कोच अनुरक्षण इकाइयों में से एक है। महाप्रबंधक ने इस उपलब्धि का श्रेय कार्यशाला के समर्पित कर्मचारियों और अधिकारियों को देते हुए उनके कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अलवाल में करंट लगने से पिता-पुत्री की मौत, पत्नी झुलसी

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के अलवाल स्थित टेलीकॉम कॉलोनी में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में करंट लगने से पिता और उनकी किशोर बेटी की मौत हो गई, जबकि पत्नी गंभीर रूप से झुलस गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान संदीप (44) और उनकी 16 वर्षीय बेटी रितिका के रूप में हुई है। दोनों अपने परिवार के साथ अलवाल की टेलीकॉम कॉलोनी में रहते थे। बताया गया कि शुक्रवार रात हुई भारी बारिश के कारण कई पेड़ों की शाखाएं टूटकर सड़क पर गिर गई थीं। शनिवार सुबह संदीप और उनके परिवार के सदस्य घर के बाहर सड़क पर गिरी शाखाओं को हटाने और सफाई करने में जुटे थे। इसी दौरान संदीप और उनकी बेटी अचानक बिजली की चपेट में आ गए और मौके पर ही गिर पड़े।

करंट लगने से पिता और पुत्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में संदीप की पत्नी भी झुलस गईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर भेज दिया गया। पुलिस को प्रारंभिक जांच में आशंका है कि बारिश के कारण बिजली के तार टूटकर सड़क पर गिर गए थे। शाखाएं हटाने के दौरान संदीप और उनकी बेटी इन तारों के संपर्क में आ गए, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से बारिश के बाद टूटे हुए बिजली के तारों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

सिंगूर जलाशय की शुद्धता पर उठे सवाल

अवैध मछली तालाबों से बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले स्थित सिंगूर जलाशय की शुद्धता और पेयजल गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंजिरा नदी का जल वर्षों से अपने स्वाद और गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध रहा है तथा हैदराबाद, मेदक और अन्य क्षेत्रों के लाखों लोगों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत है। लेकिन जलाशय के आसपास अवैध रूप से बनाए गए मछली तालाबों और कथित अतिक्रमणों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार, सिंगूर बहुउद्देशीय परियोजना के तटवर्ती क्षेत्रों में कुछ लोगों ने अवैध रूप से पूर्ण जलभराव स्तर की भूमि पर कब्जा कर कई मछली तालाब बना लिए हैं। आरोप है कि इन तालाबों में मछली पालन के लिए मुर्गियों का मल, सड़े हुए अंडे और अन्य अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे जल प्रदूषण का खतरा बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन तालाबों में यह गतिविधियां संचालित हो रही हैं, वहां से प्रदूषित तत्व जलाशय के पानी में मिल सकते हैं। यही पानी मंजिरा पाइपलाइन और मिशन भागीरथा योजना के माध्यम से हैदराबाद सहित कई जिलों में पेयजल के रूप में आपूर्ति किया जाता है। आरोप यह भी हैं कि मछली पालन में लगे लोगों द्वारा सिंगूर परियोजना से पानी निकालकर इन तालाबों में भरा जा रहा है। इसके अलावा बिना अनुमति के बिजली लाइनों से पंप जोड़कर मुफ्त बिजली का उपयोग किए जाने की भी शिकायतें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि अंडोले, वटपल्ली, मनूर, रायकोड और न्यालकल मंडलों में इस प्रकार के कई तालाब बनाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभागों के अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह गतिविधियां लंबे समय से जारी हैं। पूर्व अंडोले विधायक चांटी क्रांति किरण ने आरोप लगाया कि अतिक्रमणकारियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते वे बेखौफ होकर अवैध गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा अवैध रूप से बनाए गए तालाबों को हटाने की मांग की

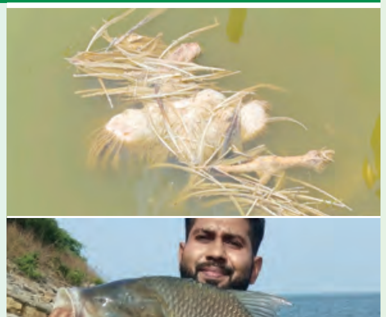

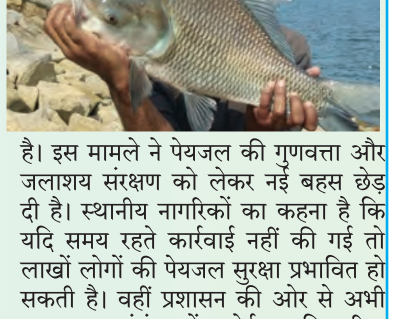

है। इस मामले ने पेयजल की गुणवत्ता और जलाशय संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो लाखों लोगों की पेयजल सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। वहीं प्रशासन की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

चेर्लापल्ली पर 15 से लागू होगी प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था

हैदराबाद, 13 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे 15 जून की मध्यरात्रि से नव विकसित चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल पर प्रवेश नियंत्रण व्यवस्था लागू करेगा। सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुड़ा और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए विकसित इस आधुनिक टर्मिनल में विशाल प्रतीक्षालय, स्वचालित सीढ़ियां, लिफ्ट, आधुनिक शौचालय तथा 6,600 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में विस्तृत वाहन पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को छोड़ने और लेने आने वाले वाहनों को 20 मिनट तक निःशुल्क निकास की सुविधा दी जाएगी। इसके लिए डिजिटल टिकट प्रणाली और स्वचालित रसीद व्यवस्था लागू की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.